- बढ़ते प्रदूषण को लेकर वकील से न्यायाधीश ने कहा- अदालत में वर्चुअल पेश हों अधिवक्ता - 12

- दो योजनाओं को दी गई मंजूरी पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- निर्यात पर लिए गए फैसले से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी - 12

- अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो बोले- दिल्ली विस्फोट आतंकी घटना, भारत कर रहा है बहुत सतर्क जांच - 13

- पहले टेस्ट में भारत स्पिन संतुलन पर कर रहा विचार - 14

आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

12.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.35

सूर्यास्त 05.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष दशमी 12:50 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 14 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 264, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

देशभर में 32 कारों से थी धमाके की साजिश

दिल्ली ब्लास्ट इसी साजिश का हिस्सा, दो-दो के समूहों में 4 शहरों में आईईडी लेकर जाना था | उमर नबी चला रहा था विस्फोट करने वाली कार, डीएनए परीक्षण से हुई पुष्टि

- तीसरी संदिग्ध कार अल-फलाह यूनिवर्सिटी में खड़ी मिली

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली धमाके को लेकर जांच एजेंसियों ने बड़ी साजिश का खुलासा किया है। संदिग्ध आतंकियों ने सीरियल ब्लास्ट की योजना बनाई थी, 32 कारों में बम लगाने की तैयारी थी। आरोपियों की साजिश दो-दो के समूहों में चार शहरों में जाने की थी। प्रत्येक समूह अपने साथ कई आईईडी ले जाने वाला था। जांच में खुलासा हुआ है कि डॉक्टर उमर 6 दिसंबर को बाबरी विध्वंस की बरसी पर दिल्ली में मुंबई के 2008 के 26/11 जैसे हमले को अंजाम देने की फिराक में था।

वहीं लाल किले के पास सोमवार को हुए विस्फोट में घायल एक व्यक्ति की यहां एलएनजेपी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई, जिससे इस विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान बिलाल के रूप में की गई है।

जांच एजेंसी के मुताबिक डीएनए परीक्षण से पुष्टि हुई कि विस्फोट करने वाली कार उमर नबी चला रहा था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उमर की मां के डीएनए नमूने मंगलवार को एकत्र किए गए और जांच के लिए यहां भेजे गए। एक सूत्र ने कहा, डीएनए के नतीजे इस बात की पुष्टि करते हैं कि वास्तव में उमर ही विस्फोट में इस्तेमाल कार चला रहा था। उमर इस सप्ताह की शुरुआत में पर्दाफाश किए गए एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का एक प्रमुख सदस्य था। वही, तीसरी संदिग्ध कार अल-फलाह यूनिवर्सिटी में खड़ी मिली, जिसे डॉ शाहीन चलाती थी।

नई दिल्ली। लाल किले के पास हुए विस्फोट मामले में साक्ष्य जुटाते पुलिस कर्मी। ● एजेंसी

विस्फोटक सामग्री खरीदने के लिए 26 लाख जमा किए थे

नई दिल्ली। सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए डॉक्टरों ने लाल किले के पास विस्फोट में इस्तेमाल की गई सामग्री खरीदने के लिए 26 लाख रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई थी। एक अधिकारी ने बताया कि चार संदिग्धों - डॉ मुजम्मिल गनई, डॉ अदील अहमद राथर, डॉ शाहीन सईद और डॉ उमर नबी ने मिलकर नकद राशि जमा की थी, जिसे सुरक्षित रखने और परिचालन उपयोग के लिए डॉ उमर को सौंप दिया गया था। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा निवासी और हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर डॉ उमर सोमवार शाम को लाल किले के व्यस्त इलाके में हुए विस्फोट में इस्तेमाल हुंदै आई20 कार चला रहा था। जांचकर्ताओं का मानना है कि यह धनराशि एक बड़ी आतंकी साजिश के लिए थी। जमा की गई इस राशि से उन्होंने कथित तौर पर गुरुग्राम, नूंह और आसपास के शहरों से लगभग 3 लाख रुपये मूल्य का लगभग 26 क्विंटल एनपीके खाद खरीदा था। अधिकारियों ने बताया कि अन्य रसायनों के साथ मिश्रित इस उर्वरक का इस्तेमाल आमतौर पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बनाने में किया जाता है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि समूह द्वारा इतनी बड़ी मात्रा में खाद की खरीद, जांच में एक अहम सुराग बन गई है। उन्होंने बताया कि वित्तीय लेन-देन और आपूर्ति रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। सूत्रों ने यह भी बताया कि विस्फोट से पहले के दिनों में उमर और मुजम्मिल के बीच धन के लेन-देन को लेकर मतभेद था।

थ्रीमा स्विस संचार एप के जरिए संपर्क में थे आतंकी

नई दिल्ली। फरीदाबाद के अल फलाह विश्वविद्यालय से जुड़े तीन डॉक्टर, जो सोमवार शाम लाल किले के पास हुए घातक कार विस्फोट के लिए जांच के घेरे में हैं, 'थ्रीमा' नामक एक स्विस संचार एप के जरिए लगातार संपर्क में थे। पुलिस ने बताया कि तीनों संदिग्धों डॉ. उमर उन नबी, डॉ. मुजम्मिल गनई और डॉ. शाहीन शाहिद - ने कथित तौर पर इस एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप का इस्तेमाल आतंकी साजिश से जुड़ी अपनी गतिविधियों की योजना बनाने और समन्वय करने के लिए किया था। सोमवार को विस्फोट वाली कार चलाने वाला उमर और उसकी टीम ने फरीदाबाद से जब्त की गई एक लाल इकोस्पोर्ट कार का इस्तेमाल अमोनियम नाइट्रेट के परिवहन और भंडारण के लिए किया था। सूत्रों ने उमर को मॉड्यूल का सबसे कट्टरपंथी सदस्य और सभी आरोपी डॉक्टरों के बीच सेतु बताते हुए कहा कि मुजम्मिल व आतंकी साजिश से जुड़ी गिरफ्तारी के बाद उसने अपने फोन बंद कर दिए और संपर्क तोड़ दिए।

फर्जी निकला अल फलाह विवि

- एआईयू ने अल फलाह विवि की सदस्यता निलंबित की
- वेबसाइट पर मान्यता के झूठे दावे पर नैक ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) ने गुरुवार को घोषणा की कि राष्ट्रीय राजधानी में लाल किला के नजदीक हुए कार धमाके के बाद जांच के घेरे में आए अल फलाह विश्वविद्यालय की सदस्यता निलंबित कर दी गई है। एआईयू सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत एक सोसाइटी है और इसके सदस्य भारतीय विश्वविद्यालय हैं।

एआईयू की महासचिव पंकज मित्तल ने कहा, यह सूचित किया जाता है कि भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के उपनियमों के अनुसार, सभी विश्वविद्यालयों को तब तक सदस्य माना जाएगा, जब तक वे मानकों का अनुकरण करते हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, संज्ञान में आया है कि अल फलाह विश्वविद्यालय, फरीदाबाद, हरियाणा ने मानकों के अनुकूल कार्य नहीं किया है।

वहीं, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ने अल-फलाह विश्वविद्यालय को अपनी वेबसाइट पर गलत मान्यता प्रमाणपत्र प्रदर्शित करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नैक एक स्वायत्त सरकारी निकाय है जो महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों जैसे उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता का मूल्यांकन और प्रमाणन करता है। कारण बताओ नोटिस में एनएएसी ने कहा कि उसने पाया है कि अल-फलाह विश्वविद्यालय, जो न तो मान्यता प्राप्त है और न ही उसने एनएएसी द्वारा मान्यता के लिए आवेदन किया है, ने अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया है कि अल-फलाह विश्वविद्यालय अल-फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट का एक प्रयास है।

विवि से संबंधित रिकॉर्ड के फॉरेंसिक ऑडिट का आदेश, ईडी करेगी धन के लेन-देन की जांच

नई दिल्ली। सरकार ने दिल्ली विस्फोट के बाद चर्चा में आए अल फलाह विश्वविद्यालय के सभी रिकॉर्ड का फॉरेंसिक ऑडिट कराने का आदेश दिया है। इसके अलावा सरकार ने ईडी और अन्य वित्तीय जांच एजेंसियों से हरियाणा स्थित इस संस्थान में धन के लेन-देन की जांच करने को भी कहा है। सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद ये निर्णय लिए गए। बैठक में लालकिले के पास 10 नवंबर को हुए विस्फोट की जारी जांच की प्रगति की डेढ़ घंटे तक समीक्षा की गई। अल फलाह विश्वविद्यालय के सभी रिकॉर्ड का फॉरेंसिक ऑडिट करने का आदेश जारी किया गया है। हरियाणा में फरीदाबाद जिले के धौज स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय एक निजी संस्थान है, जिसके परिसर में एक अस्पताल भी है। हरियाणा नंबर वाली जिस कार में विस्फोट हुआ, उसे डॉक्टर उमर नबी चला रहा था। वह राष्ट्रीय राजधानी के पास फरीदाबाद स्थित विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत था। जांच एजेंसियों ने विश्वविद्यालय से जुड़े तीन चिकित्सकों को हिरासत में लिया है।

दिल्ली में दाखिल होते व मस्जिद जाते दिखा उमर

नई दिल्ली। विस्फोट का एक नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें उस दिन मुख्य संदिग्ध डॉ. उमर नबी को बदरपुर बॉर्डर टोल प्लाजा से दिल्ली में प्रवेश करते हुए और बाद में रामलीला मैदान के नजदीक एक मस्जिद के पास टहलते हुए देखा जा सकता है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बदरपुर टोल प्लाजा के फुटेज में उमर को विस्फोट के दिन 10 नवंबर को एक सफेद हुंदै आई20 कार चलाते हुए और सुबह 8.02 बजे टोल गेट पर रुकते हुए देखा जा सकता है। कार कुछ देर के लिए रुकती है व उमर नकदी निकालता है और आगे बढ़ने से पहले उसे टोल ऑपरेटर को सौंप देता है।

तलाक के बाद बदली डॉ. शाहीन की जिंदगी

कानपुर। सुरक्षा एजेंसियां धमाके की कड़ियां जोड़ने कानपुर पहुंची तो जैश-ए-मोहम्मद महिला विंग की कमांडर डॉ. शाहीन का कनेक्शन व कॉन्टैक्ट भी सामने आए। एनआईए और एटीएस ने चार थानाक्षेत्रों में पड़ताल की। नौ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पड़ताल के दौरान ही डीएम कार्डियोलॉजी के छात्र डॉ. मो. आरिफ का नाम सामने आया। जिसके फ्लैट की जांच की और उसे अरेस्ट कर लिया। इसी बीच डॉ. शाहीन की जीएसवीएम कालेज में लेक्चरर के दौरान गतिविधियां, पति, बच्चे, कन्नौज तबादला। उसके बाद में पति व दोनों बच्चों को छोड़कर जाने और मुजम्मिल के संपर्क की बात भी सामने आई।

ब्रीफ न्यूज

यूपी बार काउंसिल के चुनाव की नामांकन प्रक्रिया आज से

प्रयागराज। प्रदेश में यूपी बार काउंसिल के 25 सदस्यों के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 14 नवंबर से शुरू होगी। बार कौंसिल के सचिव व चुनाव अधिकारी राम किशोर शुक्ल ने बताया कि इस बार दो लाख 49 हजार 808 मतदाता कौंसिल के 25 सदस्यों के चुनाव के लिए मताधिकार का प्रयोग करेंगे। नामांकन प्रक्रिया 19 नवंबर तक होगी। नामांकन पत्रों की जांच 20 व 21 नवंबर को व नाम वापसी 27 नवंबर तक होगी। प्रत्याशियों की अंतिम सूची 28 नवंबर तक दी जायेगी। मतदान चार चरणों में होगा। पहला चरण 16 व 17 जनवरी को और दूसरा चरण 20 व 21 जनवरी को तीसरा 27 व 28 जनवरी को होगा। चौथा चरण 30 व 31 जनवरी को होगा।

देश की पहली डिजिटल जनगणना का परीक्षण

तिरुवनंतपुरम। देश की पहली डिजिटल जनगणना का परीक्षण केरल में शुरू हो गया। इस राज्य के पलक्कड़, एर्नाकुलम और इडुक्की ज़िलों में आयोजित इस परीक्षण का उद्देश्य डिजिटल जनगणना के देशव्यापी कार्यान्वयन से पहले इसमें किसी भी समस्या का पता लगाना और उसका समाधान करना है। 1948 के जनगणना अधिनियम के प्रावधानों के तहत यह कवायद 2027 की जनगणना की तैयारियों के पहले चरण का प्रतीक है।

टैंक-रोधी मिसाइलों की खरीद के लिए अनुबंध

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के साथ 2,095 करोड़ रुपये का समझौता किया है। इस अनुबंध के तहत भारतीय सेना के लिए अत्याधुनिक टैंक-रोधी मिसाइलों की खरीद की जाएगी। सेना की लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इन मिसाइलों की खरीद की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय मानव तस्करी का खुलासा, एजेंट गिरफ्तार

अंतर्राष्ट्रीय मानव तस्करी मामले का खुलासा करते आईजी एसटीएफ नीलेश आनंद भरणे।

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- कई राज्यों के युवकों को म्यांमार (बर्मा) से मुक्त कराया गया, इनमें उत्तराखंड के 21
- इन भारतीय युवकों को बनाते थे साइबर गुलाम, कराते थे ऑनलाइन साइबर ठगी

अमृत विचार: उत्तराखंड एसटीएफ ने साइबर गुलाम बनाकर ऑनलाइन साइबर ठगी कराने वाले अंतर्राष्ट्रीय मानव तस्कर सिंडिकेट का सनसनीखेज खुलासा किया है। देश के विभिन्न राज्यों से ले जाए गए नवयुवकों को म्यांमार (बर्मा) से मुक्त कराकर भारत वापस लाया गया, इनमें उत्तराखंड के 21 युवक हैं, जिन्हें उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने ऊधमसिंह नगर जिले के जसपुर से गुरुवार को एक एजेंट को गिरफ्तार किया है जबकि दूसरे की तलाश है।

पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) साइबर/एसटीएफ नीलेश आनंद भरणे के अनुसार, इनपुट मिला था कि उत्तराखंड समेत देश भर के कई राज्यों के नवयुवकों को दिल्ली से बैंकॉक (थाइलैंड) में वीजा पर ले जाया जाता है। झांसा दिया जाता है कि उनकी थाईलैंड की सॉफ्टवेयर कंपनियों में डाटा एंट्री ऑपरेटर और अन्य पदों पर जॉब लगवायी जाएगी और वेतन भारतीय मुद्रा में 70 हजार से 1 लाख रुपये के बीच में होगा। इसके बाद जब भारतीय युवक बैंकॉक एयरपोर्ट पर पहुंचते तो वहां से साइबर स्लेवरी गैंग के सदस्यों द्वारा इन सभी को रिसीव कर थाईलैंड-म्यांमार सीमा पर स्थित नदी और जंगल के रास्ते म्यांमार (बर्मा) के म्यावाडी स्थित केके पार्क ले जाया जाता, जहां इनको साइबर गुलाम बनाकर इनसे जबरन ऑनलाइन साइबर अपराध कराया जाता था।

आईजी ने बताया कि, इस इनपुट पर एएसपी कुश मिश्रा (आईपीएस) के नेतृत्व में पुलिस टीम ने I4सी सेंटर केंद्रीय गृह मंत्रालय से संपर्क किया। जिसके बाद उत्तराखंड के 21 निवासियों को एंबेसी के सहयोग से वापस भारत उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। इन पीड़ितों से पूछताछ के बाद इस साइबर स्लेवरी सिंडिकेट के दो एजेंट चिन्हित किए गए। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन रुद्रपुर के निरीक्षक अरुण कुमार और ऊधमसिंह नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने एजेंट जसपुर निवासी सुनील को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ थाना जसपुर में अभियोग पंजीकृत कराया गया है। आईजी के अनुसार, गिरफ्तार एजेंट के म्यांमार के सम्पर्कों की जांच की जा रही है।

रामनगर में बुजुर्ग की सिर कुचलकर हत्या

रामनगर। ग्राम पूछड़ी क्षेत्र में बुजुर्ग की नृशंसता से हत्या करने की वारदात सामने आई है। परिवार से अलग झोपड़ी में रहने वाले 65 साल के सलीम अली का लहूलुहान हालत में शव बरामद होने से सनसनी फैल गई। सलीम का सिर बुरी तरह से कुचला गया था।

- मुरादाबाद में बेची थी 3 बीघा जमीन, कई एंगल पर जांच

पुलिस के अनुसार, सलीम के परिजन पास ही फौजी कॉलोनी, पूछड़ी में रहते हैं। सलीम बुधवार शाम उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के भगतपुर गांव से अपनी जमीन बेचकर लौटा था और उसके पास जमीन बिक्री के करीब तीन लाख रुपये भी थे। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने झोपड़ी के अंदर का नजारा देखा तो उनके होश उड़ गए। हत्या की सूचना पर सीओ सुमित पांडे और कोतवाल सुशील कुमार मौके पर पहुंचे। कोतवाल के अनुसार, शुरुआती तौर पर इसे लूटपाट का मामला माना गया लेकिन तलाशी के दौरान सलीम के कपड़ों से 50 हजार मिले हैं। इसके अलावा, सलीम की जिस नृशंसता से हत्या की गई है, वह भी कई सवाल खड़े कर रही है। हत्याकांड में किसी नजदीकी की भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

बिहार में किसकी बनेगी सरकार फैसला आज, दलों ने की समीक्षा

पटना, एजेंसी

बिहार में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को सुबह से ही आने शुरू हो जाएंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने मतगणना के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। मतगणना सुबह आठ बजे से शुरू होगी। मतगणना के दौरान किसी भी असंवैधानिक स्थिति से निपटने के लिए तैयारी पूरी कर ली गई है।

इस बीच, राजनीतिक दलों ने भी परिणाम को लेकर गहन समीक्षा की। मतगणना से एक दिन पहले राजनीतिक दलों ने अपने स्तर से स्थिति की व्यापक समीक्षा की और आगे की रणनीति को लेकर मंथन किया। इस बीच, पूरे राज्य में निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या बिहार में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रिकॉर्ड पांचवां कार्यकाल हासिल कर पाएंगे। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार और राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि पार्टी कार्यकर्ता और जनता मतगणना के दौरान किसी भी असंवैधानिक गतिविधि से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पोस्टल बैलेट (डाक मतपत्र) की गिनती सबसे पहले शुरू होगी। इसके बाद सुबह 8:30 बजे से ईवीएम की मतगणना शुरू की जाएगी। पोस्टल बैलेट की गिनती संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर या असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर की उपस्थिति में उम्मीदवारों या उनके अधिकृत एजेंटों के सामने होगी। बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर मतगणना के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। हर क्षेत्र के लिए एक रिटर्निंग ऑफिसर और एक काउंटिंग ऑब्जर्वर तैनात रहेगा। परिणामों

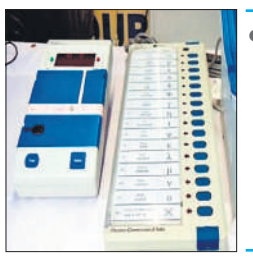

- मतगणना के दौरान किसी भी असंवैधानिक स्थिति से निपटने की तैयारी पूरी

धन शोधन में जेपी इंफ्राटेक के पूर्व एमडी मनोज गौड़ गिरफ्तार

नई दिल्ली। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईडी की कार्रवाई में जेपी इंफ्राटेक के पूर्व एमडी मनोज गौड़ को गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत ने आरोपी को ईडी की पांच दिन की हिरासत में भेज दिया। घर खरीदारों के साथ 14,599 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी मामले में यह कार्रवाई हुई है। ईडी ने दिन में गौड़ को गिरफ्तार किया था। उन्हें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धीरेंद्र राणा के समक्ष पेश किया गया।

ईडी ने आरोप लगाया कि आवासीय परियोजनाओं के निर्माण और पूरा होने के लिए हजारों घर खरीददारों से एकत्रित धनराशि को निर्माण के अलावा अन्य उद्देश्यों में इस्तेमाल किया गया, जिससे खरीददारों के साथ धोखाधड़ी हुई और उनकी परियोजनाएं अधूरी रह गईं।

घोषणा | मुख्यमंत्री धामी ने 88 .11 करोड़ की विकास योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया

सीएम ने चम्पावत को दी पैरामेडिकल कॉलेज की सौगात

संवाददाता, चम्पावत/टनकपुर

टनकपुर में सहकारिता मेले का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को अपने चम्पावत दौरे के दौरान जनपद को कई बड़ी सौगात दीं। उन्होंने टनकपुर में सहकारिता मेले में 88.11 करोड़ रुपये के विकास योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास करने के साथ ही जिले में पैरामेडिकल कॉलेज की स्थापना की घोषणा की।

कहा कि, यह संस्थान न केवल जनपद में चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता को सुदृढ़ करेगा, बल्कि क्षेत्र के युवाओं को स्वास्थ्य क्षेत्र में रोजगार और प्रशिक्षण के नए अवसर भी प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पैरामेडिकल कॉलेज की स्थापना से चम्पावत और आसपास के जिलों को कुशल तकनीकी स्वास्थ्य कर्मी उपलब्ध होंगे, जिससे प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सेवाओं को और प्रभावी बनाया जा सकेगा। राज्य सरकार द्वारा जनस्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है और चम्पावत को आदर्श जिला बनाने की दिशा में यह एक मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कॉलेज के लिए भूमि चयन और आवश्यक प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाएगी। कहा कि, राज्य सरकार का लक्ष्य है कि पहाड़ी जिलों के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और रोजगार के अवसर प्राप्त हों। चम्पावत में पैरामेडिकल कॉलेज की स्थापना इसी दिशा में एक ठोस कदम है।

सहकारिता आंदोलन आर्थिक प्रगति की रीढ़

मुख्यमंत्री ने टनकपुर में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में सहकारिता विभाग द्वारा गांधी मैदान में आयोजित सहकारिता मेले का का फीता काटकर उद्घाटन किया। कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आपसी सहयोग, सामाजिक समरसता और सामूहिक विकास का प्रतीक है। सहकारिता आंदोलन राज्य की आर्थिक प्रगति की रीढ़ है, जिससे किसान, युवा और महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार,14 नवंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

तेंदुए के हमले में महिला की मौत

पौड़ी : पौड़ी जिले के पोखड़ा ब्लॉक के ग्राम बगड़ीगाड़ में तेंदुए के हमले से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। 70 वर्षीय रानी देवी गुरुवार शाम घर के पास खेतों की ओर गई थीं। इसी दौरान घात लगाए बैठे तेंदुए ने उन पर अचानक हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजन और ग्रामीण जब मौके पर पहुंचे तो महिला की मौत हो चुकी थी। वन विभाग के अधिकारी नक्षत्र शाह ने बताया कि आसपास के जंगलों में तेंदुए की तलाश शुरू कर दी गई है और उसे पकड़ने के लिए पिंजरे भी लगाए जा रहे हैं। गांव में इस घटना के बाद दहशत का माहौल है।

आग का गोला बना पिकअप वाहन

रुड़की : देहरादून रोड पर गणेश चौक से लंढौरा की ओर जा रहा पिकअप वाहन विश्वकर्मा चौक के पास अचानक बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गया। हादसे में चालक आरिफ मलिक निवासी लंढौरा, मंगलौर ने कूदकर अपनी जान तो बचा ली लेकिन वाहन कुछ ही देर में आग का गोला बन गया। अग्निशमन कर्मियों ने तत्परता से आग पर काबू पाकर वाहन का डीजल टैंक फटने से बचा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया।

लाल-नीली बत्ती, हूटर लगा घूमना पड़ा भारी

हरिद्वार : दिल्ली ब्लास्ट के बाद हाई अलर्ट के बीच चेकिंग के दौरान सिडकुल पुलिस ने बुधवार देर रात एक स्कॉर्पियो को सीज कर दिया। सिडकुल पुलिस किर्बी चौक पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान चिन्मय चौक की ओर से काली स्कॉर्पियो उधर से गुजरी। कार पर लाल-नीली बत्ती लगी थी और चालक लगातार हूटर बजा रहा था। पुलिस ने कार रुकवाकर जांच की तो वाहन चालक टिबड़ी निवासी शिवम वाहन से संबंधित कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर एमवी एक्ट में सीज कर दिया।

ट्रैकर लापता

रुद्रप्रयाग : मध्यमहेश्वर ट्रैक पर तीन दिन पूर्व लापता हुए ट्रैकर का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि आठ सदस्यीय दल के साथ ट्रैकिंग पर निकला यह ट्रैकर 10 नवंबर को साथियों से बिछड़ गया था। यह दल 10 नवंबर को मध्यमहेश्वर ट्रैकिंग पर रवाना हुआ था और उसी दिन देहरादून के सहस्रधारा रोड का रहने वाला ट्रैकर वासू फरासी (22) अचानक लापता हो गया था। सर्च अभियान जारी है।

विंटर की बारिश में वंचित क्षेत्रों में भी होगा हिमपात

मौसम विभाग ने शीतकाल में सामान्य वर्षा होने की संभावना जताई, कई समीकरण बना रहे बर्फबारी के माहौल को अनुकूल

संवाददाता, नैनीताल

(फाइल फोटो)

अमृत विचार: मानसून सामान्य से अधिक बरसा है तो अब विंटर की बारिश भी सामान्य रहने की संभावना की घोषणा मौसम विभाग ने कर दी है। मतलब है कि इस बार पर्वतीय क्षेत्रों में दिसंबर और जनवरी में बारिश के साथ हिम की बरसात भी जमकर होने वाली है।

इस बार की मौसम की परिस्थिति बर्फबारी के अनुकूल हैं। सर्दी अभी से पड़नी शुरू हो गई है। मानसून की बारिश के चलते नमी भी पर्याप्त मात्रा में मौजूद हैं। ऊपर से ला नीना भी ठंड लेकर आ रहा है। ये सब कारण बर्फबारी की परिस्थितियों को अनुकूल बनाते हैं। मालूम हो कि, पर्वतीय क्षेत्रों में दो हजार की मीटर तक की ऊंचाई वाले हिस्सों में बर्फबारी होनी बंद हो चुकी है जिसकी वजह ग्लोबल वार्मिंग बढ़ने से जलवायु परिवर्तन है। मगर इस बार हालात बदले हुए हैं तो उन हिस्सों में भी बर्फबारी देखने को मिलेगी, जो हिमपात से वंचित रहने लगे हैं। इसके साथ ही, प्रचंड ठंड भी देखने को मिलेगी। ठंड बढ़ाने के लिए पाला भी खूब गिरेगा। विंटर के दौरान मैदानी भाग भी ठंड से अछूते नहीं रहेंगे। पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी के चलते मैदानी भागों में शीत लहर का प्रकोप रहेगा। जलवायु परिवर्तन के चलते राज्य के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। बहरहाल जलवायु परिवर्तन को लेकर मौसम विशेषज्ञों को विंटर सीजन का इंतजार है, जिसमें शीतकालीन मौसम में आ रहे बदलावों की जानकारी मिलेगी।

रात की ठंड में अधिक इजाफा होगा

नैनीताल : मौसम विभाग देहरादून के वैज्ञानिक डॉ. रोहित थपलियाल के अनुसार, शीतकाल में सामान्य बारिश रहेगी तो पर्वतीय क्षेत्रों में हिमपात की गुंजाइश अधिक रहेगी। ला नीना दिसंबर व जनवरी में असर डालेगा। फिलहाल आने वाले दिनों में मौसम शुष्क बना रहेगा। रात को तापमान गिरने से ठंड में बढ़ोतरी जारी रहेगी। पिछले साल विंटर सूखा गया था। मगर इस बार राज्य में होने वाली बारिश 150 मिमी से अधिक होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। उधर, मानसून में राज्य में सामान्य से 22 फीसद बारिश 1420 मिमी हुई थी।

सरोवर नगरी: दिन में गर्म, रात को बेहद सर्द

नैनीताल : सरोवर नगरी के मौसम में गर्मी और सर्दी का आलम बना हुआ है। गुरुवार को दिन के समय तीखी धूप में बैठना मुश्किल हुआ तो रात को कड़ाके की ठंड महसूस हुई। नगर का न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। नगर में सुबह से शाम तक चटख धूप खिली रही, जिस कारण तेज धूप में बैठना असहनीय रहा। मगर शाम ढलते-ढलते पारा गिरना शुरू हो गया और तेज ठंड महसूस होने लगी। दिन में अधिक गर्मी और रात को अत्यधिक ठंड का मौसम देख स्थानीय लोग हैरान हैं। लोगों को हीटर व आग का सहारा लेना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिन मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है, लेकिन रातों को अधिक ठंड पड़ने की संभावना भी व्यक्त की है। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहा। आद्रता अधिकतम 80 व न्यूनतम 50 प्रतिशत रही।

चरस तस्कर को 10 वर्ष का कठोर कारावास

पिथौरागढ़: पिथौरागढ़ के विशेष सत्र न्यायाधीश शंकर राज की अदालत ने चरस तस्कर को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास और एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

मामले के अनुसार पिथौरागढ़ की जाजरदेवल पुलिस और विशेष अभियान समूह की टीम ने वर्ष 2018 में किशोर कुमार निवासी ग्राम स्यूवन, थाना अस्कोट को 976 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया था। आरोपी के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर न्यायालय में वाद दाखिल किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से ठोस पैरवी के साथ ही मामले में कई गवाह पेश किए गए। विशेष सत्र न्यायालय ने गुरुवार को आरोपी शंकर को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास और एक लाख रुपये जुर्माना की सजा सुनाई। अदालत ने जुर्माना अदा न करने की एवज में दो वर्ष अतिरिक्त कारावास की सजा का प्रावधान किया है।

सुंदरखाल मामले में सरकार स्थिति स्पष्ट करे: हाईकोर्ट

- हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ में सुनवाई

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कार्बेट पार्क की सीमा से सटे सुंदरखाल वनग्राम के विस्थापन के मामले में प्रदेश सरकार हाईकोर्ट को एक सप्ताह में वस्तुस्थिति से अवगत कराएगी।

सुंदरखाल से जुड़ी इंडिपेंडेंट मीडिया इनीशिएटिव सोसायटी और अन्य की ओर से दायर याचिका पर गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में सुनवाई हुई। सरकार की ओर से आपदाग्रस्त इस गांव के विस्थापन के संबंध में कहा गया कि ग्रामीणों के विस्थापन का मामला शासन के पास विचाराधीन है। विस्थापन के लिए एक जगह पर एक साथ बड़ी मात्रा में भूमि की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। खंडपीठ ने सरकार को एक सप्ताह में वस्तुस्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। इस मामले में अब 21 नवंबर को सुनवाई होगी। कार्बेट नगरी रामनगर से मात्र 13 किमी की दूरी पर बसा सुंदरखाल गांव वन संरक्षित क्षेत्र है। वर्ष 1975 में बसे इस गांव में आज भी बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी है। गांव में बिजली, पानी और स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं हैं।

याचिका खारिज, विदेश यात्रा पर प्रतिबंध जारी

नैनीताल : हाईकोर्ट ने धोखाधड़ी से 95 लाख रुपये में भूखंड बेचने के आरोपी की याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उसने अपने खिलाफ जारी लुक-आउट सर्कुलर (एलओसी) को रद्द करने की मांग की थी। न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की एकलपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता असद खान के खिलाफ एलओसी जारी करने में कोई अवैधता या अनियमितता नहीं बरती गई है और उसे जारी रखना उचित है। हरिद्वार के बुग्गावाला थाने में प्रनीत कोहली ने एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि खान ने उनके बेटे मुदित कोहली को हरिद्वार में फर्जी दस्तावेजों के जरिए एक भूखंड बेचा था।

इस आधार पर जमानत मंजूर

नैनीताल: हाईकोर्ट ने एनडीपीएस एक्ट में 1 किलो से अधिक चरस के साथ गिरफ्तार आरोपी की तलाशी राजपत्रित अधिकारी द्वारा न किए जाने को आधार मानकर आरोपी की जमानत मंजूर की है।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ में हुई। न्यायालय ने यह फैसला सुनाते हुए पाया कि तलाशी और जब्ती की प्रक्रिया के दौरान एनडीपीएस अधिनियम की धारा 50 का उचित रूप से पालन नहीं किया गया, जो कि अनिवार्य था।

आरोपी मिथिलेश भगत को 9 जनवरी 2025 को थाना नानकमत्ता, जिला ऊधम सिंह नगर में गिरफ्तार किया गया था। आरोपी मिथिलेश भगत के पास वाणिज्यिक मात्रा 1.120 किलोग्राम चरस बरामद हुई थी।

यूसीसी से आधार की बाध्यता हटाना उत्तराखंड विरोधी कदम

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने राज्य में लागू यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) से आधार की अनिवार्यता खत्म करने के केंद्र सरकार के फैसले को उत्तराखंड विरोधी कदम बताया है। कहा कि यह फैसला राज्य की नागरिकता प्रणाली और नियंत्रण व्यवस्था को कमजोर करने वाला है।

हरीश रावत ने प्रेस वार्ता में कहा कि जब यूसीसी लागू किया गया था, तब आधार के आधार पर पंजीकरण को एक नियंत्रण व्यवस्था के रूप में रखा गया था, ताकि बाहरी लोगों की पहचान सुनिश्चित की जा सके, अब जब सरकार ने उस नियंत्रण को हटा दिया है, तो कोई भी व्यक्ति जो यहां यूसीसी में पंजीकरण कराएगा, वह उत्तराखंड की नागरिकता का दावा कर सकता है। कहा, यह कदम उत्तराखंड की मूल भावना और स्थानीय हितों के खिलाफ है। आधार की बाध्यता हटाकर सरकार ने दरवाज़े खोल दिए हैं कि बाहर से आने वाला कोई भी व्यक्ति यहां पंजीकरण करा सके। यह न केवल हमारे सामाजिक ढांचे को प्रभावित करेगा बल्कि राज्य की जनसंख्या संरचना पर भी असर डाल सकता है। रावत ने आगे कहा कि सरकार द्वारा लिव-इन रिलेशनशिप में पंजीकरण प्रक्रिया को सरल करने के नाम पर जो बदलाव किए गए हैं, वे भी चिंताजनक हैं। यूसीसी को लेकर जो भावना राज्य के लोगों में थी कि इससे सामाजिक अनुशासन और नैतिक संतुलन बनेगा वह अब सरकार के ऐसे निर्णयों से कमजोर होती जा रही है। सरकार ने जो कहा था, वह पारदर्शिता और सुरक्षा का सिस्टम बनाने के लिए था, अब नियंत्रण हटाकर यह व्यवस्था शिथिल कर दी गई है, यह उत्तराखंड की संस्कृति, सामाजिक मूल्यों और स्थानीय हितों के लिए ठीक नहीं है।

तो सिलवा लेंगे भगवा

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने पार्टी की नई टीम में कोई नई जिम्मेदारी नहीं मिलने और संन्यास की तैयारी के सवाल पर हंसते हुए जवाब दिया, अभी मैंने भगवा कपड़ा नहीं देखा है, लेकिन जब आप कहेंगे तो सिलवा लेंगे, संन्यास भी एक आदरणीय अवस्था है, पर अभी मेरा काम है नए लोगों को उत्साहित करना।

अच्छी खबर: स्वास्थ्य विभाग को मिलेंगे 287 नए चिकित्सक

संवाददाता, देहरादून

- चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड ने जारी की भर्ती विज्ञप्ति

अमृत विचार: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को 287 और नये चिकित्सक मिलेंगे। राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड ने चिकित्सा अधिकारियों की सीधी भर्ती के लिए अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे हैं। चयन बोर्ड ने उक्त भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 दिसम्बर 2025 निर्धारित की है। उक्त पदों हेतु अभ्यर्थियों के लिये न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष व अधिकतम 42 वर्ष सुनिश्चित की है।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग ने प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के अंतर्गत साधारण ग्रेड चिकित्सा अधिकारियों के रिक्त 287 पदों सीधी भर्ती हेतु राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड को अधियाचन भेजा था, जिसमें 231 पद सीधी भर्ती और 56 बैकलॉग के पद शामिल हैं।

चयन बोर्ड ने गुरुवार को चिकित्सा अधिकारियों रिक्त पदों को सीधी भर्ती से भरने हेतु भर्ती विज्ञप्ति जारी कर अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे हैं। चयन बोर्ड द्वारा जारी भर्ती विज्ञप्ति में चिकित्सा अधिकारियों के इन पदों में अनारक्षित श्रेणी के कुल141, अनुसूचित जाति 70, अनुसूचित जनजाति 11, अन्य पिछड़ा वर्ग 38, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के तहत 27 पद शामिल हैं, जिस हेतु ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया आगामी 20 नवम्बर 2025 से शुरू हो जाएगी, जबकि आवेदन की अंतिम तिथि 10 दिसम्बर 2025 को निर्धारित की गई है। चयन बोर्ड से चिकित्सकों के चयन के उपरांत उन्हें प्रदेश के दूरस्थ चिकित्सालयों में प्रथम तैनाती दी जाएगी, ताकि सुदूरवर्ती क्षेत्रों में आम लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेगी।

15 को आयोजित होगी मॉकड्रिल

देहरादून: राजधानी में भूकंप की संभावित आपदा से निपटने की विभिन्न विभागों की तैयारियों को परखने के लिए 15 नवंबर की सुबह आधे घंटे के लिए अलग-अलग स्थानों में मॉकड्रिल आयोजित की जाएगी। गुरुवार को मॉकड्रिल की तैयारी को लेकर उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में टेबल टॉप एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। राज्य सलाहकार समिति आपदा प्रबंधन विभाग के उपाध्यक्ष विनय कुमार रुहेला एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य डॉ. डीके असवाल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और मॉक ड्रिल के आयोजन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

मेडिकल एजूकेशन का हब बना उत्तराखंड

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड मेडिकल एजूकेशन हब के तौर पर उभर रहा है और प्रदेश के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

सचिव, स्वास्थ्य डॉ. राजेश कुमार ने गुरुवार को बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व और कुशल प्रबंधन से हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है और जल्द ही रुद्रपुर और पिथौरागढ़ में भी मेडिकल कॉलेज की शुरुआत हो जाएगी। सरकार का फोकस स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती के साथ-साथ मेडिकल एजूकेशन को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। उन्होंने बताया कि राज्य में सरकारी और निजी कॉलेजों को मिलाकर एमबीबीएस की 1325 सीटें स्वीकृत हैं। मौजूदा समय में उत्तराखंड में पांच सरकारी और चार निजी मेडिकल कॉलेज हैं। इनमें श्रीनगर (गढ़वाल), हल्द्वानी, देहरादून, अल्मोड़ा और हरिद्वार मेडिकल कॉलेज उच्च स्वास्थ्य शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इन कॉलेजों में हर साल 625 एमबीबीएस छात्रों को प्रवेश दिया जाता है और 238 से अधिक पीजी (पोस्टग्रेजुएट) सीटें उपलब्ध हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य गठन के समय जब यह संख्या शून्य थी, तब यह वृद्धि ऐतिहासिक कही जा सकती है। वीर चंद्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, श्रीनगर में एमबीबीएस की 150 सीटें और 51 पीजी सीटें संचालित हैं। हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज में 125 एमबीबीएस और 69 पीजी सीटें हैं, जबकि दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून में 150 एमबीबीएस और 70 पीजी (पोस्ट ग्रेजुएट) सीटें हैं। वहीं, अल्मोड़ा और हरिद्वार के नए कॉलेजों में 100-100 एमबीबीएस सीटें शुरू की गई हैं। यह सब मुख्यमंत्री धामी की उस नीति का परिणाम है जिसके तहत उनका लक्ष्य हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करना है।

मानव संसाधन को भी मजबूत किया

डॉ. कुमार ने बताया कि सरकार ने केवल इमारतें नहीं बनाईं, बल्कि मानव संसाधन को भी मज़बूत किया है। मार्च 2025 में मुख्यमंत्री धामी ने 1232 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। पिछले तीन वर्षों में स्वास्थ्य विभाग ने 173 सहायक प्रोफेसर, 56 वरिष्ठ फैकल्टी सदस्य और 185 तकनीकी कर्मचारी नियुक्त किए हैं, जिससे 22,000 से अधिक नई सरकारी नौकरियां सृजित हुई हैं। प्रदेश में अब 12 सरकारी और 80 से अधिक निजी नर्सिंग संस्थान हैं, जिनमें कुल 4,700 बीएससी नर्सिंग सीटें, 463 एमएससी नर्सिंग सीटें और 4000 से अधिक सहयोगी स्वास्थ्य पाठ्यक्रमों की सीटें उपलब्ध हैं। पैरामेडिकल क्षेत्र में भी निजी संस्थानों के माध्यम से 12000 से अधिक सीटें उपलब्ध हैं, जिससे हजारों युवाओं को रोजगारोन्मुख शिक्षा मिल रही है।

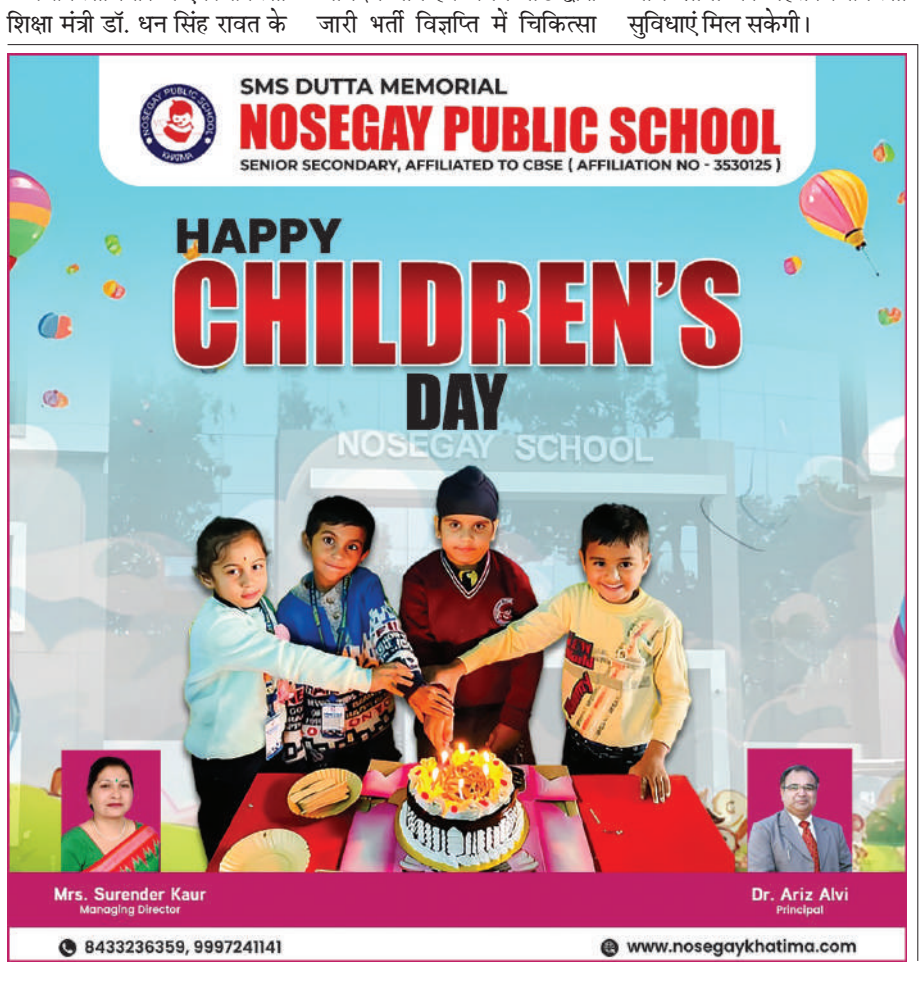

शिकंजा

देशभर में फैले गिरोह का पर्दाफाश, 87 लाख की ठगी का खुलासा

डिजिटल अरेस्ट स्कैम का मास्टरमाइंड अरेस्ट

संवाददाता, देहरादून

एसटीएफ की गिरफ्त में आरोपी।

अमृत विचर : एसटीएफ की साइबर क्राइम पुलिस टीम ने देश में सक्रिय 'डिजिटल अरेस्ट स्कैम' गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए मुख्य अभियुक्त को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया है। गिरोह ने देहरादून और नैनीताल के दो पीड़ितों से कुल 87 लाख रुपये की ठगी की थी।

एसएसपी नवनीत सिंह के अनुसार ठग ग्रेटर मुंबई पुलिस और सीबीआई अधिकारी बनकर व्हाट्सऐप वीडियो कॉल के जरिये पीड़ितों को डराते थे और उन्हें करीब 48 घंटे तक "डिजिटली अरेस्ट" रखकर विभिन्न खातों में पैसे ट्रांसफर कराते थे।

जांच में पता चला कि गिरफ्तार अभियुक्त किरण कुमार केएस के बैंक खाते से जुड़े 24 से अधिक मामले देशभर में दर्ज हैं, जिनमें करीब 9 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन पाया गया है। एसटीएफ ने बेंगलुरु के येलहंका क्षेत्र से आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके पास से तीन मोबाइल फोन, दो सिम कार्ड, एक लैपटॉप, चेकबुक व बैंक दस्तावेज बरामद किए गए।

अभियुक्त को मजिस्ट्रेट से 6 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर देहरादून लाया जा रहा है। गिरोह की महिला सहयोगी राजेश्वरी रानी, जो तमिलनाडु में रह रही है, उसे भी बीएनएसएस की धारा 35(3) के तहत नोटिस जारी किया गया है। पुलिस टीम में निरीक्षक राजेश सिंह, उपनिरीक्षक जगमोहन सिंह, कांस्टेबल सुधीश खत्री थे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ नवनीत सिंह ने कहा कि कोई भी एजेंसी ऑनलाइन गिरफ्तारी नहीं करती है। अजनबी कॉल या वीडियो कॉल पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी न दें और किसी भी प्रकार के निवेश स्कैम या इनाम के लालच में न आएं। किसी भी साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में 1930 पर कॉल करें या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।

इस तरह फंसाते हैं साइबर ठग

देहरादून : एसटीएफ ने बताया कि "डिजिटल हाउस अरेस्ट" में जालसाज खुद को पुलिस, सीबीआई, ईडी या एनसीबी अधिकारी बताकर लोगों को फोन और वीडियो कॉल पर डराते हैं। वे पीड़ित को बताते हैं कि उसके नाम पर बैंक खातों में हवाला या मनी लॉन्ड्रिंग के रुपए आए हैं या किसी पार्सल में ड्रग्स मिले हैं। भय दिखाकर वे "वेरिफिकेशन" के नाम पर पीड़ित से उसके रुपए अपने खातों में ट्रांसफर करा लेते हैं।

टिहरी बांध से वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित

टिहरी गढ़वाल: टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (डीएचडीसी) ने आवश्यक मरम्मत कार्यों के चलते टिहरी बांध से आम वाहनों की आवाजाही अगले आदेश तक पूर्ण रूप से प्रतिबंधित कर दी है। टीएचडीसी ने कहा है कि यह कदम सुरक्षा कारणों से उठाया गया है। मरम्मत कार्य निर्बाध रूप से संचालित हो सकें और किसी प्रकार की दुर्घटना की आशंका न रहे। केवल आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहन जैसे एम्बुलेंस, पुलिस, आपातकालीन सेवा तथा विभागीय वाहन को ही बांध से गुजरने की अनुमति दी जाएगी। यह अस्थायी प्रतिबंध स्थानीय लोगों और यात्रियों के लिए कुछ असुविधा उत्पन्न कर सकता है, लेकिन विभाग का कहना है कि क्षेत्र की सुरक्षा और जनहित को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय आवश्यक है।

सिटी ब्रीफ

सड़क पर पैदल जा रहे मजदूर को कुचला

हल्द्वानी : सड़क पर पैदल जा रहे मजदूर को एक तेज रफ्तार वाहन ने अपनी चपेट में लिया। हादसे में मजदूर की मौत हो गई। चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नयागांव चंदनपुर कालाढूंगी निवासी 45 वर्षीय भगवान दास पेशे से मजदूर था। बुधवार रात करीब 9 बजे वह नयागांव कालाढूंगी-रामनगर रोड पर पैदल चल रहा था कि तभी एक अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। आनन-फानन में उसे सीएचसी कालाढूंगी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

10.8 ग्राम स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

हल्द्वानी : बनभूलपुरा पुलिस ने युवक को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। प्रभारी थानाध्यक्ष दिनेश चंद्र जोशी ने बताया कि चैकिंग के दौरान सुदीप कुमार पुत्र राधे श्याम निवासी 16 क्वार्टर टनकपुर रोड राजपुरा को 10 .8 ग्राम स्मैक साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय के आदेश पर आरोपी को जेल भेज दिया गया है। पुलिस टीम में एसआई जगवीर सिंह, कांस्टेबल मोहम्मद यासीन व लक्ष्मण राम थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से फॉरेस्ट गार्ड की मौत

हल्द्वानी : टनकपुर में वाहन की टक्कर से फॉरेस्ट गार्ड की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक खितौली पिथौरागढ़ निवासी 28 वर्षीय हेमंत सिंह पुत्र नरेंद्र सिंह मेहता फॉरेस्ट गार्ड था। बीती 27 अक्टूबर को वह बाइक से जा रहा था। टनकपुर में जगपड़ा पुल पर उसे अज्ञात वाहन ने चपेट में ले लिया। हेमंत को पहले एसटीएच और फिर निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां बुधवार को उसकी मौत हो गई।

पीएम ने दिलायी आयुर्वेद को वैश्विक पहचान

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भुजियाघाट में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पीजीओकोन -2025 का किया शुभारंभ

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को नैनीताल जिले के भुजियाघाट स्थित काया आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पीजीओकोन -2025 का शुभारंभ किया। तीन दिवसीय सम्मेलन पाल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट, हल्द्वानी, विश्व स्वास्थ्य संगठन कोलेबोरेटिंग सेंटर फॉर इमरजेंसी एंड ट्रॉमा केयर, जेपीएनएटीसी, एम्स नई दिल्ली के सहयोग से हो रहा है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भारत की प्राचीन चिकित्सा प्रणाली आयुर्वेद केवल उपचार की पद्धति नहीं, बल्कि निरोगी और संतुलित जीवन का दर्शन है। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने स्वास्थ्य को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन की अवस्था बताया था, और यही आयुर्वेद का मूल उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आयुष मंत्रालय की स्थापना के बाद से आयुर्वेद को नई वैश्विक पहचान मिली है। उत्तराखंड सरकार भी इसी दिशा में राज्य को ग्लोबल सेंटर ऑफ आयुर्वेद एंड वैलनेस के रूप में विकसित कर रही है।

कहा कि देवभूमि उत्तराखंड सदैव से योग, औषधियों और जड़ी-बूटियों की भूमि रही है। यहां की पर्वतीय वनस्पतियों ने आयुर्वेद को मजबूत आधार प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य राज्य को वेलनेस टूरिज्म और प्राकृतिक चिकित्सा का प्रमुख केंद्र बनाना है। इसके लिए आयुर्वेदिक कॉलेजों, अनुसंधान संस्थानों और योग ग्रामों को सशक्त किया जा रहा है।

सांसद अजय भट्ट ने कहा कि हमारी चिकित्सा पद्धति काफी पुरानी और कारगर है। कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने कहा कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय जीवन पद्धति और ज्ञान परंपरा का अभिन्न हिस्सा है।

कार्यक्रम के दौरान विधायक सरिता आर्या, राम सिंह कैड़ा, मंडी परिषद अध्यक्ष अनिल कपूर (डब्बू), दर्जा मंत्री शंकर कोरंगा, नवीन वर्मा, आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, आईजी रिद्धिम अग्रवाल, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, पाल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के निदेशक अशोक पाल, बृजलाल अस्पताल के निदेशक डॉ. अजय पाल मौजूद रहे।

काया आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के कार्यक्रम में मौजूद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

स्प्रिचुअल इकोनोमिक जोन बनेगा उत्तराखंड

मुख्यमंत्री धामी ने घोषणा भी की कि राज्य सरकार द्वारा गढ़वाल और कुमाऊं मंडल में स्प्रिचुअल जोन बनाया जाएगा। इन केंद्रों के माध्यम से योग, आयुर्वेद, ध्यान, आध्यात्मिक पर्यटन और पारंपरिक चिकित्सा से जुड़े उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल राज्य को आध्यात्मिक और वेलनेस अर्थव्यवस्था के नए मॉडल के रूप में विकसित करेगी, जिससे स्थानीय युवाओं को भी रोजगार और उद्यमिता के अवसर प्राप्त होंगे।

काया आयुर्वेदिक कालेज और रिसर्च इंस्टीट्यूट भवन का शुभारंभ करते सीएम धामी।

आयुष से राज्य के पर्यटन को मिलेगी नई पहचान

संवाददाता, नैनीताल

- मुख्यमंत्री धामी बोले- कुमाऊं और गढ़वाल में खोले जाएंगे अध्यात्म केंद्र

अमृत विचार: भुजियाघाट पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा उत्तराखंड में आयुष आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्तराखंड को पर्यटन के लिए नई पहचान मिलेगी जो लोग आयुर्वेद सपना उपचार करना चाहते हैं वह देश दुनिया से उत्तराखंड जाएंगे जिससे लोगों को उपचार तो मिलेगा साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में आयुष चिकित्सा पद्धति राज्य के पर्यटन क्षेत्र को नई पहचान दिलाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य की स्वच्छ जलवायु, प्राकृतिक सुंदरता और औषधीय पौधों की प्रचुरता आयुष आधारित पर्यटन (वेलनेस टूरिज्म) के लिए अपार संभावनाएं रखती है। सरकार का लक्ष्य उत्तराखंड को आयुष और वेलनेस पर्यटन हब के रूप में विकसित करना है। इसके लिए राज्य में आयुर्वेदिक कॉलेज, पंचकर्म केंद्र, योग और नेचुरोपैथी संस्थानों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे जहां लोगों को पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का लाभ मिलेगा, वहीं स्थानीय युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर भी सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आयुष को पर्यटन नीति से जोड़कर राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड आयुष भूमि और आयुर्वेद-योग की भूमि है, जहां अब दुनिया भर के लोग स्वास्थ्य, आयुर्वेद और वेलनेस के लिए आएंगे कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि उत्तराखंड को हेल्थ, वेलनेस और अध्यात्म के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने बताया कि सरकार प्रदेश में कुमाऊं और गढ़वाल में दो आध्यात्मिक जोन स्थापित करने जा रही है, ताकि धार्मिक पर्यटन के साथ ही आयुष और आयुर्वेद को भी प्रोत्साहन मिल सके। उन्होंने कहा कि राज्य में आयुष विश्वविद्यालयों और संस्थानों की स्थापना की जा रही है, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

इसे क्या ही पढ़ना, फेंक ही देते हैं...

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मंच से भाषण के दौरान अपनी चिर-परिचित ह्यूमर भरी शैली में नजर आए और मंच से भाषण के बीच एक पर्ची फेंक कर बोले ''इसे क्या ही पढ़ना, फेंक ही देते हैं। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

दरअसल, मुख्यमंत्री के भाषण शुरू करने के दौरान एक मजेदार वाकया सामने आया, जिसने वहां मौजूद सभी लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला दी। कार्यक्रम शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री को एक पर्ची दी गई, जिसमें मंच पर मौजूद अतिथियों के नाम लिखे थे, जैसे ही सीएम धामी ने भाषण शुरू किया और नाम पढ़ने लगे, उन्हें तुरंत गलती का अहसास हुआ। दरअसल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट की जगह प्रदीप बिष्ट लिखा था, मुख्यमंत्री ने पर्ची को देखा, फिर मुस्कुराते हुए कहा, अगर मैं ध्यान नहीं देता तो मंच से गलत नाम ही पढ़ देता, जो ठीक नहीं होता, इसके बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''इसमें पढ़ना भी क्या है यार, इसे फेंक ही देते हैं।'' और पर्ची को सबके सामने मंच से फेंक दिया।

मुख्यमंत्री की इस बात पर कार्यक्रम में मौजूद लोग ठहाके लगाकर हंस पड़े और तालियां बजाने लगे। माहौल में हल्कापन लौट आया। इसके बाद सीएम धामी ने बिना किसी पर्ची के ही मंच पर मौजूद सभी लोगों के नाम एक-एक कर खुद पढ़े। उन्होंने कहा-अच्छा हुआ पर्ची फेंक दी, इससे मुझे खुद सबके नाम लेने का मौका मिला। इस मौके पर सीएम धामी ने यह भी हिदायत दी कि ऐसे आयोजनों में लापरवाही नहीं होनी चाहिए और हर व्यक्ति का नाम सही और सम्मानपूर्वक लिया जाना चाहिए। कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने मुख्यमंत्री धामी की सहजता और विनम्रता की जमकर तारीफ की।

बिहार चुनाव लेकर आश्वस्त हैं सीएम

सीएम धामी ने कहा कि सभी एग्जिट पोल ने बिहार में एनडीए की भारी बहुमत से जीत दिखाई है और नतीजे वाले दिन भी यही होगा। उल्लेखनीय है कि सीएम धामी ने बिहार में जमकर चुनाव प्रचार किया था। साथ ही उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में भाजपा का परचम लहरा है।

आधी रात बाइक पर घर से निकला समधन को दांत से काटा, ईंट से फोड़ा दामाद का सिर

छात्र हादसे का शिकार, मौके पर मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- रात 12 बजे के करीब पंचातयघर चौराहे के पास हुआ हादसा
- किसी काम से निकला था 20 वर्षीय युवक

अमृत विचार : आधी रात बाइक पर सवार होकर घर से निकला छात्र हादसे का शिकार हो गया। पंचायत घर चौराहे के पास एक अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में युवक की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस अज्ञात वाहन की शिनाख्त में जुटी है।

पुलिस के मुताबिक, धनपुरी आनंदपुर पंचायतघर निवासी 20 वर्षीय करन सिंह गुप्ता होटल मैनेजमेंट के छात्र था और यहां पिता राधे किशन गुप्ता, मां व बहन के साथ रहता था।

बुधवार रात करीब 12 बजे करन बाइक पर सवार होकर किसी जरूरी काम से घर से निकला था। वह अभी पंचायतघर से कुछ दूरी पर रामपुर रोड स्थित हिडेन लीफ रेस्टोरेंट के पास पहुंचा था कि तभी अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में करन गंभीर रूप से घायल हो गया।

आनन-फानन में उसे डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। टीपीनगर चौकी प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि हादसे को अंजाम देने वाले वाहन और चालक की शिनाख्त की जा रही है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पति-पत्नी के बीच चल रहा विवाद गुरुवार को मारपीट में बदल गया। दोनों पक्ष काउंसिलिंग के लिए जजी परिसर में पहुंचे। दामाद ने ससुर से अपनी बेटी की खैरियत पूछी और विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि ससुर ने वहीं पड़ी ईंट से दामाद का सिर फोड़ दिया और बचाव में आई समधन के हाथ में दांत से काट लिया। घायल दामाद परिवार के साथ कोतवाली पहुंचा और ससुर के खिलाफ तहरीर दी।

हरिपुर पूर्णानंद गोरापड़ाव निवासी हेमंत कुमार आगरी (32) पुत्र वीरपाल आगरी पेशे से चालक है। हेमंत पर उसकी पत्नी पूजा ने दहेज उत्पीड़न समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। हेमंत ने परिवार बचाने के लिए परिवार न्यायालय में अर्जी दी है, जिसकी दूसरी काउंसिलिंग गुरुवार को जजी कोर्ट स्थित न्यायालय में थी।

पूजा अपने पिता चंदन लाल और हेमंत अपने पिता वीरपाल, मां नीमा देवी (53) व बहन जया के साथ पहुंचा था। हेमंत का अपनी पत्नी पूजा व ससुर चंदन से सामना हुआ। हेमंत का आरोप है कि पूजा उनकी चार वर्षीय बेटी को नहीं लाई थी और बेटी के बारे में पूछते ही ससुर नाराज हो गए।

मामूली कहासुनी पलभर में गाली-गलौज में बदल गई। आरोप है कि इस दौरान ससुर को हेमंत का धक्का लगा तो उन्होंने पास पड़ी ईंट उठाकर हेमंत पर हमला कर दिया। ईंट लगने से हेमंत का सिर फट गया। बीच-बचाव में आई हेमंत की मां नीमा के हाथ में चंदन ने दांत काट लिया। किसी तरह लोगों ने दोनों पक्षों को अलग किया।

हेमंत का कहना है कि लहूलुहान हालत में वह कचहरी से परिवार के साथ हल्द्वानी कोतवाली पहुंचा और तहरीर दी। इस संबंध में कोतवाल अमर चंद्र शर्मा का कहना है कि मामले में तहरीर मिली है। जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

घायल मां, बहन व पिता के साथ तहरीर लेकर कोतवाली पहुंचा घायल हेमंत आगरी।

काफी वक्त से नहीं देखा बेटी का चेहरा

हल्द्वानी : हेमंत का कहना है कि उसकी शादी को पांच साल हो गए हैं। पत्नी से विवाद के चलते वह अपने पिता के घर पर रहती है। उनकी चार वर्षीय बेटी भी मां के साथ है। विवाद के चलते हेमंत ने काफी समय से अपनी बेटी को नहीं देखा था। उन्हें लगा कि पूजा बेटी को साथ लेकर आएगी, लेकिन बेटी को साथ में देखा तो उत्सुकतावश वह बेटी के बारे में पूछ बैठा और विवाद हो गया।

मालिकाना हक व विकास की मांग पर अड़े ग्रामीण

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बागजाला के ग्रामीणों का मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को 88वें दिन भी जारी रहा।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगों में मालिकाना अधिकार प्रदान करना, निर्माण कार्यों पर लगी रोक हटाना, पंचायत चुनाव के अधिकार बहाल करना, विकास कार्य शुरू करना और पेयजल योजना को शुरू करना है। अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनन्द सिंह नेगी ने कहा कि स्थानीय समस्याओं को नजर अंदाज किया जा रहा है। यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं होता है, तो आंदोलन के 100वें दिन प्रशासनिक इकाइयों पर डेरा डालो, घेरा डालो कार्यक्रम किया जाएगा। भाकपा माले सचिव कैलाश पांडे ने कहा कि लालकुआं के विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने मांगों को तीन महीने के भीतर हल करने का भरोसा दिया था। कहा कि यह तीन महीने की अवधि कल पूरी हो रही है। इस दौरान हेमलता, विमला और दीवान सिंह बर्गली, हरक सिंह बिष्ट, फरहा, मारूफ अली, दौलत सिंह आदि रहे।

बार में युवकों ने शराब पीकर निकाला तमंचा, झोंका फायर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- दमुवाढूंगा स्थित एक बार में बाल-बाल बचे लोग
- घटना सीसीटीवी में कैद, तमंचा चलने वालों की तलाश जारी

अमृत विचार : बियर बार में नाक तक शराब पीने के बाद युवकों को तमंचे की याद आ गई। ये भूल गए कि बार में कई और लोग है। उन्होंने कमर में खुसा तमंचा निकाला, लोड किया और फायर झोंक दिया। गनीमत रही कि गोली किसी को लगी नहीं और पूरी घटना वहीं लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। पुलिस ने आरोपियों की शिनाख्त तो कर ली है, लेकिन तमंचा की अभी तलाश है।

यह घटना 9 नवंबर की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि काठगोदाम क्षेत्र में रहने वाले दो युवक बार में शराब पीने के लिए पहुंचे। किसी को पता नहीं था कि इन दोनों के मन और कमर में क्या है। शराब पीने के बाद इनमें से एक युवक ने कमर में खुसा तमंचा निकाल लिया।

यह देख वहां मौजूद लोग सकते में आ गए और खुला तमंचा देख कर विरोध भी नहीं कर सके। तभी युवक ने तमंचा लोड किया और फायर झोंक दिया। घटना के बाद दोनों आराम से चले गए। जिसके बाद बार संचालक ने घटना की सूचना काठगोदाम पुलिस को दी। दो कांस्टेबल मौके पर पहुंचे और बार में लगे सीसीटीवी फुटेज जांचे। सीसीटीवी में दोनों युवक फायर करते नजर आए। काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा का कहना है कि घटना संज्ञान में है और मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नशे में भरी रफ्तार तीन गिरफ्तार

हल्द्वानी : नशे में धुत होकर वाहन चलाना तीन लोगों को भारी पड़ा। पुलिस ने न सिर्फ वाहन चलाने वालों के वाहन सीज किए, बल्कि उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया।

काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि चौकी मल्ला गेट काठगोदाम क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान नशे में वाहन चलाने वाले 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में प्रकाश पुत्र भीम सिंह निवासी चकरपुर उधमसिंह नगर, दिनेश पुत्र रघुवर निवासी रायधून चंपावत और सैयद मोहम्मद जीशान पुत्र मुर्तजा निवासी पीलीभीत उत्तर प्रदेश हैं।

मैदानी इलाकों में रात का तापमान और गिरा

संवाददाता, हल्द्वानी

- पहाड़ों में दिन के समय मौसम बना है सुहावना

अमृत विचार: उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में जहां रात के समय तापमान में भारी गिरावट आई है तो वहीं दिन के समय पहाड़ों में पारा सामान्य से ज्यादा दर्ज किया जा रहा है।

नवंबर माह में आम तौर पर 20 नवंबर के बाद से न्यूनतम तापमान आठ डिग्री के नीचे जाता है लेकिन पिछले दो दिनों से हल्द्वानी और आसपास रात को न्यूनतम तापमान आठ डिग्री से नीचे चला गया है। हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री कम है। पहाड़ों में दिन के समय चटक धूप निकल रही है। मुक्तेश्वर में अधिकतम तापमान 18.6 डिग्री रहा जो सामान्य से 3.8 डिग्री ज्यादा रहा तो न्यूनतम तापमान 4.3 डिग्री दर्ज किया गया है। अनुमान है कि अगले एक सप्ताह तक इसी तरह का मौसम बना रहेगा।

सुविधा | ईपीएफ के क्षेत्रीय कार्यालय में फेशियल ऑथेंटिकेशन टेक्नोलोजी से किया जा रहा प्रमाणन

अब चेहरा स्कैन करते ही हो रहा जीवन प्रमाणन

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जीवन प्रमाणन के लिए फेशियल ऑथेंटिकेशन टेक्नोलोजी शुरू की है। इसमें पेंशनधारक का चेहरा स्कैन करते ही उसका जीवन प्रमाणन हो जाएगा। हल्द्वानी में भी इसी तकनीकी से प्रमाणन हो रहा है।

ईपीएफ क्षेत्रीय कार्यालय में सिर्फ जनपद नैनीताल नहीं बल्कि समूचे कुमाऊं के पेंशनधारक हैं। इनमें पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत और ऊधम सिंह नगर से भी पेंशनधारक जुड़े हुए हैं जिन्हें जीवन प्रमाणन के लिए हल्द्वानी कार्यालय आना पड़ता है हालांकि ईपीएफओ ने डिजिटल जीवन प्रमाणन की सुविधा शुरू की है लेकिन फिर भी पेंशनधारक हल्द्वानी पहुंचते हैं। अब उन्हें किसी भी समस्या से नहीं जूझना होगा।

ईपीएफ ने फेशियल ऑथेंटिकेशन टेक्नोलोजी शुरू की है। इसमें एफएटी से पेंशनधारक का चेहरा स्कैन करते ही उसका समस्त डाटा जैसे यूनिवर्सल एकाउंट नंबर, नाम, पता, उम्र, बैंक खाता नंबर, कुल की गई सर्विस, जीवन प्रमाणन की तिथि आदि का ब्योरा पोर्टल पर आ जाएगा। इसके बाद जीवन प्रमाणन या पेंशन धारक का कोई भी काम हो जाएगा। हल्द्वानी क्षेत्रीय कार्यालय ने इस तकनीक से पेंशन धारकों का जीवन प्रमाणन शुरू कर दिया है। अब इससे यह फायदा होगा कि यदि अंगुलियों की बनावट में बदलाव से बायोमैट्रिक नहीं होती है तो बार-बार अपडेट नहीं करना होगा। वहीं बुजुर्गों को कार्यालय के चक्कर नहीं काटने होंगे। ईपीएफ के सहायक आयुक्त आकाश वर्मा ने फेशियल अथॉन्टिकेशन टेक्नोलोजी से लोगों का जीवन प्रमाणन किया जा रहा है। यह लेटेस्ट टेक्नोलोजी है, इससे लोगों को बार-बार अपनी डिटेल नहीं देनी होगी सिर्फ चेहरा स्कैन करते ही समस्त जानकारी आ जाएगी।

कप्तान ने कंपनी बाग पहुंचकर ली जानकारी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिले की कमान संभालने के बाद एसएसपी मंजूनाथ टीसी पहली बार बनभूलपुरा के उस कंपनी बाग इलाके में पहुंचे, जहां से करीब दो साल पहले हिंसा भड़की थी। कप्तान कंपनी बाग में बन रहे बनभूलपुरा थाने के नये भवन का निरीक्षण किया और फिर वहीं कुर्सी लगा ली। यहां न सिर्फ उन्होंने निर्माण पर चर्चा की बल्कि बनभूलपुरा की नब्ज की टटोली।

बता दें कि हिंसा के दौरान जब पुलिस बनभूलपुरा में कई जगह फंस चुकी थी, तब डॉ.मंजूनाथ टीसी ऊधमसिंहनगर के एसएसपी थे और मदद के लिए उन्होंने अपने जिले की फोर्स भेजी थी। इसी इलाके को करीब से टटोलने के लिए गुरुवार को कप्तान बनभूलपुरा पहुंचे। कंपनी बाग में थाने के नए भवन का निर्माण चल रहा है। उन्होंने भवन को देखा और थाना प्रभारी व कार्यदाई संस्थाओं को सभी सुरक्षात्मक पहलुओं के साथ निर्माण मापदंडों के अनुसार निर्माण समयबद्ध तरीके से पूरे दिए निर्देश दिए। कंपनी बाग में निर्माणधीन भवन स्थल के करीब उन्होंने कुर्सी, मेज लगाकर निर्माण और बनभूलपुरा को लेकर चर्चा की। एसएसपी ने मल्ला काठगोदाम चौकी का भी स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसपी संचार रेवाधर मठपाल, प्रतिसार निरीक्षक हरकेश सिंह, प्रभारी थानाध्यक्ष सुशील चंद्र जोशी, काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल कुमार मिश्रा, सहायक अभियंता जयॉक पाण्डे, वर्क सुपरवाइजर अरविन्द चमोली, प्रधान लिपिक हेम चंद्र सती, भवन लिपिक दीपा, पीआरओ हेमा ऐठानी आदि थे।

बनभूलपुरा के कंपनी बाग में बन रहे पुलिस के नए भवन को लेकर चर्चा करते एसएसपी मंजूनाथ टीसी। ● अमृत विचार

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार, 14 नवंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

सामाजिक विज्ञान महोत्सव का आयोजन

भीमताल : राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रानीबाग में संकुल स्तरीय सामाजिक विज्ञान महोत्सव का उद्घाटन अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से दीपा रानी और महक ने किया। संकुल समन्वक सामाजिक विज्ञान गोपाल दत्त गुणवंत ने बताया कि इस दौरान भाषण प्रतियोगिता में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सलड़ी के छात्र गौरव, मॉडल प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कॉलेज दोगड़ा के छात्र शशांक और क्विज में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रानीबाग के छात्र मयंक प्रथम स्थान पर रहे। निर्णायक दीप पंत, राकेश सती, महेश जोशी, बलवंत ह्यांकी, मनोज कुमार, चित्रेश पंत, मुन्नी त्रिपाठी रहे।

बड़ा मीट के दाम कम करने की मांग की

रामनगर : मुस्लिम समाज के लोगों ने गुरुवार को सामाजिक कार्यकर्ता जावेद खान के नेतृत्व में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि काफी समय से रामनगर में स्लाटर हाउस बंद है और बड़ा मीट बाहर से आ रहा है। रामनगर में बड़ा मीट व्यापारियों द्वारा मीट दो सौ रुपये में लाकर तीन सौ रुपये में बेचा जा रहा है जो महंगा है। उन्होंने कहा कि बड़ा मीट का रेट कम किया जाए। इस मौके पर जावेद खान, आदिल खान, शोएब रज़ा, अनीस आलम अंसारी रहे।

डीएसबी परिसर में भौतिकी को लेकर हुईं प्रयोगात्मक गतिविधियां

प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा का कुमाऊं विवि में एक सप्ताह का शैक्षणिक कार्यक्रम सम्पन्न, छात्रों- शोधार्थियों व शिक्षकों ने लिया भाग

संवाददाता, नैनीताल

डीएमसबी परिसर में भौतिक विज्ञान के बारे में जानकारी देते प्रो. एचसी वर्मा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर स्थित भौतिकी विभाग में देश के प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी एवं पद्मश्री प्रो. एचसी वर्मा का एक सप्ताह का शैक्षणिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस दौरान विभाग में अनेक शैक्षणिक एवं प्रयोगात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिन्होंने विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों में विज्ञान के प्रति नई ऊर्जा और जिज्ञासा का संचार किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ 6 नवम्बर को हुआ, जब प्रो. वर्मा ने विभाग में आउटरेच एंड इनोवेशन लबोरेटरी की स्थापना की। इसके बाद 7 नवम्बर को इस प्रयोगशाला का औपचारिक उद्घाटन कुलपति प्रो. दीवान एस. रावत एवं प्रो. वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से किया। इसी दिन एएन सिंह हॉल में प्रो. वर्मा का व्याख्यान हुआ, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के लगभग 1100 विद्यार्थी शामिल हुए। अपने संबोधन में कुलपति प्रो. रावत ने कहा कि विश्वविद्यालय में ऐसी प्रयोगशाला की स्थापना करने की उनकी लंबे समय से इच्छा थी, जो अब प्रो. वर्मा के सहयोग से साकार हुई है। उन्होंने कहा कि यह प्रयोगशाला विद्यालयों और विश्वविद्यालय के बीच एक मजबूत शैक्षणिक सेतु का कार्य करेगी। भौतिकी विभाग की अध्यक्ष प्रो. शुचि बिष्ट ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि "प्रो. वर्मा जैसे वैज्ञानिक को सुनना विद्यार्थियों के लिए बड़ा अवसर है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सीमा पांडे ने किया। इस अवसर पर प्रो. संजय पंत, प्रो. चित्रा पांडे, प्रो. नीता बोरा, प्रो. एमसी जोशी, प्रो. रमेश, प्रो. बिमल पांडे, प्रो. आलोक दुर्गापाल, प्रो. बरगली, प्रो. विजय कुमार, प्रो. महेंद्र राणा आदि उपस्थित रहे। 8 से 13 नवंबर तक प्रो. वर्मा की टीम ने उनकी देखरेख में विभाग की प्रयोगशाला में स्वनिर्मित भौतिकी प्रयोग तैयार किए। इन प्रयोगों का प्रतिदिन विभिन्न स्तरों के विद्यार्थियों कक्षा 9वीं-10वीं, 11वीं-12वीं और स्नातक (B.Sc.) छात्रों के लिए प्रदर्शन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों के वैज्ञानिक संदेहों का समाधान किया गया और भौतिकी के कठिन लगने वाले सिद्धांतों को प्रयोगों के माध्यम से सरलता से समझाया गया। विशेष सत्र में प्रो. वर्मा ने अध्यापकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को स्वयं निर्मित प्रयोगों का सीधा प्रदर्शन दिखाया। समापन समारोह में विभागाध्यक्ष प्रो. शुचि बिष्ट ने कहा कि "प्रो. वर्मा से हमने न सिर्फ विज्ञान सीखा, बल्कि समर्पण और सादगी का भी पाठ सीखा। सभी संकाय सदस्यों ने प्रो. वर्मा और उनकी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया तथा इस अमूल्य शैक्षणिक सप्ताह के लिए धन्यवाद दिया।

कुमाऊं विवि के वैज्ञानिक प्रो. साहू की नोबेल विजेता संग शोध साझेदारी

संवाददाता, नैनीताल

● **वर्ष 2010 के भौतिकी के नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. कोस्त्या एस. नोवोसेलोव के साथ मिलकर रिव्यू रिसर्च पेपर प्रकाशित किया**

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक प्रो. नंदा गोपाल साहू ने भारत का नाम एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया है। उन्होंने ग्रैफीन के खोजकर्ता एवं वर्ष 2010 के भौतिकी के नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. कोस्त्या एस. नोवोसेलोव के साथ मिलकर एक उच्च-स्तरीय रिव्यू रिसर्च पेपर प्रकाशित किया है।

यह शोधपत्र 'फंक्शनल नैनोकार्बन्स फ्रॉम वेस्ट प्लास्टिक्स फॉर एनर्जी स्टोरेज एप्लीकेशन्स' शीर्षक से विश्व-प्रसिद्ध एल्सेवियर पब्लिकेशन के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'रिन्यूअबले एंड सुस्तानेबल एनर्जी रिव्युज' (इम्पैक्ट फैक्टर 16.3) में प्रकाशित हुआ है। इस अध्ययन में यह दर्शाया गया है कि फेंके गए प्लास्टिक कचरे को उन्नत नैनोकार्बन मटेरियल्स में बदलकर सुपरकैपेसिटर और बैटरी जैसी ऊर्जा भंडारण इकाइयों में उपयोग किया जा सकता है।

शोध टीम ने वैश्विक शोधों का गहन विश्लेषण करते हुए यह सिद्ध किया कि प्लास्टिक अपशिष्ट से बने नैनोमटेरियल्स ऊर्जा क्षेत्र में एक टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल समाधान साबित हो सकते हैं। रिसर्च पेपर के लेखक चेतना तिवारी, कुंदन सिंह रावत, यंगनम किम, तनुजा आर्या, सुनील धाली, श्रवेंद्र राणा, दारिया वी. आंद्रेएवा, बारबारोस ओज़यिलमाज़, रेमी महफूज़, नादा क़री, योंग चाए जंग, प्रो. नंदा गोपाल साहू और प्रो. कोस्त्या एस. नोवोसेलोव है

प्रो. नोवोसेलोव की सहभागिता इस अध्ययन मे विशेष महत्व है, क्योंकि ग्रैफीन और टू-डी मटेरियल्स (2D मटेरियल्स) के क्षेत्र में उनका योगदान ऐतिहासिक है। वहीं, प्रो. साहू का यह कार्य भारत की वैज्ञानिक क्षमता और नवाचार को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिला रहा है।

कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिवान सिंह रावत, कुलसचिव, विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता तथा विश्वविद्यालय परिवार ने प्रो. साहू को इस असाधारण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है। कुलपति प्रो. डी एस. रावत ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल कुमाऊं विश्वविद्यालय बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। यह दर्शाता है कि विज्ञान और नवाचार के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण जैसी वैश्विक समस्या को ऊर्जा समाधान में बदला जा सकता है।

ऑल सेंट्स की छात्राओं ने सरकारी स्कूल के बच्चों को बांटे उपहार

संवाददाता, नैनीताल

प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के साथ ऑल सेंट्स कालेज की छात्राएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ऑल सेंट्स' कॉलेज, नैनीताल की छात्राओं ने सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीयता का उदाहरण पेश करते हुए गुरुवार को सरकारी प्राथमिक विद्यालय, मल्लीताल का दौरा किया। कार्यक्रम एएफएस एवं राउंड स्क्वेयर के तत्वावधान में "दान उत्सव" के तहत आयोजित किया गया।

इस दौरान कॉलेज की छात्राओं ने विद्यालय के नन्हें बच्चों को खिलौने और स्टेशनरी सामग्री वितरित की। उपहार पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी झलक उठी। छात्राओं ने उनके साथ बैठकर मिड-डे मील भी साझा किया, जो कॉलेज में आयोजित "दान उत्सव" कार्यक्रम के अंतर्गत एकत्र किए गए अनाज से तैयार किया गया था। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने बच्चों से बातचीत कर उन्हें शिक्षा के महत्व के प्रति प्रेरित किया और उनके साथ खेलकूद में भी हिस्सा लिया।

ऑल सेंट्स' कॉलेज की प्रधानाचार्या अंजिना रिचर्ड्स ने छात्राओं की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि "शिक्षा तभी सार्थक होती है जब वह दूसरों के जीवन में प्रकाश भर सके। इस सेवा अभियान में कॉलेज की छह छात्राएं शामिल थीं, जिनके साथ सुनीता चौहान, ज्योतिका गिल, संगीता बिष्ट और मुनव्वर भी उपस्थित रहीं। वहीं सरकारी प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका लीला जोशी सहित विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

छात्रवृत्ति के चेक वितरित किए

कालाढूंगी, अमृत विचार: कोटाबाग ब्लॉक के राजकीय आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार को मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृति के चेक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मनीषा जतंवाल, विशिष्ठ अतिथि ग्राम प्रधान नेहा पांडे व क्षेपंस स्वीटी देवी ने छात्रों को चेक बांटे।

ब्लॉक प्रमुख जंतवाल ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व खेल क्षेत्र में छात्रों को प्रेरित करने के लिए योजनाएं चला रही है। जिससे मेधावी व जरूरतमंद बच्चे प्रोत्साहित हो रहे हैं और योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। खण्ड शिक्षा अधिकारी अंशुल बिष्ट ने बताया कि विद्यालय की मानसिका सांमत, विकास जोशी, प्रिंस भट्ट, भूमिका भट्ट, नितिन परगाई, भूमिका बिष्ट, विशाल बुढलाकोटी, मोहित आर्या, संजय, वंदिता पांडे, लता पांडे को छात्रवृति के रूप में 98400 रुपये के चेक वितरित किए।

बड़ा सवाल: सलीम की हत्या क्यों, हत्यारा कौन

● **लूटपाट, आपसी विवाद या गहरी रंजिश, किसी नजदीकी की भूमिका पर जांच**

संवाददाता, रामनगर

रामनगर में सलीम अली की हत्या के बाद घटना स्थल पर लोगों से पूछताछ करती पुलिस।

अमृत विचार: ग्राम पूछड़ी में वृद्ध सलीम की हत्या का मामला फिलहाल अनसुलझी पहेली बना है। हत्या के कारणों और हत्यारा कौन होगा, इसको लेकर क्षेत्र में कई तरह की चर्चाएं चल रही है।

सलीम हत्याकांड को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। एक अंदेशा यह है कि सलीम मुरादाबाद से बुधवार को जमीन बेचकर लौटा था और उसके पास तीन लाख रुपये थे तो हो सकता है कि जमीन के पैसों के लालच में हत्या की गई हो। हालांकि सलीम की जेब से पचास हजार रुपये मिलने के बाद यह अंदेशा थोड़ा ठहर सा गया लेकिन इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि पुलिस का ध्यान भटकाने के लिए सलीम की जेब में 50 हजार रुपये छोड़े गए हों और लूटपाट के विरोध में हत्या की गई हो।

कोतवाल सुशील कुमार के अनुसार, अगर पैसों को लेकर सलीम की हत्या की गई होती तो हत्यारे पचास हजार रुपये भी ले जाते। हालांकि जिस निर्ममता से हत्या को अंजाम दिया गया, वह कहीं न कहीं सलीम से पुरानी रंजिश या गहरी नफरत की तरफ भी इशारा करता है।

यह भी संभव है कि कहीं मुरादाबाद से जमीन बेचकर लौटने के दौरान ही कोई सलीम के पीछे न लग गया हो। इस एंगल पर भी जांच की जा रही है कि सलीम परिवार से अलग क्यों रह रहा था। क्या कोई पारवारिक कलह तो नहीं थी। सलीम हत्याकांड में पुलिस किसी नजदीकी की भूमिका पर भी जांच कर रही है। कोतवाल के अनुसार, सलीम की आम शोहरत के बारे में भी ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है। कई एंगल पर जांच चल रही है और इस हत्याकांड का जल्द खुलासा कर दिया जाएगा।

ज्योलीकोट में धूमधाम से मनाया पदम महोत्सव

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: वन अनुसंधान रेंज ज्योलीकोट द्वारा गुरुवार को चारखेत क्षेत्र में पदम महोत्सव का आयोजन किया गया।

महोत्सव का उद्देश्य कुमाऊं क्षेत्र के पारंपरिक वृक्ष पैयां यानी पदम के संरक्षण और इसके सांस्कृतिक महत्व को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में पदम वृक्ष के महत्व पर चर्चा की गई और इसके संरक्षण हेतु सामूहिक प्रयासों का संकल्प लिया। पदम वृक्ष को स्थानीय भाषा से पैयां कहा जाता है, शरद ऋतु (अक्टूबर-नवंबर) में अपने गुलाबी-सफेद फूलों से पूरी घाटियों को महका देता है। यह वृक्ष न केवल प्राकृतिक सौंदर्य का प्रतीक है, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं से भी जुड़ा है। महाशिवरात्रि और अन्य पर्वों पर पदम की पत्तियों का उपयोग पूजा-अर्चना में किया जाता है। वन विभाग ने इस वृक्ष के संरक्षण को जापान और शिलांग की तर्ज पर चेरी फेस्टिवल की तरह 'पदम महोत्सव' मनाने की परंपरा शुरू की है। अनुसंधान शाखा की वन संरक्षक तेजस्विनी पाटिल के नेतृत्व में पूरे उत्तराखंड की अनुसंधान रेंजों में महोत्सव मनाया गया। महोत्सव में सांस्कृतिक व रचनात्मक गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

स्मार्ट मीटर लगाने पहुंची टीम का विरोध

कालाढूंगी। रतनपुर गांव चकलुवा में बिजली स्मार्ट मीटर लगाने के लिए पहुंची टीम का ग्रामीणों ने विरोध किया। ग्रामीणों का आक्रोश देख टीम के सदस्यों ने मीटर लगाने बंद कर दिया।

कर्मियों ने चार घरों में स्मार्ट मीटर लगाए ही थे कि दर्जनों ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और मीटर लगाने का विरोध किया। ग्राम प्रधान आशा मेहरा ने ग्रामसभा में स्मार्ट मीटर न लगाने को लेकर पत्र विद्युत विभाग को दिया। ग्रामीणों का आक्रोश देख स्मार्ट मीटर लगाने आयी टीम को बैरंग लौटना पडा। एसडीओ दीपक पाठक ने कहा स्मार्ट मीटर को लेकर ग्रामीणों में अधिक बिल आने का भ्रम है जो कि गलत है अगर अधिक बिल आया तो समाधान किया जायेगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने किसानों को बांटा 3.50 करोड़ रुपये का ऋण

संवाददाता, कालाढूंगी

कालाढूंगी में किसान को ट्रैक्टर की चाबी सौंपते क्षेत्रीय प्रबंधक विशाल व अन्य।

अमृत विचार: बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा कालाढूंगी में वार्षिक किसान संपर्क कार्यक्रम के तहत वृहद किसान मेला आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय प्रबधंक विशाल ने किया। बैंक ऑफ बड़ौदा ने किसानों को 3.50 करोड़ रुपये का ऋण बांटा।

गुरुवार को प्राचिन शिव मंदिर में आयोजित किसान मेले में क्षेत्रीय प्रबंधक विशाल ने कहा कि कृषि में यह क्षेत्र अग्रणी है। उन्होंने किसानों को बैंक ऑफ बड़ौदा की कृषि योजनाओं किसान क्रेडिट कार्ड, एग्री-इन्फ्रास्ट्रक्चर, बड़ौदा किसान प्राइड एवं डिजिटल बीकेसीसी, डिजिटल गोल्ड लोन, स्वयं सहायता समूह ऋण स्कीम का लाभ उठाने को कहा। कार्यक्रम में 150 से अधिक किसान उपस्थित रहे। पात्र किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड व अन्य योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत पत्र वितरित किए गए व 3.50 करोड़ रुपये का ऋण बांटा गया। मेले में स्वास्थ्य शिविर में चंदन हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने किसानों के स्वास्थ्य की जांच की।

पीएनजी महाविद्यालय में मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व निदेशक एवं उच्च शिक्षा सलाहकार उत्तराखंड प्रो. बीएस बिष्ट, विशिष्ट अतिथि पूर्व निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. बीसी मेलकनी, पूर्व प्राचार्य प्रो. हेमा प्रसाद, रियर एडमिरल ओपीएस राणा, महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. एमसी पाण्डे, ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी तथा महाविद्यालय के संस्थापक गलवलिये परिवार से विजय जिंदल और विनय कुमार जिंदल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस मौके पर मुख्य वक्ता वायु सेना के रिटायर्ड रियर एडमिरल ओपीएस राणा ने "व्यवसाय का चयन एवं संतुष्टि" विषय पर व्याख्यान देते हुए रुचि, योग्यता और समाज की आवश्यकता के अनुरूप व्यवसाय चुनने की अपील की। मुख्य अतिथि प्रो.बीएस बिष्ट ने कहा कि पीएनजी महाविद्यालय ने पांच दशकों में शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में जो प्रतिष्ठा अर्जित की है, वह गौरव का विषय है। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो.एमसी पांडे ने कहा कि यह स्वर्ण जयंती केवल उत्सव नहीं, बल्कि संस्थान की निरंतर प्रगति और समर्पण का प्रतीक है।

उन्होंने महाविद्यालय के स्वर्णिम इतिहास, उपलब्धियों और शैक्षणिक यात्रा को बताया।विशिष्ट अतिथि प्रो.बीसी मेलकानी ने कहा कि महाविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में जो उपलब्धियां हासिल की हैं वह सभी के परिश्रम का परिणाम हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे शिक्षा के साथ-साथ चरित्र निर्माण पर भी ध्यान दें।

ब्लॉक प्रमुख श्रीमती मंजू नेगी ने कहा कि महाविद्यालय क्षेत्र की शैक्षिक पहचान बना है। विशिष्ट अतिथि विजय जिंदल ने कहा कि स्वर्ण जयंती वर्ष महाविद्यालय की दीर्घ शैक्षणिक यात्रा का प्रतीक है एवं इसकी सफलता पूर्व छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय जनसमुदाय की साझा धरोहर है।

मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

इस मौके पर महाविद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया जिनमें विज्ञान संकाय की स्नातक मनीषा जखमोला, स्नातकोत्तर के गणित में गुंजन सती, भौतिकी में रश्मि रौतेला, जंतु विज्ञान में रेशमा, रसायन विज्ञान में अंकित ध्यानी एवं वनस्पति विज्ञान में नीलम भारती सम्मानित हुईं। कला संकाय के स्नातक में हर्षिता पाण्डे, स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान में सचिन सिंह रावत, मनोविज्ञान में कमला, इतिहास में यशिका, हिन्दी में सीमा, अर्थशास्त्र में लता, भूगोल में सृष्टि छिम्वाल एवं अंग्रेजी में अंजलि नैलवाल, वाणिज्य संकाय के स्नातक में मानवी मेहता, स्नातकोत्तर में खष्टी रावत, शैफाली परवीन को सम्मानित किया गया। एमए योग में सपना पाण्डे एवं बीएड में दिया कपकोटी को सम्मानित किया गया। क्रीड़ा में भारती गिरी, निशा मेहरा, गौरव नेगी एवं योगिता नेगी को सम्मानित किया गया। एनसीसी में सक्षम चौहान, श्रेया रावत, सपना तड़ियाल, मनोज कुमार, अंजलि गोस्वामी को सम्मानित किया।

वार्डों में स्ट्रीट लाइट बंद, सभासद खफा

नैनीताल, अमृत विचार: नगर के विभिन्न वार्डों में लंबे समय से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों से स्थानीय लोगों को रात के समय भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अंधेरे में आवागमन के दौरान दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, लेकिन नगर पालिका प्रशासन द्वारा इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

इस समस्या को लेकर स्नो व्यू वार्ड के सभासद जितेंद्र पांडे के नेतृत्व में सभासदों ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी रोहिताश शर्मा को ज्ञापन सौंपा। सभासदों ने ज्ञापन में चेतावनी दी कि यदि पांच दिनों के भीतर सभी वार्डों की स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त नहीं की गईं, तो सभासद नगर पालिका के स्टोर में तालाबंदी करेंगे। सभासदों ने कहा कि बार-बार शिकायतों के बावजूद लाइटों की मरम्मत नहीं की जा रही है, जिससे जनता में आक्रोश है।

आयोजन | एरीज के निदेशक डॉ. मनीष कुमार नाजा ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ

ग्राफिक एरा के भीमताल कैंपस में टेक फेस्ट 2025 शुरू

संवाददाता, भीमताल

टेक फेस्ट 2025 में विभिन्न डिजाइन प्रदर्शित करते विद्यार्थी।

अमृत विचार: ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल कैंपस में दो दिवसीय टेक फेस्ट प्रयुक्ति 2025 का प्रारंभ आईईई स्टूडेंट चैप्टर, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी और इस्टेक्स फ्यूजिफिल्म के तत्वावधान में प्रारंभ हुआ।

एरीज, नैनीताल के निदेशक डॉ. मनीष कुमार नाजा ने विधिवत रूप से द्वीप प्रज्जवलित कर किया।

अपने संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों से करियर पर ध्यान केंद्रित करने , नए कौशल सीखने और हर अवसर को अपनाने को कहा। उन्होंने स्पेस साइंस, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और इंटर्नशिप के रोमांचक अवसरों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को जिज्ञासु बने रहने और लगातार प्रयोग करते रहने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी की सराहना करते हुए कहा कि यह मंच विद्यार्थियों को अपने विचारों को आकार देने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। मुख्य अतिथि के रूप में फुजी फिल्म इंस्टैक्स उत्तराखंड के टेरिटरी सेल्स मैनेजर यसवंत सिंह का स्वागत किया गया।

कैंपस निदेशक ने आयोजन टीम, विभिन्न क्लबों और प्रबंधन टीम के प्रयासों की प्रशंसा की और सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान विभिन्न विभागों में तकनीकी और प्रबंधन से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। "रोबो वॉर – द अल्टिमेट फाइट चैलेंज" में छात्रों ने खुद द्वारा डिज़ाइन किए गए रोबोट्स को मैदान में उतारा। "द रोबो कार रेस – द अल्टिमेट ट्रैक चैलेंज" में छात्रों ने आरसी कारों का निर्माण कर अपनी तकनीकी दक्षता दिखाई।

"कोड रिले" में प्रतिभागियों ने सीमित समय में कठिन कोडिंग चुनौतियों का सामना किया। "इकोज़ ऑफ इंटेलेक्ट" (वाद-विवाद प्रतियोगिता) में छात्रों ने विभिन्न विषयों पर अपनी तार्किक सोच और तर्क-वितर्क कौशल का प्रदर्शन किया।

"बैटल एरा 2.0" ई-स्पोर्ट्स प्रतियोगिता ने युवाओं में उत्साह भर दिया। वहीं "3D ऐनाटॉमिकल एंड फिज़ियोलॉजिकल साइंस मॉडल एग्ज़िबिशन" में छात्रों द्वारा तैयार किए गए जटिल वैज्ञानिक मॉडलों की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। सस्टेनेबिलिटी के संदेश को आगे बढ़ाते हुए एक समानांतर सप्लिंग प्लांटेशन ड्राइव भी आयोजित की गई। दिल्ली, लखनऊ, प्रयागराज, पौड़ी गढ़वाल, बरेली सहित कई शहरों से प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सिटी ब्रीफ

भारत को जानो में लिटिल फ्लावर स्कूल रहा विजेता

हल्द्वानी : भारत विकास परिषद ने बीते बुधवार को क्वींस पब्लिक स्कूल में भारत को जानो प्रश्नमंच का आयोजन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिसमें कनिष्ठ वर्ग में लिटिल फ्लावर स्कूल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। कनिष्ठ वर्ग में लिटिल फ्लावर स्कूल के बिट्टू पटेल एवं हर्षिता पलड़िया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रश्नमंच का संचालन अपर्णा नेगी और अलकनंदा माहेश्वरी ने किया। विद्यालय प्रधानाचार्या शांति जीना ने बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए एवं उनकी उपलब्धि के लिए बच्चों को बधाइयां और आशीर्वाद दिया।

एमबीपीजी में लगा निशुल्क पुस्तक मेला

हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के निशुल्क पुस्तक वितरण कार्यक्रम के तहत गुरुवार को क्षेत्रीय केंद्र एमबीपीजी कॉलेज में पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। मेले में छात्र-छात्राओं और जरूरतमंद लोगों को निशुल्क पुस्तकें वितरित की जा रही हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी, क्षेत्रीय निदेशक प्रो. संजय खत्री और सहायक क्षेत्रीय निदेशक रेखा बिष्ट ने किया। प्राचार्य प्रो. बनकोटी ने बताया कि हल्द्वानी क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत इस माह विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर पुस्तक मेलों का आयोजन किया जा रहा है। यहां गणेश गोस्वामी, मधु डोगरा, मनोज जोशी, जीवन भट्ट, मनोहर बिष्ट रहे।

तहसील का अरायजनवीस बना रहा था फर्जी आधार कार्ड और स्थायी निवास प्रमाण पत्र

आयुक्त दीपक रावत ने गुरुवार देर सायं बनभूलपुरा में अरायजनवीस फैजान मिकरानी के घर की छापेमारी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : प्रशासन ने जालसाजी कर फर्जी आधार कार्ड व स्थायी निवास आदि प्रमाण पत्र बनाने का भंडाफोड़ किया है। तहसील के अरायजनवीस के घर से फर्जी दस्तावेज, बिजली के सैकड़ों पुराने बिल भी बरामद हुए हैं। आयुक्त दीपक रावत ने अरायजनवीस के खिलाफ केस दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संबंधित पटवारी, बिजली कर्मियों के खिलाफ भी जांच के आदेश दिए हैं।

आयुक्त रावत के नेतृत्व में पुलिस व प्रशासन की संयुक्त टीम ने गुरुवार की देर सायं बनभूलपुरा में तहसील अरायजनवीस फैजान मिकरानी के घर पर छापेमारी की। टीम को अरायजनवीस के घर से कई आधार कार्ड, सैकड़ों पुराने बिल, स्थायी निवासी प्रमाण पत्र वगैरह बरामद हुए। जांच में पता चला कि बिजली विभाग के कर्मियों से वर्षों पुराने बिल लिए जाते हैं। फिर इन बिलों के आधार पर जालसाजी करके लोगों के स्थायी निवास प्रमाण पत्र बना दिए जाते हैं।

अरायजनवीस के घर पर दस्तावेजों की जांच करते कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत। ● अमृत विचार

वहीं, जो भी आवेदकर फैजान के पास आता था, उनके दस्तावेजों के आधार पर फर्जी ईमेल आईडी, अन्य लोगों के मोबाइल नंबर इस्तेमाल कर फर्जी प्रमाण पत्र तैयार किए जाते थे। आयुक्त ने एसडीएम राहुल शाह को निर्देश दिए कि अरायजनवीस के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाए साथ ही तय किया जाए कि तहसील परिसर में कोई भी लाइसेंस के बिना काम नहीं कर पाए। वहीं लाइसेंस धारकों के काम की भी जांच की जाए। आयुक्त ने सैकड़ों बिलों के मिलने पर बिजली कर्मियों को बुलाकर तलब किया और जांच के निर्देश दिए।

पटवारी के ऑनलाइन स्वीकृति देने और मौके पर तस्दीक नहीं करने पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित पटवारी, बिजली कर्मियों के खिलाफ भी जांच के आदेश दिए हैं। इस दौरान एसडीएम राहुल शाह, सीओ नितिन लोहनी, तहसीलदार कुलदीप पांडेय मौजूद रहे।

ऐसे हुआ खुलासा

आयुक्त रावत ने बताया कि जन सुनवाई में बरेली निवासी रईस अहमद ने शिकायत की थी कि बनभूलपुरा में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्रमाण पत्र बनाए जा रहे हैं। यह भी बताया कि उनके नाम पर किसी व्यक्ति ने स्थायी निवास प्रमाण पत्र बनाया है। इस पर आयुक्त ने जांच की तो पता चला कि फर्जी प्रमाण पत्र फैजान मिकरानी ने बनाया था। फिर उन्होंने शिकायत तस्दीक की तो सामने आया कि सीएससी संचालक फैजान ने शिकायतकर्ता रईस अहमद तथा देवेन्द्र पांडे व उनकी पत्नी नंदी पांडे के नाम से आईडी इस्तेमाल कर फर्जी दस्तावेजों से स्थायी निवास प्रमाण पत्र बनाए थे। इन सभी को बुलाकर गहनता से पूछताछ की तो सरकारी कर्मियों की मिलीभगत भी सामने आई थी।

जेजेएम का 80 फीसदी काम अधूरा, बजट नहीं

संवाददाता, हल्द्वानी

> बजट की समस्या के कारण काम प्रभावित हुए हैं। फरवरी तक बजट मिलने की उम्मीद है। बजट मिलते ही शेष बचे कार्यों को तेजी से पूरा कर लिया जाएगा।
> –**विशाल सक्सेना**, नोडल अधिकारी, जल जीवन मिशन

अमृत विचार : केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन (जेजेएम) योजना नैनीताल जिले में बजट की कमी के चलते प्रभावित है। जिले में लगभग 200 जल योजनाएं अधर में लटकी हुई हैं, जिनमें से 70 से 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। फंडिंग नहीं होने से ये योजनाएं धरातल पर नहीं उतर पाई हैं, जिससे आगामी गर्मी के मौसम में पेयजल संकट गहराने की आशंका है। इस योजना का लक्ष्य वर्ष 2024 तक हर ग्रामीण घर में नल से जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

957 करोड़ की योजना, 265 करोड़ का बजट नैनीताल जिले में जेजेएम योजना की कुल लागत 957 करोड़ रुपये है। इसमें से 690 करोड़ रुपये स्वीकृत हो चुके हैं, लेकिन 265 करोड़ रुपये का बजट अभी भी मिलना बाकी है।

बजट की कमी का सीधा असर योजनाओं को पूरा करने की गति पर पड़ रहा है। जिले में कुल 518 योजनाओं में से अभी तक 318 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं। कुल 1,14,560 पेयजल कनेक्शन दिए जाने थे, जिनमें से 8710 कनेक्शन दिए जाने बाकी हैं। सबसे अधिक बजट की कमी से सबसे अधिक असर नैनीताल जल संस्थान डिवीजन में देखने को मिल रहा है।

सबसे अधिक नैनीताल डिवीजन प्रभावित

डिवीजन	कुल योजनाएं	पूरी हुई योजनाए
नैनीताल जल संस्थान	235	142
हल्द्वानी जल संस्थान	58	28
लालकुआं जल संस्थान	54	27
रामनगर जल संस्थान	24	10
भीमताल पेयजल निगम	75	62
रामनगर पेयजल निगम	72	49

क्रिकेट: डीके स्पोर्ट्स की टीम विजयी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कोल्ट्स क्लब के मैदान में अंडर-14 स्वर्गीय पूरन चन्द्र बलूटिया मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के दशवें मैच में डीके स्पोर्ट्स अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले दिन पहली पारी में डीके स्पोर्ट्स अकादमी की टीम 239 रनों पर ऑलआउट हो गई। ईशान जोशी ने 69, भावेश रावत ने 55 और हार्दिकराज ने 35 रनों का योगदान दिया।

काठगोदाम स्पोर्ट्स अकादमी के गेंदबाज चित्रांश ने 6 और अदनान ने 2 विकेट लिए। काठगोदाम स्पोर्ट्स अकादमी की पूरी टीम पहली पारी में 209 रनों पर ऑल आउट हो गई। मेहुल गोस्वामी ने 105, यस ने 34, और देवराज ने 23 रनों का योगदान दिया। डीके स्पोर्ट्स अकादमी के गेंदबाज देवांग ने 5 और ओम ने 4 विकेट लिए। डीके स्पोर्ट्स अकादमी ने अपनी दूसरी पारी में हार्दिकराज के 207 और ईशान जोशी ने 177 रनों की बदौलत टीम का कुल स्कोर 428 रन का पहुंचा। काठगोदाम स्पोर्ट्स अकादमी के गेंदबाज अदनान ने 2 ने अर्चित भट्ट ने 1 विकेट लिए।

विजेता खिलाड़ी को ट्राफी देते अतिथि। ● अमृत विचार

दूसरी पारी में 459 रनों का लक्ष्य पूरा करने उतरी काठगोदाम स्पोर्ट्स अकादमी की पूरी टीम 85 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। डीके स्पोर्ट्स अकादमी के गेंदबाज देवांग ने 4, रक्षित ने 3 और ईशान जोशी ने 2 विकेट लिए। डी के स्पोर्ट्स अकादमी ने 373 रनों से मैच जीतकर पुरे दो अंक हासिल किए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार डीके स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी ईशान जोशी को दिया गया। अंपायर सौम्य वर हरप्रीत सिंह कम्बोज तथा स्कोरर रवि सिंह रहे। इस दौरान नीरज बलूटिया, आनंद बिष्ट, निश्चल जोशी, मनोज भट्ट, नरेंद्र अधिकारी, पंकज गुरुरानी आदि मौजूद रहे।

30 नवंबर तक स्किल कंपटीशन करा लें स्कूल

संवाददाता, हल्द्वानी

- **49 स्कूलों के 52 ट्रेड के लिए प्रति ट्रेड 6000 की धनराशि स्वीकृत**
- **राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा की ओर से निर्देश जारी**

अमृत विचार : व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत संचालित स्कूलों में विद्यार्थियों की कौशल क्षमता बढ़ाने के लिए स्किल कंपटीशन आयोजित किया जा रहा है।

जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा की ओर से जारी पत्र के अनुसार समग्र शिक्षा के तहत 49 स्कूलों के 52 ट्रेड के लिए प्रति ट्रेड 6000 की धनराशि स्वीकृत की गई है। राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा की ओर से जारी दिशानिर्देश में बताया गया कि सभी स्कूलों को 15 दिनों के भीतर स्किल कंपटीशन करवाना करना होगा। इसके साथ ही स्कूलों को प्रतियोगिता संपन्न होने के बाद संबंधित गूगल फॉर्म भरकर जानकारी उपलब्ध करानी होगी।

इसके लिए नैनीताल जनपद के 15 पीएम श्री विद्यालयों के 19 ट्रेड के लिए भी प्रति ट्रेड 6000 की स्वीकृति दी गई है। जिला परियोजना कार्यालय ने जिले के सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया है कि फिलहाल अपने संसाधनों से 30 नवंबर तक स्किल कंपटीशन संपन्न कराएं। राज्य स्तर से धनराशि एसएनए- स्पर्श के माध्यम से भेजी जा रही है। जनपद स्तरीय स्किल कंपटीशन की तिथि बाद में घोषित की जाएगी।

उत्तरायणी मेले को लेकर तैयारी शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच की ओर से हर वर्ष आयोजित किए जाने वाले उत्तरायणी मेले की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मंच के अध्यक्ष खड्क सिंह बगडवाल की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से इस वर्ष मेले को भव्य और नया स्वरूप प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि पर्वतीय संस्कृति को उजागर करने वाली संस्था होने के नाते यह मंच का दायित्व है कि उत्तरायणी मेले को और भी आकर्षक बनाया जाए। मंच के संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तराखंड के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में उत्तरायणी मेले को भव्य स्वरूप देना हम सभी का उत्तरदायित्व है।

पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच में बैठक करते सदस्य। ● अमृत विचार

अध्यक्ष खड्क सिंह बगडवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री ने भी पर्वतीय क्षेत्रों में होने वाले मेलों को आकर्षक व भव्य स्वरूप देने की बात की है। उन्होंने कहा कि संस्था निरंतर पर्वतीय संस्कृति के उत्थान और संरक्षण के लिए प्रयासरत है। मंच के सचिव देवेन्द्र तोलिया ने बैठक में बताया कि उत्तरायणी मेला 7 जनवरी से 15 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। बैठक में उपाध्यक्ष गोपाल सिंह बिष्ट, त्रिलोक बनोली, शोभा बिष्ट, पुष्पा सम्माल, धरम सिंह बिष्ट, चन्द्र शेखर परगाई, संदीप भैसोड़ा, रितिक आर्या, बृजमोहन बिष्ट, कमल किशोर, नरेन्द्र सिंह बगडवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ग्रामीणों को रैबीज का इंजेक्शन लगाती टीम। ● अमृत विचार

सिमलिया में टीम ने लगाए रैबीज के इंजेक्शन

हल्द्वानी, अमृत विचार : भाजपा विधायक राम सिंह कैड़ा ने ओखलकांडा ब्लॉक के ग्राम सभा गलनी में स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजकर ग्रामीणों को रैबीज का इंजेक्शन लगवाया। विधायक कैड़ा ने कहा कि ग्राम सभा गलनी के सिमलिया निवासी भैरवदत्त पुत्र गंगादत्त को पिछले माह कुत्ते के काट लिया था। फिर उनके रैबीज का इंजेक्शन नहीं लगा जिस वजह से उनकी मृत्यु हो गई थी। इस घटना के बाद विधायक कैड़ा ने नैनीताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचसी पंत से वार्ता के बाद गलनी, सिमलिया में स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजकर मृतक के परिजनों को रैबीज के इंजेक्शन लगवाए। उन्होंने सभी से कहा कि अगर किसी को घरेलू या आवारा कुत्ता काटता है तो तुरंत रैबीज का इंजेक्शन लगाएं। इसके अलावा विधायक ने खनस्यूं बाजार में आवारा पशु भी ग्रामीणों पर हमला कर रहे हैं। इस पर पशु विभाग के जरिए इन पशुओं को भी जरूरी इंजेक्शन लगवाए गए।

कार्मिकों का डाटा 30 तक होगा अपडेट

हल्द्वानी, अमृत विचार : शिक्षा विभाग के सभी कार्मिकों का डाटा एजुकेशन पोर्टल पर 30 नवंबर तक अपडेट किया जाएगा। जिसमें विद्यालयी शिक्षा विभाग की ओर से तैयार की गई ई-प्रोफाइल में नये कार्मिकों का डाटा अंकन, स्थानांतरण, पदोन्नति और त्रुटिपूर्ण डाटा सुधार जैसी सूचनाएं ऑनलाइन दर्ज की जानी हैं।

प्रारंभिक शिक्षा निदेशक अजय नौडियाल ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों और उप शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अपने अधीनस्थ कार्मिकों, अधिकारियों, अध्यापकों और कर्मचारियों का डाटा एजुकेशन पोर्टल पर 30 नवंबर तक अपडेट कर लें। इसके बाद पोर्टल अपडेशन की प्रक्रिया बंद कर दी जाएगी।

वार्ड मेंबर के पद भरना चुनौती

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः ग्राम सभाओं में ग्राम पंचायत सदस्यों (वार्ड मेंबर) की खाली पड़ी सीटों को भरना ब्लॉक कार्यालय के लिए चुनौती बन गया है। नामांकन पत्र बिक्री के अंतिम दिन केवल 32 पत्रों की बिक्री हुई है और 106 सीटों पर नामांकन पत्र ही नहीं बिका है।

जुलाई-अगस्त माह में राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव संपन्न कराए गए थे। चुनाव के दौरान ग्राम पंचायतों में ग्राम सदस्यों के भी चुनाव कराए गए थे। अमूमन एक ग्राम में 10 से 12 ग्राम पंचायत सदस्य होते हैं। इन सदस्यों की सीटें निश्चित संख्या में भरी होने के बाद भी ग्राम पंचायत का गठन होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो खाली पड़ी सीटों पर चुनाव कराया जाता है। इसी वजह से हल्द्वानी ब्लॉक में कई गांवों में ग्राम पंचायतों का गठन ही नहीं हो पाया। जिसके बाद अब पूरे प्रदेश के साथ ही इस ब्लॉक में भी खाली ग्राम पंचायत सदस्यों की सीटों को भरने के लिए चुनाव कराया जा रहा है। नामांकन पत्र बिक्री के दौरान कुल 230 खाली सीटों के लिए केवल 134 फार्म ही बिके हैं। इनमें पहले दिन 92 और दूसरे दिन 32 नामांकन पत्रों की बिक्री हुई थी। इसके बाद भी 106 सीटें खाली रह गईं हैं। इस वजह से अब नामांकन पत्रों की बिक्री के लिए एक दिन और बढ़ा दिया गया है। निर्वाचन अधिकारी और बीडीओ तनवीर असगर ने बताया कि 106 सीटों पर नामांकन पत्र नहीं बिकने से शुक्रवार को भी नामांकन पत्र खरीदकर जमा करने की छूट दी गई है।

नहीं दिख रहा है रुझान

यह सामने आ रहा है कि ग्राम पंचायत सदस्यों के चुनाव के लिए लोगों में रूझान बहुत ही कम है। पहले ही 230 सीटें खाली रह गईं थीं। अब जिन पंचायतों में शपथ नहीं हो पाई है वहां के प्रधान तक कोशिश कर रहे हैं कि खाली ग्राम पंचायत सदस्य सीटों पर चुनाव हो जाएं। इसके बावजूद अभी भी ब्लॉक में 100 से ज्यादा सीटें खाली पड़ी हैं।

आदि कैलाश मंदिर समिति का पुनर्गठन नियम विरुद्ध

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः आदि कैलाश छोटा कैलाश में आदि कैलाश मंदिर समित में कुछ लोगों के द्वारा चुनाव कर नई कार्यकारणी गठन को लेकर राजनीति गर्मा गई है।

मंदिर समिति के सदस्य हेम चंद्र पलडिया और जीत सिंह संभल ने भीमताल में जारी बयान में बताया कि उनको पत्राचार के माध्यम से ज्ञात हुआ कि कुछ लोगों के द्वारा आदि कैलाश मंदिर समिति में बल पूर्वक चुनाव कराया गया है जो कि कानून के खिलाफ है समिति का रजिस्ट्रेशन 9 जनवरी 2027 तक विधि मान्य है। बगैर किसी सूचना, बगैर किसी एजेंडा, के यह सब होना निंदनीय है। यहां तक कि जो समिति के स्थानीय सदस्य, जनप्रतिनिधि जो समिति के महत्वपूर्ण अंग हैं उनको तक इस प्रक्रिया से बाहर रखा गया। समिति के अध्यक्ष की मृत्यु होने के उपरांत पद रिक्त है, जिसका पदभार उपाध्यक्ष को हो जाना चाहिए था, चूंकि समिति की वैद्यता 9 जनवरी 2027 तक है। वहीं साथ आए कई सदस्य जिन्होंने भी मंदिर समिति के सदस्य होने का दावा किया है बताया कि इस तरह के क्रिया कलाप से क्षेत्र की जनता इस तरह के गठन का घोर विरोध करती है। उन्होंने इस चुनाव को लेकर आगे कार्यवाही की बात भी कही। बताया कि कुछ दिन पूर्व क्षेत्र के कुछ निवासियों ने बिना किसी को सूचित करे। मंदिर समिति के नाम पर चुनाव करा दिए थे।

जानकारी — एमबीपीजी में हुआ जीवन कौशल रोजगार कार्यक्रम के लिए शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

स्किल्स व रोजगार के लिए योग्यता बढ़ाने के उपाय बताए

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : एमबीपीजी कॉलेज में जीवन कौशल कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण हुआ। जिसमें वाधवानी फाउंडेशन से शिप्रा थप्पा ने प्रतिभागियों को फाउंडेशन के उद्देश्यों और उसकी कार्यशैली पर जानकारी दी। शिप्रा थप्पा ने बताया कि फाउंडेशन वर्तमान में देश के 20 राज्यों में कौशल विकास और रोजगार से जुड़े विभिन्न प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहा है।

उन्होंने कोर्स की रूपरेखा, आवश्यक हार्ड और सॉफ्ट स्किल्स और रोजगार के लिए योग्यता बढ़ाने के उपायों के बारे में बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आरएस भाकुनी, उच्च शिक्षा उपनिदेशक ने केंद्र और राज्य सरकार की ओर से प्रदेश की उच्च शिक्षा को कौशलयुक्त बनाने के लिए की जा रही पहल पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि विभिन्न संस्थानों के साथ किए जा रहे एमओयू के माध्यम से शिक्षण की गुणवत्ता और कौशल विकास को नई दिशा मिल रही है।

एमबीपीजी के प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी को ज्ञापन सौंपते छात्र। ● अमृत विचार

इस मौके पर डॉ. दीपक पांडे ने ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में सम्मिलित होकर प्रतिभागियों को बधाई दी और उन्हें इस प्रशिक्षण से अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों में रोजगार परक कौशल विकसित करने में सहायक होंगे। कार्यक्रम में कुमाऊं क्षेत्र के विभिन्न कॉलेजों से 50 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नवल किशोर लोहनी ने किया।

अतिरिक्त शुल्क को लेकर कुलपति को भेजा ज्ञापन

हल्द्वानी, अमृत विचार : एमबीपीजी कॉलेज में विद्यार्थियों ने अतिरिक्त शुल्क लिए जाने का विरोध जताया। उन्होंने प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी के माध्यम से कुलपति कुमाऊं विवि को ज्ञापन भेज कर विद्यार्थियों से लिए जा रहे अतिरिक्त शुल्क को बंद कर आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाले छात्र-छात्राओं को राहत दिलाने की मांग की। साथ ही कहा कि जिन विद्यार्थियों ने शुल्क जमा कर दिया है, उन्हें धनराशि वापस की जाए। यतिन पांडे के नेतृत्व में छात्रों ने प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी को ज्ञापन सौंपा, जिसे कुमाऊं विवि के कुलपति को भेजा गया। छात्रों ने ज्ञापन में मांग की कि विवि की ओर से विद्यार्थियों से लिया जा रहा अतिरिक्त शुल्क तत्काल बंद किया जाए और छात्र-छात्राओं को राहत दिलाई जाए।

खनन वाहन स्वामियों ने मांगों को लेकर खनन सचिव को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : खनन वाहनों की फिटनेस पूर्व की भांतिकिए जाने की मांग को लेकर वाहन स्वामियों ने खनन सचिव एवं प्रबंध निदेशक को ज्ञापन सौंपा।

भाजयुमो प्रदेश महामंत्री दीपेंद्र कोश्यारी के नेतृत्व में वाहन स्वामियों ने खनन सचिव बृजेश कुमार व प्रबंध निदेशक राजपाल लेघा को ज्ञापन सौंपकर बताया कि गौला एवं नंधौर नदियों में चलने वाले वाहनों की फिटनेस टैक्स पूर्व की भांति ही लिया जाए। साथ ही पूर्व की तरह ही ट्रैक्टर ट्राली में 80 क्विंटल व डंपर में 108 क्विंटल वजन अनुमन्य किया जाए। साथ ही ट्रैक्टर ट्राली से लिए जा रहे से दोहरे टैक्स को समाप्त कर केवल एक ही का टैक्स वसूला जाए।

खनन सचिव को ज्ञापन सौंपते वाहन स्वामी। ● अमृत विचार

इस पर उन्होंने कहा कि जल्द ही शासन स्तर पर वार्ता की जाएगी। साथ ही टैक्स कम करने के साथ-साथ खनन में हो रही विसंगतियों को भी दुरुस्त करने का आश्वासन दिया। इस दौरान लाखन सिंह मेहता, लालकुआं गेट अध्यक्ष पंकज दानू, इमलीघाट गेट अध्यक्ष कविंद्र कोरंगा, तारा सिंह नेगी और प्रकाश सिंह दानू मौजूद थे।

कांग्रेस में घमासान, मेंबर ने निकाली भड़ास

पीसीसी मेंबर परिमल राय ने रायशुमारी पर उठाए सवाल, बोले-कांग्रेस ने किया बंगालियों का अपमान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः हिमांशु गाबा को कांग्रेस का दूसरी बार जिलाध्यक्ष बनाने ही कांग्रेस कुनबा विघटन की ओर जाता हुआ दिखाई दे रहा है और पार्टी हाईकमान का निर्णय तूल पकड़ता जा रहा है। जिसको लेकर जहां 11 नामित व निर्वाचित पार्षदों ने सामूहिक इस्तीफे का ऐलान किया है। वहीं अब पीसीसी मेंबर परिमल राय ने भी अपनी भड़ास निकाली।

गुरुवार को पत्रकार वार्ता करते हुए कांग्रेस के पीसीसी सदस्य परिमल राय ने बताया कि वह खुद जिलाध्यक्ष की दावेदारी में थे और संगठन सृजन में रायशुमारी में 80 फीसदी समर्थन भी नौ विधानसभाओं के नेताओं का रहा। बावजूद दोबारा हिमांशु गाबा को जिलाध्यक्ष बनाकर पार्टी हाईकमान ने बंगाली समाज को अपमानित करने का कार्य किया है। कारण बंगाली वोटर हमेशा भाजपा का माना जाता है, लेकिन कांग्रेस में नेतृत्व करने वाला कोई नहीं है। यही कारण है कि बंगाली समुदाय को भी काफी उम्मीद थी कि उनके समाज का जिलाध्यक्ष बने। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जब रायशुमारी का कोई औचित्य नहीं था तो बेवजह यह नाटक क्यों किया गया। बताया कि वह लगातार पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए हर चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाते हैं और पार्टी हाईकमान ने जिस व्यक्ति पर आस्था जताई उस पर भी मंथन होना चाहिए था। परिमल ने चैलेंज किया कि पर्यवेक्षक रायशुमारी की डायरी को सार्वजनिक करें और बताएं कि किस व्यक्ति को कितना समर्थन मिला था। आक्रोश का ठीकरा विधायक तिलकराज बेहड़ पर फोड़ा जा रहा है, जबकि सत्यता यह है कि बेहड़ ने हमेशा पार्टी को मजबूत किया।

पीसीसी सदस्य ने कहा कि बेहड़ ने हर समाज को साथ लेकर चलने की कोशिश की। जिसका परिणाम यह रहा कि पंचायती चुनाव में तीन पंचायत सदस्य बेहड़ ने जिताए। उन्होंने नसीहत दी कि निर्णय का खामियाजा आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी को भुगतना पड़ेगा और एक बार फिर बंगाली वोटर कांग्रेस से दूर चला जाएगा। इस अवसर पर विकास मलिक, चंद्रशेखर गांगुली, संजय आईस, पार्षद शुभम दास, डॉ. विमल घरामी, आशीष बाला, सुशील मंडल, पिंटू राय, अभिमन्यु साना, मोनिका ढाली आदि मौजूद रहे।

पत्रकारों से वार्ता करते पीसीसी सदस्य परिमल राय। ● अमृत विचार

बंगाली समाज के उत्पीड़न पर कांग्रेस गंभीर : रावत

सितारगंज : पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि राज्य की जनता सरकार परिवर्तन का मन बना चुकी है। सरकार सभी क्षेत्रों में असफल है। कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारी ऊर्जावान हैं। वह जनभावनाओं को समझकर जनादेश कांग्रेस के पक्ष में कराने में सफल होंगे। पूर्व सीएम हरीश रावत ने बृहस्पतिवार को सितारगंज में पत्रकार वार्ता में कहा कि उनकी भूमिका जहां भी केंद्र व प्रदेश कांग्रेस संगठन चाहेगा उस भूमिका के तैयार रहेंगे। ताकि प्रदेश में कांग्रेस पूर्ण बहुमत से सरकार बना सके। उन्होंने बताया कि 16 नवम्बर को कांग्रेस कार्यकर्ता नवनियुक्त अध्यक्ष गणेश गोदियाल के कार्यभार ग्रहण करने पर देहरादून में पहुंचेंगे। पूर्व सीएम ने कहा कि विधायक तिलक राज बेहड़ कांग्रेस के स्तम्भ हैं। उनके सवालों का समाधान होगा। पूर्व सीएम ने कहा कि राज्यवासियों का उत्पीड़न या अत्याचार गलत है। बंगाली समाज के उत्पीड़न की शिकायतों को कांग्रेस संगठन गम्भीरता से लेगा। पूर्व सीएम ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामनगीना प्रसाद की पत्नी, अख्यार अहमद पटौदी के पुत्र, मुगनी अहमद के पिता के निधन पर उनके आवास पर पहुंचकर दुख जताया। यहां नगर अध्यक्ष सरताज अहमद, मण्डी समिति के पूर्व चेयरमैन हरपाल सिंह, जिलानी अंसारी, केडी पलड़िया, बलवंत बोरा, हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता बीसी काण्डपाल, एडवोकेट दयानंद सिंह, बिपिन खोलिया, रंजीत सिंह, दलबाग सिंह, सरताज अली आदि मौजूद रहे।

अलका के कांग्रेस नगर अध्यक्ष बनने से कांग्रेस में हुई बगावत

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः कांग्रेस में नगर अध्यक्षों की नियुक्तियों के बाद घमासान शुरू हो गया है। काशीपुर से वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री अलका पाल को काशीपुर महानगर का नगर अध्यक्ष बने अभी 24 घंटे भी पूरे नहीं हुए थे, कि कांग्रेस में एक बार फिर भीतरघात के चलते उनकी नियुक्ति के विरोध में नगर के कांग्रेसियों ने एक बैठक कर उसमें सामूहिक इस्तीफे दिए जाने की घोषणा तक कर डाली। इससे राजनीतिक गलियारों में एक बार फिर से काशीपुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के भविष्य को लेकर तरह-तरह की अटकलों के कयास तेज हो गये हैं।

बता दें कि प्रदेश हाईकमान द्वारा वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री पीसीसी सदस्य व वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अलका पाल को काशीपुर महानगर का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। जिससे शहर की कांग्रेसी फिजा में अचानक हलचल मच गई है। उनके महानगर अध्यक्ष बने 24 घंटे पूरे हुए ही थे कि नगर के अधिकांश कांग्रेसियों ने एक होटल में बैठक की।

● **निर्णय पर पुनर्विचार न होने पर इस्तीफे की चेतावनी दी**

इस दौरान आलाकमान को चेतावनी दी कि यदि उसने अपना फैसला नहीं बदला तो वह अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे देंगे। विगत दिनों कांग्रेस पार्टी द्वारा अपने राज्यसभा सांसद शक्ति सिंह गोहिल को उत्तराखंड के सभी जिलाध्यक्षों के चुनाव के लिए पर्यवेक्षक बना कर भेजा गया था। जिसमें उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से जिलाध्यक्ष/नगर अध्यक्ष पदों के लिए रायशुमारी की थी। इसी क्रम में उन्होंने काशीपुर में भी रायशुमारी की थी। जिसमें 95 प्रतिशत कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने वैश्य समाज के कांग्रेस कार्यकर्ता और अग्रवाल सभा काशीपुर के अध्यक्ष के नाम पर अपनी सहमति जताई थी। लेकिन आलाकमान ने रायशुमारी को दरकिनार कर काशीपुर में बाहरी व्यक्ति के दबाव में आकर अलका पाल को नगर अध्यक्ष बना दिया। जिससे कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी नाराज हो गये और उन्होंने एक निजी होटल में एकत्रित होकर आलाकमान के फैसले का विरोध करते हुए नगर अध्यक्ष को बदलने की मांग की। कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी रहे संदीप सहगल ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता आज खुद को नेता-विहीन महसूस कर रहे हैं। आलाकमान के इस फैसले से कांग्रेस परिवार विचलित है और यदि निर्णय पर पुनर्विचार नहीं किया गया तो कई ब्लॉक अध्यक्ष, महिला पदाधिकारी और पार्षद इस्तीफा देने को तैयार हैं।

बैठक में संदीप सहगल एडवोकेट, मनोज अग्रवाल, अरुण चौहान, मीनू गुप्ता, दीपिका गुड़िया, जय सिंह गौतम, गौतम मेहरोत्रा, राशिद फारुखी, रवि ढींगरा, सचिन नाडिग, सुशील गुड़िया, पूजा गुप्ता, अशोक सक्सैना, ब्रह्मा सिंह पाल, शफीक अहमद अंसारी, महेंद्र लोहिया, अख्तर अली एडवोकेट आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

भवानी सेना के सोनू बने सेनापति

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः सामाजिक संगठन भवानी सेना के स्थापना दिवस के अवसर पर तमाम युवाओं द्वारा हवन यज्ञ करते हुए शस्त्र पूजन किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम में किच्छा विधानसभा अंतर्गत तमाम क्षेत्रों से आए दर्जनों युवाओं ने शिरकत की और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

नगर के बाईपास स्थित युवा समाजसेवी संजीव कुमार सिंह के कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में भवानी सेना का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम में पंडित अनिल शर्मा द्वारा विधि विधान से हवन यज्ञ कार्यक्रम संपन्न कराया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से संगठन की मजबूती एवं विस्तार के लिए भवानी सेना का गठन कर सामाजिक कार्यकर्ता सोनू गुप्ता को संगठन का नगर सेनापति चुना गया। नवनियुक्त सेनापति सोनू गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भवानी सेना एक सामाजिक संगठन है, जिसके माध्यम से समाज सेवा, राष्ट्रीय सेवा एवं मानव कल्याण के निस्वार्थ भाव से कार्य किए जाएंगे। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित गुप्ता ने नगर क्षेत्र में एक निशुल्क अस्पताल शुरू करने का प्रस्ताव रखा तथा अस्पताल के माध्यम से वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा समाज सेवा के उद्देश्य से गरीब एवं निर्धन लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं दी जाएगी। बैठक में समाजसेवी संजीव कुमार सिंह, विशाल दुआ, राजकुमार कोहली, अमित अरोड़ा, वीरेंद्र राठौर, योगेंद्र कुमार, अर्जुन सिंह, वंश वर्मा, सुभाष कोहली, संजय शर्मा, आशीष राठौर, रोहिताश चौबे, अशोक गंगवार, राजा ठाकुर, गुरमीत सिंह, पीयूष गंगवार आदि मौजूद रहे।

किच्छा में आयोजित कार्यक्रम में संगठन की सदस्यता ग्रहण करते युवा।

एयर विंग एनसीसी कैडेटों ने की फ्लाइंग

रुद्रपुरः 1 यूके एयर एनसीसी पंतनगर के एयरविंग कैडेटों को पंतनगर एयरपोर्ट से माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट वायरस से फ्लाइंग कराई गई। कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टेन विवेक रावत के निर्देशन में एक महिला कैडेट सहित 9 कैडेटों ने माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट से उड़ान भरी।

इससे पूर्व कैडेटों को फ्लाइंग के लिए एयरफोर्स स्टेशन बरेली जाना पड़ता था। पंतनगर हवाई अड्डे पर फ्लाइंग की सुविधा प्राप्त होने से भविष्य में एनसीसी कैडेटों को स्थानीय स्तर पर फ्लाइंग का प्रशिक्षण प्राप्त हो पायेगा। इस अवसर पर एयरपोर्ट निदेशक पंतनगर पवन कुमार, वारेंट ऑफिसर झाबर मल, रूपेश कुमार सहयोगी एनसीसी अधिकारी डॉ.सुरेश भट्ट सहित वायु सेना कर्मी उपस्थित रहे।

निर्वाचित कांग्रेस जिलाध्यक्ष गाबा का स्वागत

खटीमा में जिलाध्यक्ष गाबा और महानगर अध्यक्ष ममता रानी का स्वागत करते कांग्रेसी।

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः कांग्रेस के लगातार दूसरी बार निर्वाचित जिलाध्यक्ष हिमांशु गाबा और नव-निर्वाचित महानगर अध्यक्ष रुद्रपुर ममता रानी के खटीमा पहुंचने पर विधायक भुवन चंद्र कापड़ी सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया।

कांग्रेस कार्यालय पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर जिलाध्यक्ष गाबा ने संगठन को मजबूत करने पर बल दिया। जिसका कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व महानगर अध्यक्ष सीपी शर्मा, संदीप चीमा, प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष उमेश सिंह राठौर, जसविंदर सिंह बाजवा, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद चंद, मान सिंह, जिलाध्यक्ष युवा नरेंद्र आर्या, जिलाध्यक्ष महिला कांग्रेस रेखा सोनकर, देवेंद्र कन्याल, राजकिशोर सक्सेना, प्रवीण बिष्ट, नासिर खान, वीरेंद्र राज, नवीन जोशी, लक्ष्मण राणा, भूपेंद्र गंगवार, मनोज बसेड़ा, पंकज टम्टा, नव निर्वाचित युवा कांग्रेस नगर अध्यक्ष मोहम्मद राजा, ब्लॉक अध्यक्ष सागर शाही, हैप्पी सिंह आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष हिमांशु गाबा का किया स्वागत

सितारगंज : कांग्रेस नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष हिमांशु गाबा का सितारगंज में कांग्रेसजनों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटने का आह्वान किया। बृहस्पतिवार को सितारगंज पहुंचे कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने पत्रकारों से वार्ता कर कहा कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने पर्यवेक्षकों की राय शुमारी के बाद जिलाध्यक्ष घोषित किए हैं। कुछ लोग विरोध कर रहे हैं। जो पार्टी हाईकमान के निर्णय के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि सरकारी की विफलता को लेकर कांग्रेस जनता के बीच जाएगी। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने नौ में से पांच सीटों में जीत हांसिल की थी। भाजपा प्रत्याशी सीएम को भी कांग्रेस प्रत्याशी भुवन कापड़ी ने पराजित किया था। इस बार कांग्रेस कार्यकर्ता दोगुनी ऊर्जा से मेहनत कर जनपद की सभी नौ सीटें जीतेंगी। उन्होंने कहा कि समाज का हर वर्ग परेशान हैं। भ्रष्टाचार चरम पर है। किसानों को एमएसपी नहीं मिला। यहां नगर अध्यक्ष सरताज अहमद, ब्लॉक अहमद हरप्रीत सिंह हैप्पी, पूर्व मण्डी चेयरमैन हरपाल सिंह, जिलानी अंसारी, अखिलेश सिंह, महानगर अध्यक्ष ममता रानी, मीना शर्मा, बिपिन खोलिया, दलबाग सिंह, मुगनी अहमद, जगदीश महार आदि लोग मौजूद रहें।

ग्राम पंचायत सदस्य पद के लिए 65 नामांकन

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः ग्राम पंचायत सदस्य के रिक्त पदों के लिए होने वाले नामांकन के पहले दिन बृहस्पतिवार को 65 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया। वहीं आज 28 नामांकन पत्र बिके।

विकास खंड की ग्राम पंचायतों में रिक्त 169 सदस्य पद के लिए अबतक 190 नामांकन पत्र बिके हैं जबकि आज 65 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। नामांकन पत्र शुक्रवार को भी जमा कराए जाएंगे।

एडीओ पंचायत शबनम कुरैशी ने बताया कि पहले दिन 65 नामांकन पत्र जमा हुए हैं और कल भी जमा होंगे। उन्होंने कहा कि नामांकन पत्रों की जांच 15 और नाम वापसी 16 नवंबर को तीन बजे तक और फिर चुनाव चिह्न आवंटित होंगे। मतदान 20 नवंबर और मतगणना 22 नवंबर को होगी।

तीसरे दिन 23 नामांकन पत्र बिके

काशीपुर : विकास खंड में रिक्त पड़े 77 वार्ड सदस्य सीटों के लिए तीसरे दिन भी 23 फार्म बिके हैं, अब 137 नामांकन फार्म खरीदे गये है। हालांकि बृहस्पतिवार को नामांकन फार्म जमा भी करना था, लेकिन किसी ने भी फार्म को जमा नहीं किया। खंड विकास अधिकारी कमल किशोर पांडे ने बताया कि पंचायत चुनाव के दौरान काशीपुर में 77 वार्ड सदस्यों के पद खाली रह गए थे। इस कारण निर्वाचित प्रधानों को उनके बस्ते नहीं मिल पाए हैं। मंगलवार, बुधवार को तीनों न्याय पंचायत खड़कपुर देवीपुरा, कुंडेश्वरी, बांसखेड़ा खुर्द में वार्ड सदस्य सीट के लिए 115 नामांकन पत्र बिके थे, तीसरे दिन 23 फार्म बिके।

कट, मोड़, डायवर्जनों पर कैटआई लगाएं

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः कोहरे के मौसम में सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए अपर जिलाधिकारी (एडीएम) कौस्तुभ मिश्र ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कई अहम निर्देश दिए।

एडीएम ने तत्काल प्रभाव से सड़क के कटों, मोड़ों और डायवर्जनों पर कैटआई, साइनेज और रिफ्लेक्टर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने परिवहन, पुलिस और लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) के अधिकारियों को संयुक्त निरीक्षण कर ब्लैक स्पॉट्स (दुर्घटना संभावित क्षेत्रों) को चिन्हित करने और वहाँ सुरक्षात्मक कार्य कराने को कहा। यातायात नियमों के पालन पर सख्ती दिखाते हुए एआरटीओ और पुलिस को ओवर स्पीडिंग, ओवर लोडिंग, नशे में ड्राइविंग और मोबाइल के उपयोग पर रोक लगाने के लिए नियमित प्रवर्तन अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। एडीएम ने एनएचएआई को जिला न्यायालय और सिडकुल के पास बन रहे फुट ओवर ब्रिज का निर्माण दिसंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य दिया। साथ ही, सड़कों पर से अवरोध (जैसे पोल/होर्डिंग) हटाने और शहरी क्षेत्रों के चौराहों एवं सड़कों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी आदेश दिए गए। उन्होंने हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग के लिए जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। इस अवसर पर पीडी एनएचएआई विकास मित्तल, एसीएमओ डॉ.एसपी सिंह, एआरटीओ रुद्रपुर मोहित कोठारी, नवीन कुमार सिंह, काशीपुर संदीप कुमार वर्मा, सहायक अभियंता लोनिवि मनोज कुमार आदि मौजूद थे एवं अधीक्षण अभियंता लोनिवि गजेंद्र सिंह आदि संबंधित अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे।

अधिकारियों के साथ बैठक करते अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र। ● अमृत विचार

बाजपुर की सहकारी समिति में नामांकन करने पहुंचे प्रत्याशी। ● अमृत विचार

छह समितियों में संचालकों के 20 पदों के लिए 56 लोगों ने नामांकन पत्र जमा

बाजपुर : विकासखंड क्षेत्र बाजपुर में सहकारी समितियों के संचालक मंडल की चुनावी प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से चल रही है, जिसमें गुरुवार को बाजपुर क्षेत्र की कुल छह समितियों में संचालकों के 20 पदों के लिए कुल 56 लोगों ने नामांकन पत्र जमा किए हैं। वहीं नामांकन पत्र जमा करने के दौरान समितियों में काफी गहमागहमी का माहौल बना रहा। एडीओ सहकारिता संजय मियान ने बताया कि बाजपुर की सभी छह समितियों में 20 संचालक पदों के लिए कुल 62 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे थे, जिनमें से गुरुवार को 56 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र जमा करवाए हैं। उन्होंने बताया कि जांचोपरांत वैद्य प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की जाएगी। 19 नवंबर को संचालक पद के लिए मतदान एवं तुरंत बाद मतगणना होगी। अगले दिन यानी 20 नवंबर को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष समेत संचालक मंडल की कार्यकारिणी गठन को चुनावी प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी।

समागम में पंथ प्रचारकों ने शहीदों की याद में गुरुवाणी का यशगान किया

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः खालसा पंथ की शहादत से जुड़े शहीदों की याद में गुरुद्वारा साहिब शहीद सिंघ साहिब अंबावाला फार्म मडैया हट्टू में विशाल समागम का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न स्थानों से पहुंचे पंथ प्रचारकों ने शहीदों की याद में गुरुवाणी का यशगान किया।

11 नवंबर को रखे गए अखंड पाठ साहिब के भोग के उपरांत गुरुवार को विशाल समागम हुआ जिसमें फरीदकोट पंजाब से आए भाई गुरभेज सिंह गाफिल के ढाडी जत्थे ने गुरुवाणी का यशगान करते हुए कहा कि दशम पिता श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज ने कहा है कि रहणी रहे सोई सिक्ख मेरा, वो साहिब मैं उसका चेरा... अर्थात जो भी गुरू का सिक्ख रहत मर्यादा में रहेगा उसको मैं गुरु के समान सम्मान दूंगा। ऐसा ही जब मस्सा रंगड़ द्वारा सिक्ख पंथ को बदनाम करने का कार्य किया गया तो उस समय गुरु साहिब के सेवक सुक्खा सिंह, मेहताब सिंह ने उसके पापों की सजा दी और संदेश दिया कि सिक्ख कौम हर जुल्म का जवाब देना जानती है। उन्होंने कहा कि सिक्खों का पूर्व व वर्तमान का इतिहास रहा है हर जुल्म का जवाब 153 दिनों सिंघों ने दिया है। सिक्ख वर्गवाद, जातिवाद से ऊपर उठकर सेवाभाव को अपनाता रहा है, लेकिन जिसने भी जुल्म किया उसका जवाब भी उसी भाषा में दिया है, चाहे उसे कितनी ही बड़ी शहादत क्यों न देनी पड़ी हो। वहीं भाई दलजीत सिंह के कविश्री जत्थे ने कहा कि खालसे ने हमेशा धर्म की रक्षा की है। जिसके चलते श्री गुरु तेग बहादुर, श्री गुरू गोविंद सिंह जी महाराज व उनके परिवार तथा बाबा दीप सिंह, भाई जीवन सिंह, भाई दयाला जी सहित हजारों सिंघों ने अपने आपको बलिदान कर हिंदुत्व की रक्षा की और खालसा पंथ की बुनियाद को खून से सींचा। आज का समागम ऐसे शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित किया गया है। वहीं भाई अमरजीत सिंह के रागी जत्थे द्वारा भी शहीदों की शहादत का गुणगान किया। इसी प्रकार भाई दिलबाग सिंह ढिल्लो ने कहा कि सचखंडवासी बाबा गुरवचन सिंह, बाबा दया सिंह की प्रेरणा से यह समागम बापू तारा सिंह, माता भगवान कौर, समस्त परिवार द्वारा यह आयोजन पिछले 27 वर्षों से किया जाता है। वहीं आयोजकों द्वारा संगत का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज समय की मांग है कि हमें शहीदों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए खालसा पंथ के मजबूती के लिए कार्य करना चाहिए। ज्ञानी दिलबाग सिंह द्वारा अरदास की गई। इस मौके पर डा.कुलविंदर सिंह, बलकार सिंह, किसान नेता जगतार सिंह बाजवा, भाजपा नेता राजेश कुमार, सुखदेव सिंह, अजीतपाल सिंह, सुखविंदर सिंह रंधावा, डा.गुरप्रीत सिंह, बलविंदर सिंह, धर्मपाल सिंह, भूपेंद्र सिंह, चरनजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

समागम में गुरुवाणी का यशगान करता भाई गुरभेज सिंह गाफिल का ढाडी जत्था।

बाजपुर के गुरुद्वारा साहिब शहीद सिंघ साहिब अंबावाला फार्म मडैया हट्टू में शहीद समागम में मौजूद श्रद्धालु। ● अमृत विचार

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना (नाम परिवर्तन)

नाम परिवर्तन मैं, पुत्री स्वर्गीय गुरदयाल प्रसाद अस्थाना, निवासी भीमताल, उत्तराखंड, ने अपना नाम राजकुमारी अस्थाना से बदलकर राजकुमारी गुरदयाल अस्थाना कर लिया है, शपथ पत्र IN-UK31425159837264X, नैनीताल। अब से मुझे राजकुमारी गुरदयाल अस्थाना के नाम से जाना जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

बिजली चोरी करते तीन को पकड़ा

काशीपुर : ऊर्जा निगम की टीम ने बिजली चोरी करते तीन लोगों को पकड़ लिया। कुंडा थाने में तीनों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। उपखंड अधिकारी द्वितीय जसपुर शैलेन्द्र कुमार सैनी, अवर अभियंता विनोद कुमार ने टीम के साथ क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान बंटी सिंह ग्राम बैंतवाला व बूटा सिंह और अमृत पाल सिंह ग्राम कुंडा अपने घरों में बिजली चोरी करते पाए गए। टीम ने कनेक्शन काटकर तार सील कर ली। एसडीओ की तहरीर पर कुंडा पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

घर के बाहर से बाइक चोरी

काशीपुर : घर के बाहर खड़ी बाइक को चोर चोरी कर ले गये। ग्राम हरियावाला निवासी गौरव कुमार ने कुंडा थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 6 नवंबर को उसकी बाइक घर के बाहर खड़ी थी। रात लगभग 10 .35 बजे बाइक सवार तीन लोग आये और उसकी बाइक चोरी कर ले गये।

धारदार हथियार से युवक की उंगलियां काट डालीं

संवाददाता, काशीपुर

- पुलिस ने पीड़ित के पिता की तहरीर पर दर्ज की रिपोर्ट

अमृत विचार: कार निकालने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति ने युवक पर धारदार हथियार से हमला कर उसके हाथ की उंगलियां काट दीं। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जसपुर खुर्द स्थित रॉयल सिटी निवासी अजय अग्रवाल ने आईटीआई थाना पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका पुत्र उत्कर्ष अग्रवाल अपनी कार से रॉयल सिटी कॉलोनी के गेट से अंदर की तरफ आ रहा था। तभी अंदर से सामने आ रही कार के कारण उसने अपनी कार साइड लगाकर कार चालक को निकलने को कहा। तभी कार का चालक हरजीत सिंह निवासी रॉयल सिटी कार से उतर कर आया और उसके पुत्र को गालियां देने लगा। उसने जान से मारने की धमकी देते हुए अपनी कार से गंडासा निकालकर उसके पुत्र पर वार कर दिया। हमले से उसके पुत्र के दायें हाथ की मध्य उंगुली कटकर अलग होकर लटक गयी। शोर शराबा होने पर जब उसकी पत्नी उर्वशी अग्रवाल, छोटा पुत्र आयु अग्रवाल आदि लोगों ने मौके पर आकर उत्कर्ष को बचाने की कोशिश की, तो हरजीत ने इन लोगों के साथ भी मारपीट की। बाद में आरोपी उसके पुत्र उत्कर्ष को जान से मारने की धमकी देते हुए चला गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

विधायक अरोरा बोले -2007 में खंडूरी सरकार ने कराया था जीबी पंत विवि से सर्वे, भाजपा ही सच्ची हितैषी

बंगाली समाज को एससी दर्जा दिलाने में असफल रहे बेहड़

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: विधायक शिव अरोरा ने कहा कि बंगाली समाज सदैव भाजपा का अभिन्न अंग रहा है। वहीं उनकी बरसों से चली आ रही अनुसूचित जाति दर्जे की मांग को भाजपा सरकार ने सदैव गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2007 में खंडूरी सरकार ने बंगाली समाज को अनुसूचित दर्जा दिया जाने की मांग के लिए पंतनगर में सर्वे करवाया और 2008 में प्रस्ताव को तत्कालीन कांग्रेस की केंद्र सरकार को भेजा था।

गुरुवार को बिहार चुनाव से लौटने के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए विधायक अरोरा ने कहा कि बंगाली समाज के लोगों को छलते हुए उस केंद्र की कांग्रेस सरकार ने उसको ठंडे बस्ते में डालते हुए उस पर कोई कार्यवाही नहीं की। इतना ही नहीं उस समय के तत्कालीन सांसद केसी सिंह बाबा, मौजूदा विधायक तिलराज बेहड़ केंद्र सरकार से उस प्रस्ताव को पास करवाने में विफल रहे। उन्होंने कहा कि उनके निवेदन पर 2024 में बंगाली समाज के प्रतिनिधिमंडल ने देहरादून में मुख्यमंत्री धामी से मुलाकात कर पुनः बंगाली समाज को अनुसूचित जाति का दर्जा दिये जाने के प्रस्ताव को भेजने का निवेदन किया था। मुख्यमंत्री ने स्वीकार करते हुए 12 फरवरी 2024 में राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग को पुनः प्रस्ताव भेजने को किया। 14 फरवरी 2024 को आयोग ने केंद्र सरकार को भेज दिया था। 1992 में सांसद रहे बलराज पासी ने भी अनुसूचित जाति का दर्जा दिये जाने की मांग उस समय भी संसद में उठायी थी। वहीं सांसद अजय भट्ट में भी इस गंभीर विषय को संसद में रखा था। विधायक ने कहा कि पूर्व मंत्री व किच्छा विधायक बंगाली समाज को अनुसूचित दर्जा की मांग पर झूठी वाहवाही लूट कर फिर से बंगाली समाज को छलने का कार्य कर रहे हैं। जहां तक विधायक मुन्ना सिंह चौहान के बयान की बात है तो गैरसैंण विधानसभा सत्र के दौरान भी उनका बंगाली समाज को लेकर बयान आया था जिसपर तत्काल प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट किया था यह उनका निजी विचार है। विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने भी इस पर माफी मांगी थी। वहीं वर्तमान में भी उनके द्वारा दिये गये बयान पूर्ण रूप से व्यक्तिगत है और उनका निजी बयान है पार्टी व सरकार का इससे कोई लेना देना नहीं है।

पत्रकारों को जानकारी देते विधायक शिव अरोरा। ● अमृत विचार

इस अवसर पर बंगाली महासभा प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार साह, पूर्व मंडी अध्यक्ष केके दास, भाजपा जिला महामंत्री तरुण दत्ता, पार्षद पति मानवेन्द्र राय, गोविन्द राय, गणेश सरकार, शिवकुमार राय, मुकेश मंडल, रोबिन विश्वास, विशाल शील, बलाई विश्वास आदि मौजूद रहे।

पूर्व दर्जा राज्यमंत्री ने खोला एनएच के खिलाफ मोर्चा

धार्मिक स्थलों को तोड़ने पर भड़का आक्रोश, पूर्व सीएम हरीश रावत और किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ ने दिया समर्थन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: किच्छा हाईवे चौड़ीकरण की जद में आए धार्मिक स्थलों के ध्वस्तीकरण होने के बाद पूर्व दर्जा राज्यमंत्री और कांग्रेस कार्यकर्ता भड़क गए और उन्होंने धार्मिक स्थल पर आमरण अनशन शुरू कर दिया। जिसकी भनक लगते ही पूर्व सीएम हरीश रावत और किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ ने भी अपना समर्थन देते हुए प्रदेश सरकार और एनएच अधिकारियों के खिलाफ अपनी भड़ास निकाली।

बुधवार को भारी पुलिस फोर्स के साथ एनएचएआई के अधिकारियों ने किच्छा हाईवे चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ किया और चौड़ीकरण की जद में आई दुकानें व वर्षों पुराना धार्मिक स्थल को भी बलपूर्वक ध्वस्त कर दिया था। जब धार्मिक स्थल के ध्वस्तीकरण की भनक गुरुवार को पैरवीकर्ता पूर्व दर्जा राज्यमंत्री अरुण कुमार शुक्ला उर्फ किन्नू को हुई तो उन्होंने समर्थकों के साथ ध्वस्तीकरण स्थल पर ही आमरण अनशन शुरू कर दिया।

एनएचएआई अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उनका कहना था कि हरीश रावत सरकार के दौरान चौड़ीकरण का मुद्दा सामने आया था और उस वक्त एनएचएआई के अधिकारियों ने लिखित समझौता किया था। पैमाइश के बाद धार्मिक स्थल को कोई नुकसान नहीं होगा।

ध्वस्तीकरण स्थल पर आमरण अनशन करते पूर्व दर्जा राज्यमंत्री व कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते पूर्व सीएम हरीश रावत। ● अमृत विचार

वर्ष 2016 में जब वे मुख्यमंत्री थे, उस वक्त एनएचएआई के अधिकारियों ने समझौतानामा लिखा था और तत्कालीन सरकार ने जनभावनाओं का ध्यान रखा था, लेकिन भाजपा सरकार में अफसरशाही हावी हो चुकी है जिसका जीता जागता प्रमाण ध्वस्तीकरण की कार्रवाई है। प्रकरण को लेकर जिलाधिकारी से फोन पर वार्ता की गई है। कहा है कि आपसी सामंजस्य बनाकर चौड़ीकरण की नपाई को जनभावनाओं के अनुरुप किया जाए। यदि शासन-प्रशासन ऐसा नहीं करता है तो प्रदेशव्यापी आंदोलन को कांग्रेस तैयार है। **-हरीश रावत,** पूर्व मुख्यमंत्री

किच्छा हाईवे चौड़ीकरण की जद में आई भमरौला स्थित धार्मिक स्थल व दुकानों को लेकर कई बार एनएचएआई अधिकारियों से वार्ता हुई थी, लेकिन कोई आश्वासन नहीं दिया। वास्तविकता यह है कि खुद को हिंदू हितैषी बोलने वाली भाजपा सरकार में ही धार्मिक स्थलों को ध्वस्त कर समुदाय की भावनाओं से खिलवाड़ किया जा रहा है। यदि जल्द ही जनभावनाओं को सम्मान नहीं दिया और धार्मिक स्थल का निर्माण नहीं किया तो वृहद आंदोलन चलाया जाएगा।
-तिलकराज बेहड़, विधायक, किच्छा

दरोगा आर्य को मिलेगा गृह मंत्री दक्षता अवार्ड

संवाददाता, रुद्रपुर/नानकमत्ता

- 2021 चौहरे हत्याकांड का किया था खुलासा
- अभियुक्तों को दिलाई थी आजीवन कारावास

अमृत विचार: काशीपुर कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक केपी आर्या को केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक मिलने की भनक लगते ही जनपद पुलिस विभाग में हर्ष का माहौल है। कारण थानाध्यक्ष नानकमत्ता रहते हुए दरोगा ने जटिल चौहरे हत्याकांड का पर्दाफाश किया था और सभी अभियुक्तों को सजा दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

गुरुवार को एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि काशीपुर कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक कृष्ण चंद्र आर्या को उनकी उत्कृष्ट अन्वेषण क्षमता व अद्वितीय विवेचनात्मक दक्षता के आधार पर भारत सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक से नवाजा जाएगा। बताया कि 29 सितंबर 2021 में नानकमता में एक ही परिवार के अजय रस्तोगी उर्फ अंकित, उदित रस्तोगी, आशा देवी और सन्नो देवी की धारदार हथियार से गला रेत कर जघन्य हत्याकांड हुआ था।

बेहतर विवेचनाधिकारी का परिचय देते हुए दरोगा केपी आर्या ने हत्याकांड में रानू रस्तोगी, विवेक वर्मा, मुकेश शर्मा उर्फ राहुल और सचिन सक्सेना को गिरफ्तार किया था और खून से सना सर्जिकल ब्लैड सहित नगदी भी बरामद की थी। 20 मई 2025 को सटीक विवेचना के आधार पर सभी दोषियों को आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा भी हुई। एसएसपी ने अधीनस्थों को दरोगा से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए सेवा, सुरक्षा और शांति के संकल्प के साथ काम करने का आदेश भी दिया।

दरोगा केपी आर्या।

लीवर फटने से हुई थी मधु की मौत

संवाददाता, रुद्रपुर

- पीएम रिपोर्ट में मुंह दबाने की पुष्टि नहीं, दंपती में मारपीट के दौरान घटना के होने का अंदेशा

अमृत विचार: भूपारानी की दुर्गा कॉलोनी में हुए विवाहिता मधु हत्याकांड की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई है, जिसके बाद इस मामले में अब नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने जल्द कार्यवाही की बात कही है।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि मधु की मौत मुंह दबाकर नहीं, बल्कि लीवर फटने और आंतरिक रक्त बहने से हुई थी। अब पुलिस इस बिंदु पर जांच कर रही है कि विवाहिता मधु को इतनी बेरहमी से पीटा गया था कि उसका लीवर फट गया और उसकी दर्दनाक तरीके से मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, मूल रूप से छतीसगढ़ निवासी 26 वर्षीय मधु का शव बुधवार सुबह उसके घर में बिस्तर पर पड़ा मिला था। मौके पर की गई पड़ताल और पूछताछ में सामने आया था कि करीब पांच साल पहले मधु ने फेसबुक पर अनिल राम निवासी दुर्गा कॉलोनी भूपारानी से मित्रता की थी और उसके बाद प्रेम विवाह कर लिया था। शादी के बाद से ही वह दुर्गापुर गली तीन में किराए पर रहने लगी थी। पिछले दिनों से मधु को यह संदेह था कि उसके पति अनिल के किसी दूसरी महिला से संबंध हैं। इसी बात को लेकर दंपती में विवाद व लड़ाई-झगड़ा होने लगा। शुरुआती जांच में अंदेशा जताया गया कि मधु की तकिये मुंह दबाकर जान ली गई है। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आरोपी पति अनिल को हिरासत में ले लिया गया था।

मधु (फाइल फोटो)।

गुरुवार को मधु का पोस्टमार्टम हुआ। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मनोज रतूड़ी के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ कि मधु की मौत मुंह या फिर गला दबाकर नहीं हुई, बल्कि लीवर फटने और आंतरिक रक्त बहने के कारण हुई है। कोतवाल के अनुसार, आरोपी पति ने पूछताछ में पत्नी के साथ मारपीट करने की बात कबूल की है। आरोपी पति अभी हिरासत में ही है। इस संबंध में जल्द ही आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

झांसा देकर हड़पे 10.50 लाख

रुद्रपुर: पंतनगर इलाके के रहने वाले एक व्यक्ति को रिव्यूज बढ़ाकर मोटी आमदनी करने का झांसा देकर लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पंतनगर के रहने वाले दयाशंकर शर्मा ने बताया कि 23 अक्टूबर को टेलीग्राम एकाउंट पर गूगल रेस्टोरेंट पर रिव्यूज बढ़ाने का लक्ष्य दिया गया। बताया कि महज रजिस्ट्रेशन फीस पर ही आईडी बनाई जाएगी और रिव्यूज बढ़ाने पर मोटी आमदनी भी शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि 24 अक्टूबर से बताए गए खाते में पैसा ट्रांसफर किया और बीस फीसदी टैक्स भी जमा करवाया। कॉलर द्वारा 23 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक उसके खाते से ऑनलाइन 10.50 लाख रुपये की निकासी हुई।

समान वेतन मुद्दे को लेकर लामबंद हुए कर्मी

संवाददाता, रुद्रपुर

- उपनल कर्मियों ने कलेक्ट्रेट पर दिया धरना, कई कार्यालयों में भी की छापेमारी

अमृत विचार: सामान काम-सामान वेतन को लेकर उपनल संविदा आउटसोर्स वाहन चालक संघ आंदोलन की राह पर निकल पड़ा है। देहरादून स्थित परेड मैदान में आंदोलन प्रारंभ के साथ ही कार्मिकों ने पहले सभी कार्यालयों में छापेमार कार्रवाई की और उसके बाद डीएम कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने आगाह किया कि यदि प्रदेश सरकार ने ठोस कदम नहीं उठाया तो अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार शुरू किया जाएगा।

गुरुवार को धरना प्रदर्शन के दौरान संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि सामान काम-समान वेतन का मुद्दा पिछले कई वर्षों से उठ रहा है। वर्ष 2018 में अदालत का आदेश आने के बाद प्रदेश सरकार ने आश्वासन दिया था कि संघ व सरकार में कोई टकराव नहीं होगा और जल्द ही एक सूत्रीय मुद्दे का समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कई वर्ष बीत जाने के बाद भी शासन ने अपना वादा नहीं निभाया और वादाखिलाफी करते हुए कर्मियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई।

उन्होंने कहा कि 10 नवंबर से देहरादून में संघ धरना प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने आगाह किया कि यदि जल्द ही मांग पूर्ण नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार किया जाएगा। इस अवसर पर ललित मोहन सिंह बिष्ट, कमान सिंह, नीरज रौतेला, अनिल कुमार, सुनील कुमार, प्रतीक कुमार, नवीन चंद्र, महेश सिंह, दया सिंह, करम सिंह दानू, चंद्रमोहन आदि मौजूद रहे।

डीएम कार्यालय पर धरना देते उपनल चालक संघ के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्रवाई

जमीन पर बसे छह परिवारों को घर खाली करने के लिए तीन दिन का समय दिया

मत्स्य पालन विभाग ने 11 एकड़ जमीन पर लिया कब्ज़ा

- सात परिवार करीब 35 साल से रह रहे हैं

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : मत्स्य पालन विभाग ने प्रहलाद पलसिया में करीब 11 एकड़ जमीन को कब्जे में ले लिया। वहीं, विभाग ने उक्त जमीन पर बसे छह परिवारों को घर खाली करने के लिए तीन दिन का समय दिया।

शक्तिफार्म के नजदीक गांव प्रहलाद पलसिया में राजस्व विभाग ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत राज्य स्तरीय इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क और फिश व्होलसेल मार्केट बनाने के लिए साल 2022 में करीब 41 एकड़ जमीन मत्स्य विभाग को हस्तांतरित किया था। वहीं, इन जमीनों पर सात परिवार करीब 35 साल से रह रहे हैं। वह जमीनों पर खेती भी करता है।

वहीं, पिछले साल भी मत्स्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए कुछ एकड़ जमीनों को कब्जे में लिया था। इसके बाद पीड़ित परिवारों ने न्यायालय की शरण ली थी। न्यायालय ने पीड़ित परिवारों को फसल काटने तक का समय दिया था। इसके बाद पीड़ित परिवारों को न्यायालय से राहत न मिलने के बाद मत्स्य विभाग ने बृहस्पतिवार को कार्रवाई करते हुए शेष बची जमीन को भी कब्जे में ले लिया।

वहीं, मत्स्य विभाग के निर्देशक संजय छिमवाल ने बताया कि विभाग ने प्रशासन की मदद से करीब 11 एकड़ जमीन को कब्जे में लिया है। साथ ही, विभाग की जमीन पर रह रहे छह परिवारों को उनके घर खाली करने के लिए तीन दिन का समय दिया है।

सरकारी जमीन पर कब्जा लेने गई टीम का विरोध प्रदर्शन करते ग्रामीण।

सरकारी जमीन पर कब्जा लेने गई टीम का किया विरोध

सितारगंज : प्रहलाद पलसिया में सरकारी जमीन पर कब्जा लेने पहुंची टीम का ग्रामीणों ने कड़ा विरोध किया। इस बीच पीड़ित परिवार और पुलिस प्रशासन के बीच तीखी नोक-झोंक हुई। जेसीबी लेकर पहुंची टीम ने जब उनके आशियाने तोड़ने की कोशिश की तो ग्रामीण जेसीबी के सामने लेट गए। उन्होंने मत्स्य विभाग के अधिकारी, प्रशासन और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने पीड़ित परिवारों को खदेड़ दिया। इस बीच प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव नवतेज पाल सिंह, पूर्व पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य उत्तम आचार्य, नपं अध्यक्ष सुमित मंडल, भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार और विनय विश्वास ने पीड़ित परिवारों की पैरवी की। उन्होंने पीड़ित परिवारों का घर तोड़ने से पहले उन्हें अन्यत्र जगह स्थानांतरित किए जाने की मांग की।

कार ने बाइक सवार युवकों को मारी टक्कर, एक युवक की मौत

संवाददाता, काशीपुर

- दो युवकों की हालत बनी हुई है नाजुक

अमृत विचार: बाइक सवार तीन युवकों को कार चालक ने टक्कर मार दी। जिसमें इलाज के दौरान एक युवक ने दम तोड़ दिया।

कुंडा थाना क्षेत्र के ग्राम जगतपुर पट्टी कॉलोनी निवासी अनमोल (22) पुत्र भूरे सिंह मेहनत-मजदूरी करता था। बृहस्पतिवार को अनमोल अपने गांव निवासी साथी सौरभ (27) पुत्र बलवीर सिंह व नवाब (35) के साथ मोटरसाइकिल से कुंडा हथौड़ी में वेल्डिंग कराने आया था। इस दौरान उसके साथी को ग्राम मिस्सरवाला में कुछ काम था, तब तीन लोग गांव मिस्सरवाला से होकर दोपहर लगभग 12 बजे वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम मिस्सरवाला में आम के बाग के पास तेज रफ्तार कार की टक्कर से तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची कुंडा थाना पुलिस ने तीनों घायलों को 108 एंबुलेंस से एलडी भट्ट उप जिला चिकित्सालय भेजा। तीनों की हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। तब परिजन अनमोल को मुरादाबाद रोड स्थित एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल सौरभ व नवाब को मानपुर रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अनमोल (फाइल फोटो)।

पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने बताया कि भूरे सिंह के दो बेटे अनमोल व अनिकेत (18) और चार बेटी हैं, जिसमें से तीन की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी बेटी वसुंधरा (16) अविवाहित है। पिता ने बताया कि वह लोग मेहनत-मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। हादसे से पिता, मां नीलम, पत्नी तान्या व भाई-बहनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार, 14 नवंबर 2025

दिल्ली में बम विस्फोट के बाद पुलिस बल ने किया फ्लैग मार्च

पुलभट्टा थाना एवं किच्छा कोतवाली पुलिस ने फ्लैग मार्च से जनता को दिया सुरक्षा के लिए मुस्तैदी का संदेश, चेकिंग अभियान चलाया

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: राजधानी दिल्ली में हुए आतंकी हमले के क्रम में सुरक्षा के दृष्टिगत पुलभट्टा थाना एवं किच्छा कोतवाली पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से कोतवाली एवं थाना अंतर्गत क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया गया। प्रदेश के पुलिस महानिरीक्षक कुमाऊं परिक्षेत्र नैनीताल द्वारा सभी थाना प्रभारियों को दिल्ली लाल किले के पास कार में हुए विस्फोट की घटित घटना के क्रम में सतर्कता बरतने हेतु फ्लैग मार्च कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में पुलभट्टा थाना एवं किच्छा कोतवाली पुलिस के अलावा पीएसी की संयुक्त टीम द्वारा किया गया फ्लैग मार्च कोतवाली से प्रारंभ हुआ। इस दौरान पुलिस एवं पीएसी बल का फ्लैग मार्च नगर के मुख्य बाजार, कुरैशी मोहल्ला, रोडवेज बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, वार्ड नंबर 17, 18, 19 एवं 20, सिरौली कला सहित तमाम आबादी क्षेत्र में पैदल भ्रमण कर सघन चेकिंग करते हुए कोतवाली पहुंचकर समाप्त हुआ। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल द्वारा कई सार्वजनिक स्थानों पर संदिग्ध अवस्था में खड़े दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की तलाशी ली गई और जनता को जागरुक करते हुए लावारिस अवस्था में खड़े वाहनों एवं अपनी गली मोहल्ले में आसामाजिक व्यक्तियों की आवाजाही संदिग्ध पाए जाने पर तुरंत पुलिस को गोपनीय सूचना देने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जागरूकता के माध्यम से किसी भी घटना को घटित होने से समय पर रोका जा सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक रहकर अपनी जिम्मेदारी समझते हुए पुलिस प्रशासन का सहयोग करना चाहिए। मौके पर पुलभट्टा थाना अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह, वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद, उप निरीक्षक मनोज कुमार, उप निरीक्षक जगदीश सिंह आदि मौजूद रहे।

किच्छा में फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारी एवं पुलिस बल। ● अमृत विचार

सीमावर्ती क्षेत्र में एसएसबी और पुलिस की कांबिंग

खटीमा : दिल्ली में लाल किले के सामने हुए बम ब्लास्ट की घटना को देखते हुए सीमांत क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से मनोहर लाल, कमांडेंट, 57वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, सितारगंज के निर्देशन में सीमांत क्षेत्र के विभिन्न समवाय मेलाघाट, नारायण नगर एवं सीमलघाट में विशेष पेट्रोलिंग, फ्लैग मार्च और चेकिंग अभियान चलाया गया। एसएसबी और स्थानीय पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया गया। जिसके अंतर्गत सीमांत क्षेत्र से आने-जाने वाले व्यक्तियों, वाहनों एवं सामग्रियों की सघन जांच की गई तथा संदिग्ध व्यक्तियों से विशेष पूछताछ की गई। मेलाघाट बाजार में फ्लैग मार्च का आयोजन भी किया गया ताकि स्थानीय नागरिकों में सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ किया जा सके एवं उन्हें यह विश्वास दिलाया जा सके कि एसएसबी/सुरक्षा बल पूरी सतर्कता एवं तत्परता से कार्य कर रहे हैं। इस दौरान एसएसबी कैंप मेलाघाट से निरीक्षक विमल जोशी, नारायण नगर से श्री जसोबंता सेनापति, सहायक कमांडेंट, तथा सिम्बलघाट से श्री हरिमोहन मीणा, सहायक कमांडेंट अपने-अपने समवाय बलकर्मियों के साथ मौजूद रहे। अभियान में स्थानीय पुलिस के अधिकारी एवं जवान भी सम्मिलित रहे, जिन्होंने मिलकर सीमांत क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु सराहनीय भूमिका निभाई। 57वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सीमांत क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि न हो तथा नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहे।

आतंकवाद का समर्थन करने वालों पर कार्रवाई हो, ज्ञापन

खटीमा : क्षेत्र के युवाओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को ज्ञापन भेजकर आतंकवाद का समर्थन करने वाले ऐसे लोग जो फेसबुक एवं सोशल मीडिया के माध्यम से आतंकवादियों का समर्थन करते हैं, उन्हें चिन्हित कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। युवाओं ने गृह मंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी कार्यालय में मनीष पंत को सौंपा। गृहमंत्री अमित शाह को भेजे ज्ञापन में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद अब दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट के बाद ऐसे आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पंजाबी महासभा के प्रदेश महासचिव मनोज वाधवा के नेतृत्व में एकत्रित युवाओं ने कहा कि देश विरोधियों जो सोशल मीडिया एवं फेसबुक के माध्यम से अपनी आतंकवादी मानसिकता को फैलाना चाहते हैं और लोगों को भ्रमित करना चाहते हैं। ज्ञापन देने वालों में भाजपा नेता रवीश भटनागर, गुरुद्वारा सिंह सभा के उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह, गौरव पांडे, नवल वाल्मीकि, ठाकुर सुमित सिंह, विजय कुमार, दीपक बिष्ट, आरिफ अंसारी, सलाउद्दीन अंसारी, व्यापारी प्रदीप अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

खटीमा में सीमा पर आने जाने वालों की जांच करती पुलिस और एसएसबी।

खटीमा में एसडीएम कार्यालय पर ज्ञापन सौंपते युवा। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

शैक्षणिक व प्रशासनिक मुद्दों पर की चर्चा

काशीपुर : राजकीय शिक्षक संघ, ब्लाक कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवलालपुर अमरझंडा में आयोजित की गई। गुरुवार को बैठक ब्लाक अध्यक्ष राकेश यादव एवं ब्लाक मंत्री जमुना पटवाल के नेतृत्व में आयोजित हुई। जिसमें शिक्षकों से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से शिक्षकों ने मोहन सिंह नेगी के निष्कासन बहाल करने, एलटी से प्रवक्ता, एलटी और प्रवक्ता से प्रधानाध्यापक तथा हेड मास्टर की पदोन्नति प्रधानाचार्य में शीघ्र किए जाने व ब्लाक का चुनाव जल्द ही संपन्न कराए जाने पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान छत्रपाल सिंह, चंद्रभान यादव, रामपाल सिंह, नीलम शर्मा, महेंद्र सिंह, भूपेंद्र नेगी, शाहिद हुसैन मौजूद रहे।

बच्चों को दी यातायात के नियमों की जानकारी

काशीपुर : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से गांव गिन्नी खेड़ा राजकीय प्राथमिक विद्यालय में विधिक शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को सोशल मीडिया, निशुल्क अधिवक्ता टोल फ्री नंबर 15100, सड़क सुरक्षा, गुड टच बैड टच, यातायात के नियम, साइबर क्राइम, नशा उन्मूलन आदि के प्रति जागरूक किया। साथ ही, विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन आदि योजनाओं की जानकारी दी। शिविर में लगभग 42 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर पीएलवी रणधीर सिंह सैनी, कुसुम लता आदि मौजूद रहीं।

बसपा के जिलाध्यक्ष बने राजेश गौतम

काशीपुर : बसपा प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत ने पार्टी के उच्च पदाधिकारियों के निर्देश पर काशीपुर निवासी एडवोकेट राजेश गौतम को जिला ऊधम सिंह नगर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने जिले में पार्टी की नीति व विचारधारा और पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया है।

116 ग्राम चरस के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

किच्छा : कोतवाली पुलिस ने हल्द्वानी मार्ग पर चेकिंग के दौरान एक नशा तस्कर को 116 .34 ग्राम चरस और 15,100 की नगदी के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने खुरपिया गेट के पास संदिग्ध व्यक्ति देवेंद्र कुमार प्रसाद निवासी नानक नगर, किच्छा को भागते समय दबोचा। तलाशी में चरस बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह यह चरस निर्माणाधीन एम्स में काम करने वाले मजदूरों को बेचता था।

खटीमा में एकता यात्रा निकालते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

पटेल की 150वीं जयंती वर्ष पर एकता यात्रा निकाली

खटीमा : भारतीय जनता पार्टी नानकमत्ता विधानसभा के कार्यकर्ताओं ने सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर एकता यात्रा का आयोजन किया गया। वंदे मातरम की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर सभी पार्टी कार्यकर्ताओं ने वंदे मातरम का सामूहिक गान किया और पदयात्रा सितारगंज रोड से डिग्री कॉलेज रोड होते हुए वापस ब्लॉक परिसर में सभी स्वतंत्रता सेनानियों राष्ट्रीय महापुरुषों के प्रतिमा पर फूल मालाओं से अनावरण किया गया। संयोजक डॉ. प्रेम सिंह राणा एवं कार्यक्रम के प्रभारी दर्जा राज्य मंत्री अनुसूचित जाति के अध्यक्ष मुकेश कुमार ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, पूर्व मंडी के अध्यक्ष नंदन सिंह खड़ायत, हिमांशु बिष्ट, जिला महामंत्री रमेश जोशी, वरुण अग्रवाल, अमित पांडे, भुवन जोशी, किशोर जोशी, मंडल अध्यक्ष महेश राणा, मंडल अध्यक्ष बलदेव सिंह, मनोज राणा, आनंद भंडारी, राजनाथ सिंह, सूरज राणा, अंजू देवी, अनीता ज्याला, कविता जोशी, अनुपम शर्मा, डॉ सुमंत, ललित बिष्ट, सूरज सिंह धामी, शशांक वर्मा, हर्षित सिंह, प्रकाश शर्मा, ब्रजकिशोर शर्मा, प्रेम प्रकाश जोशी आदि उपस्थित रहे।

झांसे देकर की 1.72 लाख की ठगी

किच्छा: क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने किच्छा निवासी योगेश कुमार को 1,72,000 की चपत लगाई। पीड़ित योगेश कुमार ने पुलिस को बताया कि 15 दिसंबर 2024 को अज्ञात व्यक्ति ने खुद को एचडीएफसी बैंक कर्मचारी बताकर फोन किया। ठग ने कस्टमर केयर आईडी भेजने के नाम पर एक संदिग्ध लिंक भेजा। लिंक खोलते ही योगेश का मोबाइल फोन हैक हो गया। साइबर ठगों ने हैकिंग के माध्यम से उनके क्रेडिट कार्ड से 67,000 और बैंक खाते से 1,05,000, यानी कुल 1,72,000 निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उच्च शिक्षा में नवाचार पर संगोष्ठी

संवाददाता, काशीपुर

● गुणवत्ता और नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला

अमृत विचार: उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर राधेहरि महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा विकसित भारत के तहत उच्च शिक्षा में नवाचार विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गुरुवार को आयोजित गोष्ठी का उद्देश्य शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं तथा विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में नवाचार और उत्कृष्टता से जुड़ी नई प्रवृत्तियों पर विचार विमर्श का एक साझा मंच प्रदान करना था।

गुरुवार को बाजपुर रोड स्थित राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कांफ्रेंस हॉल में उच्च शिक्षा में नवाचार विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ कार्यक्रम की संरक्षिका प्रो. सुमिता श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। जहां आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सहसंयोजक डॉ. रुचि कुलश्रेष्ठ ने संगोष्ठी के उद्देश्य तथा उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला। जहां प्राचार्य प्रो. सुमिता श्रीवास्तव ने कहा कि संस्थान अपने शैक्षणिक लक्ष्य को राष्ट्रीय शिक्षा दृष्टि के अनुरूप आगे बढ़ा रहा है। जहां महाविद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। विशिष्ट अतिथि प्रो. योगराज सिंह ने कौशल आधारित शिक्षा और रोजगारों मुक्त अधिगम की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. महिपाल सिंह ने रचनात्मक सहयोग और निरंतर अधिगम के महत्व को रेखांकित किया। ईएसटीसी के वैज्ञानिक अधिकारी नयन ज्योति तालुकदार और नीरज चौधरी उद्यमी ने नवाचार आधारित स्टार्टअप एप्स के अनुभव साझा करते हुए युवाओं में उद्यमिता की भावना को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्र संघ अध्यक्ष जतिन शर्मा ने भी कहा कि अध्ययन के लिए शांतिपूर्ण और अनुकूल वातावरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि एक सकारात्मक शैक्षणिक परिवेश ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार है।

जैन परिवार से संवेदना जताते पूर्व सीएम हरीश रावत। ● अमृत विचार

पूर्व सीएम रावत ने जताया कांग्रेस नेता के निधन पर शोक

रुद्रपुर : वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम के बेहद करीबी रहे अमरनाथ जैन के निधन की खबर मिलते ही पूर्व सीएम हरीश रावत बुधवार की शाम दिवंगत के आवास पहुंचे और परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी परिवार के साथ खड़ी है और दिवंगत के आदर्शों को आत्मसात करेगी। बुधवार की शाम को पूर्व सीएम हरीश रावत समर्थकों के साथ गल्ला मंडी स्थित राजेश जैन और श्याम सुंदर जैन के आवास गल्ला मंडी पहुंचे और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अमरनाथ जैन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने दोनों बेटे राजेश और श्याम सुंदर जैन को ढांढस बंधाते हुए मुलाकात भी की। कहा कि उनके बेहद करीबी रहे अमरनाथ जैन का निधन होना पार्टी के लिए अपूर्णीय क्षति है। इस मौके पर साजिद खान, हरीश बावरा, मोहन लाल खेड़ा, राकेश खुराना आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों में समग्र विकास को बढ़ावा देना उद्देश्य

● न्यू एरा पब्लिक स्कूल दुर्गापुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: न्यू एरा पब्लिक स्कूल दुर्गापुर में विद्यार्थियों में जीवन कौशल विकसित करने के मूल्यांकन अंतर्दृष्टि व रणनीतियों को साझा किया गया। इस दौरान शिक्षकों को अपने शिक्षण पद्धतियों को बढ़ाने के लिए व्यावहारिक उपकरण प्रदान किए गए।

गुरुवार को न्यू एरा पब्लिक स्कूल दुर्गापुर में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता सान्यानाथ शर्मा व विद्यालय प्रबंधक रविंद्रपाल सिंह ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान मुख्य वक्ता सान्यानाथ शर्मा ने कहा कि शिक्षण के साथ शिक्षार्थियों व शिक्षकों के बीच बेहतर तालमेल बनाना है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में जीवन कौशल विकसित करने के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि और रणनीतियों को शिक्षकों को साझा करना चाहिए। इंटरएक्टिव व रोचक सत्र के लिए शिक्षकों को अपने शिक्षण पद्धति को बढ़ाना होगा। विद्यालय के प्रबंधक रविंद्र पाल सिंह ने कहा कि पीपी पब्लिकेशन द्वारा आयोजित प्रशिक्षण विद्यार्थियों के संमग्र विकास को बढ़ावा देने एवं जीवन कौशल का विकास मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने शिक्षकों को अपनी शिक्षण पद्धतियों को बढ़ाने के लिए व्यावहारिक उपकरण प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन पूजा कार्की व पुष्पा जोशी ने किया। इस मौके पर शिक्षिका प्रीति सिंह, ज्योति देऊपा, गायत्री देवी, बबीता ओझा, नीरज नेगी, रेनू बहुगुणा, हिमांशु बोरा, निपेंद्र सिंह, नेहा राठौर, यशोदा पुरोहित, प्रमिला राय, भावना बिष्ट, प्रिया कार्की, हेमा मेहरा आदि मौजूद रहीं।

दिनेशपुर न्यू एरा पब्लिक स्कूल दुर्गापुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र में मौजूद शिक्षिकाएं। ● अमृत विचार

खटीमा से एयर क्राफ्ट में उड़ान भरने वाले जीआईसी के एनसीसी कैडेट्स।

खटीमा के एनसीसी कैडेट्स ने भरी उड़ान

खटीमा : पीएमश्री अटल उत्कृष्ट थारू राजकीय इंटर कॉलेज के सभी एनसीसी कैडेट्स को फ्लाइंग का अनुभव प्राप्त हुआ। बुधवार को भारतीय वायुसेना स्टेशन बरेली में विद्यालय के 14 एनसीसी कैडेट्स ने एस .डब्ल्यू. 80 वायरस एयर क्राफ्ट से उड़ान भरकर ऐतिहासिक अनुभव प्राप्त किया। यह उपलब्धि ग्रुप कैप्टन विवेक रावत, कमांडिंग ऑफिसर, 1 यूके एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, पंतनगर तथा उनकी समर्पित टीम के प्रेरणादायक नेतृत्व में संभव हुई। उनके अथक प्रयासों ने सीमांत क्षेत्र के इस राजकीय विद्यालय के विद्यार्थियों को ऐसा अवसर प्रदान किया जिससे उनके हौसले, आत्मविश्वास और सपनों को नई उड़ान मिली है। प्रधानाचार्य संतोष कुमार ने ग्रुप कैप्टन विवेक रावत, उनकी पूरी टीम सहित एनसीसी अधिकारी नरेंद्र सिंह रौतेला का आभार व्यक्त किया।

सख्ती

राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों की लगाई फटकार, एक महीने पहले हो चुका है टेंडर

मझोला मार्ग का काम शुरू न होने पर सीएम नाराज

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा मझोला राष्ट्रीय राजमार्ग का स्थलीय निरीक्षण करते हुए सड़क की खस्ताहाल स्थिति को देखकर गहरी नाराजगी व्यक्त की। एक माह पूर्व टेंडर होने के बाद भी काम शुरू न होने को लेकर उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और तत्काल काम शुरू करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह मार्ग क्षेत्रवासियों के आवागमन और आर्थिक गतिविधियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में इसकी उपेक्षा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क मरम्मत और सुधारीकरण के कार्य में किसी लापरवाही के कार्य को शीघ्रता और गुणवत्तापूर्वक शुरू करें। उन्होंने कहा कि जनता को असुविधा में डालने वाले किसी भी अधिकारी या एजेंसी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि सरकार जनहित से जुड़े कार्यों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है।

जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि एक माह पूर्व निविदा होने पर भी कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है। उन्होंने एनएच के अभियंता को तत्काल कार्य प्रारंभ करने को कहा। इस दौरान अधीक्षण अभियंता लोनिवि अनिल पांगती, अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग विनोद कुमार आदि मौजूद थे।

जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य से शोक संवेदना करते मुख्यमंत्री धामी।

जिपं अध्यक्ष के आवास पर पहुंच जतायी शोक संवेदना

खटीमा : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बंडिया खुदागंज में जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य के आवास पर पहुंचकर उनकी पत्नी के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री धामी ने इस कठिन समय में मौर्य, उनकी माताजी और परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए उन्हें सांत्वना दी। मुख्यमंत्री धामी ने जिपं अध्यक्ष मौर्य की पत्नी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विधायक शिव अरोरा, मेयर दीपक बाली, पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, पूर्व विधायक शैलेंद्र मोहन सिंघल, डीएम नितिन सिंह भदौरिया, डीएम चम्पावत मनीष कुमार, एसएसपी मणिकांत मिश्रा आदि मौजूद रहे।

दबंगों ने दंपति पर किया जानलेवा हमला

किच्छा: पुलभट्टा थाना क्षेत्र में बेची गई भैंस के पैसे मांगने पर दबंगों ने डेयरी संचालक रईस अहमद और उनकी पत्नी हसीन बानो पर धारदार हथियार और लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। सिरौली कला निवासी रईस अहमद ने 28 सितंबर को अपनी भैंस का सौदा 81,000 में यासीन कुरैशी से 15 दिन की उधारी पर किया था। बार-बार पैसे मांगने पर टालमटोल के बाद, 7 नवंबर को आरोपी यासीन कुरैशी और उसके साथियों (यामीन, नदीम, यूनुस, हबीब, शाहिद, इरफान) ने दंपति पर हमला कर उन्हें गंभीर घायल कर दिया। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि आरोपी गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई का सामना कर चुके हैं। पुलिस ने रईस अहमद की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बीएड कॉलेज में पाठ्यक्रम शुरू

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : डॉ. सुशीला तिवारी पीजी बीएड कॉलेज में गुरुवार को हॉस्पिटैलिटी ऑफ मैनेजमेंट एंड क्यूलिनरी आर्ट्स जैसे रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक नानकमत्ता डॉ. प्रेम सिंह राणा तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि प्रो. कुमुद उपाध्याय (संकायाध्यक्ष, फार्मा विभाग, भीमताल परिसर नैनीताल) द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से किया गया।

वहीं बाल आयोग की सदस्य सुमन राय को बैच लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रो. हरिओम सिंह, प्राचार्य राजकीय डिग्री कॉलेज दुगनाकुरी (बागेश्वर) ने छात्रों को होटल मैनेजमेंट क्षेत्र की बढ़ती संभावनाओं, पर्यटन उद्योग से इसके गहरे संबंध और युवाओं के लिए उपलब्ध बहुआयामी करियर अवसरों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हॉस्पिटैलिटी और क्यूलिनरी आर्ट्स जैसे व्यावहारिक कोर्स युवाओं के लिए न केवल रोजगार बल्कि आत्मनिर्भरता का मार्ग भी खोलते हैं। कॉलेज की प्रबंध निदेशक डॉ. पूनम सिंह ने कहा कि यह नया पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को आधुनिक आतिथ्य प्रबंधन, पाक कला और पर्यटन क्षेत्र में विशेषज्ञता प्रदान करेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. छत्रपाल ने की। संचालन जगदीश सिंह बिष्ट ने किया। इस अवसर पर एडीएस दयाशंकर मौर्या, विजय सिंह, राकेश श्रीवास्तव, निदा खान आदि मौजूद रहे।

डॉ. सुशीला तिवारी पीजी बीएड कॉलेज में पाठ्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि।

ब्रीफ न्यूज

युवा व्यापारी अंकुर ओली का निधन

टनकपुर : सीमेंट रोड निवासी युवा व्यापारी अंकुर ओली (38) पुत्र स्व. दिनेश ओली का बुधवार की रात निधन हो गया। वह लंबे समय से अस्वस्थ्य चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को शारदा घाट में किया गया। उनके निधन पर व्यापारियों और सामाजिक, राजनीतिकि संगठनों से जुड़े लोगों ने गहरा शोक जताया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी दुख व्यक्त करते हुए परिवार को सान्त्वना दी है। निधन पर पूर्व विधायक हेमेश खर्कवाल,नगर पालिका अध्यक्ष विपिन कुमार वर्मा, शिवराज सिंह कठायत, दीपक पाठक, धर्मानंद पांडे, रोहिताश अग्रवाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष वैभव अग्रवाल, पवन पांडे, आनंद सिंह महर आदि ने शोक जताया है।

शादी का झांसा देकर 4.50 लाख की ठगी

किच्छा : बलवंत कॉलोनी निवासी जगजीत कौर ने युवक पर शादी का झांसा देकर 4 .5 लाख हड़पने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि हरियाणा निवासी कश्मीर सांगवान उर्फ केशव ने मजबूरी बताकर यूपीआई के माध्यम से उसके खाते से 4 .50 लाख रुपये ले लिए। बाद में, उसे पता चला कि आरोपी पहले से ही विवाहित है। जब पीड़िता ने रुपये वापस मांगे, तो आरोपी ने गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी और उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवा स्वदेशी अपनाएं, नशा मुक्त भारत बनाएं: मुख्यमंत्री धामी

सीएम ने टनकपुर में एकता पदयात्रा में किया प्रतिभाग, पैदल चलकर दिया राष्ट्रीय एकता, अखंडता व स्वावलंबन का संदेश

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को टनकपुर में राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एकता पदयात्रा में प्रतिभाग किया। यह पदयात्रा डिग्री कॉलेज टनकपुर से प्रारंभ होकर गांधी मैदान तक सम्पन्न हुई। मुख्यमंत्री ने पैदल चलकर जनसमूह को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और स्वावलंबन का संदेश दिया।

डिग्री कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल भारत की एकता, अखंडता और दृढ़ संकल्प के प्रतीक हैं। स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान और देश की रियासतों के एकीकरण में उनकी भूमिका सदैव स्मरणीय रहेगी, जो नवजवानों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल के जीवन से हमें राष्ट्रहित में समर्पण, अनुशासन और एकता का प्रेरणादायक संदेश मिलता है। उन्होंने इस अवसर पर सभी को नशा मुक्त भारत निर्माण का सामूहिक संकल्प भी दिलाया। एकता मार्च में टनकपुर के युवाओं का विशेष उत्साह देखने को मिला। एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवक, स्थानीय छात्र-छात्राएं, नौजवानों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ साथ स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

युवाओं ने नशा मुक्त भारत और स्वदेशी अपनाओ के नारों के साथ एकता और देशभक्ति का सन्देश दिया। मुख्यमंत्री के आह्वान पर जनसमूह में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का वातावरण व्याप्त हो गया, जिससे राष्ट्रीय एकता के इस पर्व को और भी अधिक गरिमामय बना दिया गया।

सीएम ने किया 'आदर्श चम्पावत' लोगो का विमोचन: मुख्यमंत्री ने टनकपुर में सहकारिता मेले के अवसर पर 'आदर्श चम्पावत' लोगो का विमोचन किया। यह लोगो मुख्यमंत्री की दूरदृष्टि और परिकल्पना पर आधारित है, जिससे चम्पावत को शासन, विकास, जनसहभागिता, पर्यावरणीय संतुलन का मॉडल जिला बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाया जा रहा है।

एक दिवसीय भ्रमण के दौरान आदर्श चम्पावत लोगो का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

टनकपुर में एकता पदयात्रा में प्रतिभाग करते मुख्यमंत्री धामी। ● अमृत विचार

इनकी रही मौजूदगी

दर्जा राज्य मंत्री श्याम नारायण पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद सिंह अधिकारी, नगर पालिका अध्यक्ष विपिन कुमार, ब्लॉक प्रमुख अंचला बोहरा, भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत, प्रदेश महामंत्री निर्मल महरा, जिला महामंत्री मुकेश कलखुड़िया, प्रकाश तिवारी, दीपक रजवार, पूरन महरा, हिमेश कलखुड़िया, शिवराज कठायत, गुंजन सुखीजा, सतीश पांडे, पुष्पा विश्वकर्मा, केदार बृजवाल, विकास शाह, डीएम मनीष कुमार, एसपी अजय गणपति, सीडीओ डॉ. जी.एस. खाती, मंगला त्रिपाठी संयुक्त निदेशक सहकारिता विभाग सहित जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे।

लोगो की आधिकारिक व्याख्या

- ऐतिहासिक मंदिर का प्रतीक : लोगो के केंद्र में दर्शाया गया मंदिर चम्पावत की प्राचीन सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर का प्रतीक है। यह संदेश देता है कि विकास की यात्रा में हमारी आस्था, परंपरा और गौरवशाली इतिहास सदैव मूल आधार रहेंगे।
- हरियाली और पर्वतीय पृष्ठभूमि : लोगो में दर्शाई गई हरियाली और पर्वतीय आभा इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरणीय समृद्धि को दर्शाती है। यह संकेत देती है कि आदर्श चंपावत का विकास सतत, पर्यावरण-सम्मत और प्रकृति-संरक्षण आधारित होगा।
- गियर (यांत्रिक पहिए) : गियर जिले में बढ़ते औद्योगिक और तकनीकी नवाचार का प्रतीक हैं। यह इंगित करता है कि सरकार का उद्देश्य केवल पारंपरिक विकास नहीं, बल्कि रोजगार, स्टार्टअप, उद्यमिता और तकनीकी प्रगति को भी प्रोत्साहित करना है।
- नदी में राफ्टिंग करते युवा : यह दृश्य एडवेंचर टूरिज़्म, युवा सशक्तिकरण और खेल भावना का प्रतीक है। यह सीएम धामी की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें युवा शक्ति को विकास की मुख्यधारा में जोड़कर आत्मनिर्भर चंपावत के निर्माण की परिकल्पना की गई है।
- दोनों ओर खिले पुष्प : ये पुष्प सौंदर्य, शांति, संतुलन और सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं। यह इंगित करते हैं कि विकास तभी आदर्श कहलाएगा, जब वह संवेदनशील, समावेशी और मानवीय मूल्यों पर आधारित होगा।
- चारों ओर अंकित ऐपन कला : लोगो की परिधि में दर्शाई गई ऐपन कला चम्पावत की समृद्ध लोकसंस्कृति और पारंपरिक हस्तशिल्प की पहचान है। यह दर्शाती है कि आदर्श चंपावत की आत्मा उसकी सांस्कृतिक जड़ों और लोककला की जीवंतता में निहित है।

ग्रामीण आजीविका सशक्त होगी, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

टनकपुर, अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सहकारिता मेले जैसे आयोजन सहकारिता की भावना को ग्राम्य जीवन से लेकर शहरी समाज तक पहुंचाने की दिशा में अत्यंत सराहनीय पहल हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने जनपद चम्पावत को 8810 .90 लाख (लगभग 88 .11 करोड़) की आठ विकास योजनाओं की सौगात दी, जिनमें 2478 .56 लाख रुपये लागत की तीन योजनाओं का लोकार्पण और 6332 .34 लाख रुपये लागत की पांच योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सहकारिता विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के कृषकों को प्रोत्साहन स्वरूप चार कास्तकारों को प्रत्येक को 1-1 लाख रुपये के चेक वितरित किए। दुधारू पशु पालन हेतु यह प्रोत्साहन राशि पान सिंह, किशन सिंह, संदीप सिंह सहित चार लाभार्थियों को प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आगे बढ़कर अन्य किसानों के लिए उदाहरण बनने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि इन परियोजनाओं से चम्पावत के समग्र और संतुलित विकास को नई दिशा मिलेगी। इससे ग्रामीण आजीविका सशक्त होगी, क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा।

उपनल कर्मियों का कार्य बहिष्कार

- अल्मोड़ा में समस्याओं का निदान नहीं होने से बढ़ा रोष
- कार्यालय परिसर में किया विरोध-प्रदर्शन

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: मांगों का लंबे समय से निराकरण नहीं होने से उपनल कर्मचारियों में रोष बना हुआ है। वहीं, वन विभाग के उपनल कर्मचारी अनिश्चितकालीन कार्यबहिष्कार पर गए हुए हैं। गुरुवार को कर्मचारियों ने विरोध-प्रदर्शन कर समस्याओं के जल्द निदान की मांग की।

अल्मोड़ा वन प्रभाग व सिविल सोयम के उपनल कर्मचारियों ने गुरुवार को कार्यबहिष्कार किया। कार्यालय परिसर में प्रदर्शन कर विरोध जताया। कहा कि लंबे समय से मांग के बावजूद अब तक कर्मचारियों का विनियमितीकरण नहीं हो सका है। कर्मचारियों को समान कार्य के लिए समान वेतन का लाभ नहीं दिया जा रहा है।

लंबे समय से कर्मचारी समस्याओं के निदान की मांग कर रहे हैं, लेकिन फिर भी उस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। कर्मचारियों ने विनियमितीकरण, समान कार्य समान वेतन और जीएसटी चार्ज नहीं करने की मांग की। कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी वह कार्यबहिष्कार पर डटे रहेंगे।

इस अवसर पर अमित बोरा, राजेश पांडे, मनोज भट्ट, अवनी साह, ममता वर्मा, दिनेश परिहार, ललित कुमार, अंकित दुम्का, भुवन परिहार, संदीप भट्ट, अशोक सिंह बोरा, प्रियंका जीना बिष्ट आदि रहे।

अल्मोड़ा वन विभाग कार्यालय में प्रदर्शन करते उपनल कर्मी। ● अमृत विचार

नगर में पुलिस अलर्ट निकाला फ्लैगमार्च

रानीखेत, अमृत विचार: दिल्ली में आत्मघाती धमाके के बाद छावनी क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्कता बढ़ा दी गई है। सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से एसपी हरबंस सिंह के नेतृत्व में मुख्य बाजार में फ्लैगमार्च निकाला।

जन जागरूकता के तहत किसी भी व्यक्ति के संदिग्ध प्रतीक होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की सलाह दी गई। होटल व्यवसायियों से अतिथियों की पहचान पत्र आधार कार्ड आदि की जांच करने के बाद ही कमरा देने को कहा गया। इस दौरान निकाले गए फ्लैगमार्च में सीओ विमल प्रसाद, कोतवाल अशोक धनखड़, सोमेश्वर थानाध्यक्ष मनमोहन जोशी, एसएसआई कमल हसन, एसएसआई बिशनलाल व बृजमोहन भट्ट आदि मौजूद रहे।

नकारात्मक प्रचार से बचें कार्यकर्ता

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: भाजपा की जिला सोशल मीडिया एवं आईटी संयोजकों की गुरुवार को जिला कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। शुभारंभ जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने किया। वक्ताओं ने कहा कि कार्यकर्ता सोशल मीडिया में नकारात्मक प्रचार से बचें और सकारात्मक और तथ्यपरक जानकारी ही जनता से साझा करें।

आईटी सेल के प्रदेश संयोजक प्रवीण लेखवार ने कहा कि सूचना और संचार दोनों आज बड़ी शक्ति के रूप में उभरकर सामने आए हैं। आईटी का प्रमुख उद्देश्य सही और सटीक जानकारी जनता तक पहुंचाना है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से डिजिटल वालंटियर के रूप में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आग्रह किया। मुख्य वक्ता हिमांशु संगतानी ने सोशल मीडिया की भूमिका और उपयोगिता की जानकारी दी। जिलाध्यक्ष नयाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने देशभर में सूचना तकनीक के माध्यम से जनसंपर्क को नई दिशा दी है।

इस अवसर पर जिला महामंत्री दर्शन रावत, प्रकाश भट्ट, गंधार अग्रवाल, गोविंद मेटला, नगर अध्यक्ष विनीत बिष्ट, रवि रौतेला, कृपाल बिष्ट, मदन बिष्ट, गौरव कांडपाल, गोकुल सिंह, भारत फर्त्याल, अशोक भोज, भगवत सिंह, दीवान नेगी, रवि जोशी, प्रेम सिंह, दीपक भंडारी, ललित मोहन, मोहन बोरा, आशीष गुरुरानी, हर्षित बजेठा, ललित कुमार, रोहित कुमार, सुरेश तिवारी, मनीष जोशी, कैलाश गुरुरानी, संदीप श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

भाजपा सोशल मीडिया व आईटी सेल संयोजकों की बैठक में मौजूद कार्यकर्ता।

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष का स्वागत

बनबसा : कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष चिराग फर्त्याल का बनबसा पहुंचने पर स्वागत किया। कांग्रेस प्रदेश सचिव आनंद मेहरा ने स्वागत करते हुए कहा कि जिलाध्यक्ष फर्त्याल के नेतृत्व में चंपावत जिला कांग्रेस को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

विश्वास जताया कि फर्त्याल के नेतृत्व में कार्यकर्ता निष्ठा और दमखम के साथ 2027 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की विजय सुनिश्चित करेंगे। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ने कहा कि संगठन ने जो ऊन्हे जिम्मेदारी दी है वह उसे पूर्ण निष्ठा से निभाएंगे। इस दौरान अब्दुल नाजिम, इरशाद, बिलाल, साहिल हुसैन, रिजवान हुसैन, नरेश, उमेश, रंजीत, संदेश, प्रदीप, भवन, संतोष, विहान, रिहान, जुबेर, महेंद्र लाल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

करन माहरा को सम्मानित करते कांग्रेसजन। ● अमृत विचार

करन माहरा के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन

रानीखेत, अमृत विचार : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के सफल कार्यकाल को लेकर करन माहरा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष उमेश भट्ट व संचालन पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल सिंह देव ने किया। इस दौरान कैलाश पांडेय, अगस्त लाल साह, ज़िलाध्यक्ष गीता पवार, कमलेश बोरा,नेहा साह माहरा, ब्लॉक अध्यक्ष कमल तिवारी,कुलदीप कुमार, मीडिया प्रभारी सोनू सिद्दीकी, विजय तिवारी, दीप उपाध्यक्ष, चंदन बिष्ट, नवीन प्रकाश, अमित पांडेय, बिशन टनवाल, मोहन सिंह बिष्ट, यूथ विधानसभा अध्यक्ष अंकिता पंत, पूरन मेहरा, कुसुम जोशी, कैलाश पंत, देवेंद्र लाल साह, पंकज जोशी, जीतन जयाल, नीमा कडकोटी,नंदन सिंह रावत, रोहित नेगी, नवीन जोशी, वसीम कुरेशी, आनंद सिंह रावत, सुरेश सिंह असवाल, रुद्र माहरा, अरसलान शेख़, नीरज रावत आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सरकार बना रही महिलाओं को स्वाभिमानी

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार : राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर नगर पालिका की ओर से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के सम्मान और सशक्तीकरण के लिए "सशक्त नारी" उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं ने प्रतिभाग कर विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

गुरुवार को दीन दयाल पार्क में नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमा पांडे, ईओ भरत त्रिपाठी, सभासद रोहित बिष्ट, गौरव कलौनी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रेमा पांडेय ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। महिलाएं आत्मसम्मान से जीवन यापन कर सकें इसके लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

धामी सरकार महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें स्वाभिमानी बनाने का कार्य कर रही है।

बताया कि नगर पालिका की ओर से दीनदयाल अंत्योदय राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन एवं दीनदयाल जन आजीविका योजना-शहरी के तहत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के व्यक्तित्व विकास एवं प्रोत्साहन के लिए विभिन्न कार्यक्रम हुए। महिलाओं ने खेल गतिविधियां और अन्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की भी विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन सिटी मैनेजर महेश चौहान ने किया। इस अवसर पर सभासद मणिप्रभा तिवारी, जगदीश लाला साह, प्रदीप भट्ट सहित अन्य सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

चम्पावत में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं पालिका अध्यक्ष प्रेमा पांडे।

लोहाघाट व टनकपुर जीते अब अगले चक्र में पहुंचे

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: सोबन सिंह जीना विवि की अंतरमहाविद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता में गुरुवार को खेले मुकाबलों में टनकपुर ने पिथौरागढ़ और लोहाघाट ने बेरीनाग को हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया।

एचएनबी स्टेडियम में हुई प्रतियोगिता का मुख्य अतिथि विवि के कुलसचिव डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर शुभारंभ किया। पहले मैच में लोहाघाट ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 135 रन बनाए। जवाब में बेरीनाग की टीम 95 रन ही बना सकी और लोहाघाट ने 40 रनों के अंतर से मैच जीत लिया। दूसरा मैच टनकपुर व पिथौरागढ़ के बीच खेला गया। पिथौरागढ़ ने पहले बैटिंग करते हुए 82 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी टनकपुर की टीम ने छह विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। यहां विवि के क्रीड़ा प्रभारी लियाकत अली खान, प्रो. संजीव आर्या, डॉ. कमलेश कुमार भाकुनी, जीवन प्रकाश, दीपक किरौला, राहुल कुमार, हरीश गोस्वामी, डॉ. मनोज बिष्ट, डॉ. केके खोलिया, कैलाश मेहरा, इरफान खान, संजय वर्मा, पंकज कुमार, किशन लाल, प्रेम सिंह लटवाल, डॉ. गिरीश अधिकारी आदि रहे।

शिक्षण को तकनीक से जोड़ें

- प्रशिक्षण के दौरान हैंड्स ऑन एक्टिविटीज पर दिया जोर
- अल्मोड़ा डायट में विज्ञान गणित कार्यशाला का शुभारंभ

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: डायट में आइसर पुणे व एससीईआरटी उत्तराखंड की ओर से गणित विज्ञान कार्यशाला का शुभारंभ हो गया है। प्रशिक्षकों ने शिक्षण में तकनीक के उपयोग पर जोर दिया। कहा कि गणित व विज्ञान के शिक्षण में तकनीक के उपयोग को तैयार रहना होगा।

कार्यशाला का शुभारंभ डायट प्राचार्य ललित मोहन पांडे ने किया। उन्होंने बताया की वर्तमान समय में गणित और विज्ञान शिक्षण मुख्य रूप से तकनीक और गतिविधियों पर आधारित हो रहा है। इसके लिए हम सभी को तैयार होने की जरूरत है। डाइट प्रवक्ता डॉ. कमलेश सिराड़ी ने कार्यशाला के महत्व, आईसर पुणे के प्रशिक्षण कार्यक्रम व प्रोजेक्ट की जानकारी दी। अंकित जोशी, निम्मी बिष्ट, देवेश तिवारी व गिरीश मठपाल ने विज्ञान व गणित शिक्षण में रोचक गतिविधियों व नवीन तकनीकों को प्रयुक्त कर विभिन्न प्रकार की हैंड्स ऑन एक्टिविटीज पर जोर दिया। बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्टेम एजुकेशन को बढ़ावा देना और विज्ञान व गणित में विद्यार्थियों की रुचि का विकास करना हैं।

अल्मोड़ा डायट में गुरुवार को कार्यशाला का शुभारंभ करते अतिथि। ● अमृत विचार

150 कुपोषित बच्चों को मिली पोषण किट

किच्छा : इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल डेवलपमेंट संस्था द्वारा बाल विकास व टाटा मोटर्स के सहयोग से कुपोषित एवं अति कुपोषित 150 बच्चों को पोषण किट प्रदान की गईं। शुभारंभ सामुदायिक विज्ञान विभाग पंतनगर की प्रो. डॉ. अर्चना कुशवाहा, बाल विकास परियोजना अधिकारी हेमा कांडपाल, टाटा मोटर्स के डीजीएम प्रदीप सांगवान ने संयुक्त रूप से किया। प्रोफेसर कुशवाहा ने कहा कि बच्चों के लिए खिचड़ी सबसे सरल और पौष्टिक आहार है जिसमें कम समय में संतुलित आहार बच्चों को प्राप्त हो जाता है। हेमा कांडपाल ने बताया कि छह माह तक केवल स्तनपान बच्चों को कुपोषण से बचाता है, इसलिए मां का दूध नवजात के लिए अमृत समान है। परियोजना निदेशक बिंदुवासिनि ने बताया कि पोषण किट में बच्चों को डेढ़ लीटर का कूकर, खिचड़ी, किशमिश और एंटीसेप्टिक साबुन दिया जा रहा है। कार्यक्रम में दीपक जैन, अनिल वत्स, नेहा, अभिषेक त्रिपाठी, प्रतिभा, हेमलता, सोनू, नीरज कुमार, रविंद्र कुमार, संगीता बिंद्रा सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

किच्छा में किट वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि। ● अमृत विचार

प्रबंधन और उपचार के सीखे गुर

- अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में आयोजित प्रशिक्षण का समापन
- जिलेभर के चिकित्सा व नर्सिंग अधिकारियों ने लिया हिस्सा

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का प्रशिक्षण गुरुवार को संपन्न हुआ। प्रतिभागियों ने नवजात के उपचार और प्रबंधन के गुर सीखें।

राजकीय आयुर्विज्ञान व शोध संस्थान के बाल रोग विभाग में हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम में तीस प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह ने बताया कि कार्यशाला में प्रतिभागियों को नवजात शिशु के उपचार में बरती जाने वाली सावधानियां बताई गई। साथ ही प्रबंधन के गुर भी सिखाए। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्राथमिक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा प्रदाता नवजात शिशुओं का बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन कर सकें। प्रतिभागियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। यहां प्राचार्य डॉ. चंद्र प्रकाश भैंसोड़ा, सीएमओ डॉ. नवीन चंद्र तिवारी, डॉ. शुभम, डॉ. गौरव, डॉ. पीयूष, डॉ. गौरव पांडे, डॉ. हर्ष गुप्ता, पूजा, प्रियंका बहुगुणा, समाज कल्याण अधिकारी अतुल कांत, संदीप, मनोज मेहरा आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को प्रशिक्षण दिया गया।

अमृत विचार

शुक्रवार, 14 नवंबर 2025

किसी भी मनुष्य की इच्छाशक्ति अगर उसके साथ हो तो वह कोई भी काम बड़े आसानी से कर सकता है। इच्छाशक्ति और दृढ़संकल्प मनुष्य को रंक से राजा बना देती है। - **महर्षि वाल्मीकि**

स्वीकार के बाद

दिल्ली विस्फोट के नए खुलासों ने आखिरकार सरकार को यह मानने पर मजबूर कर दिया कि यह एक सुनियोजित आतंकी हमला था। प्रारंभिक जांच में जब सामान्य विस्फोट या लापरवाही की थ्योरी सामने लाई जा रही थी, तब भी घटनास्थल से बरामद सामग्री, विस्फोट की प्रकृति और संदेहास्पद संदेश, शामिल व्यक्तियों के संपर्क, यह साफ संकेत दे रहे थे कि मामला कहीं अधिक गहरा है। अब जब जांच एजेंसियों ने आतंकी संगठनों से जुड़े डिजिटल सबूत, विदेशी फंडिंग और सैन्य-ग्रेड विस्फोटकों की जानकारी सार्वजनिक की, तो सरकार के लिए यह स्वीकारोक्ति अपरिहार्य हो गई। शुरुआती संकेतों की उपेक्षा कर स्वीकार्यता की यह देरी उचित नहीं। आतंकी जनवरी से शृंखलाबद्ध विस्फोट की तैयारी में सक्रिय थे पर खुफिया एजेंसियों को उनकी गतिविधियों की भनक दस महीनों तक नहीं लगी। यह देरी हमारे आंतरिक सुरक्षा ढांचे की कमजोरी का द्योतक है। इस लापरवाही ने आतंकवाद के प्रति घोषित "ज़ीरो टॉलरेंस" नीति की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया। "ज़ीरो टॉलरेंस" का अर्थ केवल सख्त कार्रवाई नहीं, बल्कि समय रहते सटीक खुफिया समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया और निरंतर निगरानी भी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इस घटना की निंदा करते हुए आतंकवाद से निपटने के लिए राज्यों और केंद्र की एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाने, विदेशी फंडिंग पर कठोर निगरानी, और चरमपंथी संगठनों के नेटवर्क पर व्यापक छापेमारी संबधी प्रस्ताव पारित हुआ, यह नीतिगत बयान है पर व्यावहारिक प्रभाव के लिए इन बिंदुओं को ठोस कार्रवाई में बदलना ज़रूरी है। घटना के बाद जमाते इस्लामी से जुड़े लगभग 500 ठिकानों और तीन राज्यों में 507 स्थानों पर छापेमारी की गई। यह कदम तात्कालिक राहत देता है, किंतु दीर्घकालिक असर तभी होगा जब इन संगठनों की फंडिंग, वैचारिक प्रसार और सोशल मीडिया नेटवर्क पर स्थायी निगरानी रखी जाए। महज निंदा प्रस्ताव और छापेमारी दीर्घकालिक समाधान नहीं दे सकतीं। वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल का पर्दाफाश संयोग से हुआ-विवादास्पद पोस्टर प्रकरण की जांच के दौरान। यदि यह जांच न होती, तो शायद इस नेटवर्क का पता न चलता। जब खुफिया तंत्र आतंकियों की गतिविधियों को घटना बाद उसकी कड़ियां जोड़ने का काम करे तो यह तथ्य इस बात की पुष्टि करता है कि हमारा खुफिया ढांचा प्रतिक्रिया-प्रधान है, न कि सक्रिय।

टेरर फंडिंग, डिजिटल एन्क्रिप्शन चैनल और विस्फोटक सामग्री की आपूर्ति-तीनों में पाकिस्तान की संलिप्तता के संकेत स्पष्ट हैं। भारत को अब सिर्फ़ "कड़े शब्दों में निंदा" से आगे बढ़कर कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर कठोर प्रतिरोध की रणनीति बनानी होगी। सरकार और गृह मंत्रालय को चाहिए कि वे साइबर इंटेलिजेंस को उन्नत करने के साथ ही राज्यों में संयुक्त आतंक-रोधी सेल गठित करे और उसका उसका समन्वय केंद्र से करने के अलावा विदेशी फंडिंग की वास्तविक समय पर ट्रैकिंग प्रणाली लागू करने की निगरानी संबंधित त्रिस्तरीय प्रणाली बनाए। यह विस्फोट बताता है कि आतंकवाद सीमा पार से अधिक सीमा के भीतर पनप रहा है। इसे रोकने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ-साथ संस्थागत चुस्ती भी उतनी ही आवश्यक है। सरकार ने देर से सही, लेकिन सच्चाई स्वीकार की है। अब जरूरत तेज़ गति से कार्रवाई की है। निस्संदेह सरकार उम्मीद पर खरी उतरेगी।

प्रसंगवश

हर बच्चे के सपने को बचाने का संकल्प

बाल दिवस पर जब हम बच्चों की मुस्कुराहट, उनके सपनों और उजले भविष्य की बातें करते हैं, तब यह सच्चाई हमारे भीतर एक गंभीर सवाल उठाती है कि क्या सचमुच हर बच्चे को बचपन जीने का अवसर मिला है। क्या हर बच्चा अपने अधिकारों से परिचित है। संभवतः नहीं। समाज की यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और संरचनात्मक भी है। शहरों में बाल दिवस के नाम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और उपहार बांटे जाते हैं, जबकि दूसरी ओर हज़ारों बच्चे खेतों, ईंट भट्टों और निर्माण स्थलों की धूल में अपना बचपन खोने को मजबूर हैं।

भारत की जनसंख्या में लगभग साढ़े आठ प्रतिशत हिस्सा आदिवासी समुदायों का है। यह समुदाय प्रकृति के सबसे करीब है,

संध्याच राजपुरोहित
लेखिका, मध्य प्रदेश

पर विकास के मुख्य प्रवाह से सबसे दूर। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की पहुंच अब भी सीमित है। 2023-24 की यू.डायस प्लस रिपोर्ट बताती है कि प्राथमिक स्तर पर आदिवासी बच्चों के नामांकन में सुधार आया है, पर माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर उपस्थिति में गिरावट स्पष्ट दिखती है। इसका कारण केवल गरीबी नहीं है। विद्यालयों की दूरी, कठिन भौगोलिक परिस्थितियां, परिवहन की कमी और बरसात में गांवों का अलग-थलग पड़ जाना भी इसके बड़े कारण हैं। ऐसे समय में जब परिवार रोज़ की आजीविका के संघर्ष में उलझा रहता है, तो बच्चों की पढ़ाई पीछे छूट जाती है। एक बार मजदूरी पर जाते परिवारों में एक दस साल के बच्चे को साथ देखा गया। पूछा कि क्या यह स्कूल नहीं जाता। पिता ने उत्तर दिया, न जाए तो खाएगा क्या। यह एक वाक्य उस कठोर जीवन-सत्य की ओर संकेत करता है, जहां भूख सपनों पर भारी पड़ जाती है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में पांच से सत्रह वर्ष आयु के लगभग पचास लाख बच्चे अब भी श्रम में लगे हुए हैं। कानून बने हैं, अधिकार घोषित हुए हैं, पर इनका क्रियान्वयन गांवों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाया। फिर भी कुछ रोशनियां हैं। सरकार द्वारा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, सर्वशिक्षा अभियान, छात्रवृत्ति योजनाएं और मध्यान्ह भोजन जैसी पहलों ने शिक्षा तक पहुंच बढ़ाई है। पर वास्तविक परिवर्तन तब आएगा जब शिक्षा को स्थानीय भाषा, संस्कृति और जीवन अनुभवों से जोड़ा जाएगा। जब शिक्षक बच्चों की मातृभाषा में संवाद करेंगे, जब पाठ्यक्रम में उनकी परंपराएं और ज्ञान प्रणाली शामिल होंगी, तब शिक्षा उनके जीवन में अपनत्व का भाव जगाएगी।

यह समस्या केवल विद्यालय की नहीं है। जब तक परिवारों के लिए स्थायी आजीविका के साधन नहीं होंगे, तब तक बच्चों का स्कूल जाना चुनौती बना रहेगा। जंगल आधारित अर्थव्यवस्था, लघु वन उत्पादों का उचित मूल्य, कुटीर उद्योग और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की मजबूती अत्यंत आवश्यक है। आर्थिक स्थिरता ही शिक्षा का मार्ग खोलती है। समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल सरकारी योजना नहीं, एक सामूहिक सामाजिक प्रतिबद्धता है। गांव, समुदाय, शिक्षक, युवा और स्थानीय संस्थाएं मिलकर जागरूकता फैला सकते हैं।

आज आवश्यकता है कि संवेदना को कर्म में बदला जाए। पंडित नेहरू का सपना था कि हर बच्चा सुरक्षित, शिक्षित और स्वतंत्र वातावरण में बड़ा हो। यह सपना तभी पूर्ण होगा, जब किसी गांव की झोपड़ी में बैठी बच्ची यह न सोचे कि स्कूल जाने का अर्थ भूखे रह जाना है। यदि हम आदिवासी इलाकों में शिक्षा की लौ जला सके, तो आने वाले समय में गरीबी और शोषण की अंधकार भरी रातें स्वयं समाप्त हो जाएंगी।

अच्छे संकेत नहीं बांग्लादेश में बढ़ती आतंकी गतिविधियां

दिग्विजय सिंह
कानपुर

प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियां बढ़ती ही जा रही हैं। वहां की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के भारत विरोधी रवैये के कारण वहां भारत विरोधियों की बाढ़ सी आ गई है। ऐसे कट्टरपंथी भारत की शांति में खलल डाल सकते हैं। न सिर्फ बांग्लादेश में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियां बढ़ी हैं, बल्कि वहां पर भारत विरोधी संगठन भी आतंक को बढ़ावा देने में जुट गए हैं।

आईएसआई के अफसरों की बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठनों के प्रमुखों से मुलाकात का दौर जारी है। ऐसे में अब वहां जेएमबी, अल-कायदा और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम जैसे आतंकी संगठन भी तेजी से भारत विरोधी रुख अख्तियार कर रहे हैं। आईएसआई की मंशा है कि ये संगठन मिलकर भारत को निशाना बनाएं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा आईएसआई को बढ़ावा देने से भारतीय खुफिया एजेंसियां सतर्क तो हो गई हैं, लेकिन अब सरकार को भी बांग्लादेश की दुखती रग पर हाथ रखना होगा। दिल्ली में हुए बम धमाके और फरीदाबाद व अन्य जगहों पर मिले प्रतिबंधित हथियार ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। गृह मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के साथ बैठक में दोषियों पर करारा प्रहार का आदेश दे दिया है, लेकिन जरूरत उन्हें भी सबक सिखाने की है, जो अपने देश में भारत के विरोधियों को पांव जमाने का अवसर दे रहे हैं।

पांच अगस्त 2024 को बांग्लादेश की सत्ता से प्रधानमंत्री शेख हसीना को बेदखल कर दिया गया था। भारतीय हितों के लिए सदैव तत्पर रहीं शेख हसीना की विदाई में कट्टरपंथी संगठनों को हाथ था। उन्होंने ही छात्रों को उकसाया और फिर जब आंदोलन शुरू हुआ, तो हर तरह की मदद की। मोहम्मद यूनुस के अंतरिम सरकार का मुखिया बनने के बाद यह उम्मीद जगी थी कि शेख हसीना की तरह ही वे भारतीय हितों का ध्यान रखेंगे, पर हुआ इसका उलट। उन्होंने न सिर्फ आईएसआई के अधिकारियों को बार-बार बुलाया, बल्कि पाकिस्तानी आतंकी मसूद अजहर के सहयोगियों को भी अपने देश में बुलाकर तकरीरें करने की छूट दी। इन सबके बीच ही पाकिस्तान और बांग्लादेश की सेना के बीच सहयोग भी बढ़ा है। पाकिस्तानी अफसर बांग्लादेश के सैनिकों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। हाल ही में पाकिस्तान के चीफ ऑफ ज्वाइंट चीफ्स जनरल साहिर शमशाद मिर्जा ने ढाका की यात्रा की थी। इस दौरान भी दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग और खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान पर बात हुई थी। पाकिस्तान ने ढाका में स्थित उच्चायोग में आईएसआई के प्रकोष्ठ को पुनः सक्रिय कर दिया है। इसके लिए ब्रिगेडियर, कर्नल और मेजर स्तर के अधिकारियों की तैनाती भी कर दी है। उनकी नियुक्ति भारत के लिए शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि आईएसआई के अधिकारी वहां बैठकर अब भारत विरोधी एजेंडे को धार देने से नहीं चूकेंगे। हालांकि भारतीय खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां भी पूरी तरह से चौकन्नी हैं और भारत विरोधी एजेंडे को मटियामेट करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी, लेकिन पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ की आड़ में वहां से आतंकी आ सकते हैं।

इस बात का भी डर हर किसी को सता रहा है। 2009 से पहले जब ढाका में आईएसआई की सक्रियता चरम पर थी, तब उसने जमाते-इस्लामी के जरिए भारत के कई शहरों में आतंकी वारदातों को अंजाम दिया था। अब वहां जमाते-इस्लामी की गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। साथ ही हरकत-उल-जिहादी-इस्लामी (हूजी) भी सक्रिय हो गया है। वह भारत से लगती लंबी सीमा पर अपने माड्यूल स्थापित करने की फिराक में जुटा है। इन सबके लिए मोहम्मद यूनुस बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। बांग्लादेश ये भूल रहा है कि भारत ही उसका जन्मदाता है। अगर उसकी धरती से भारत में किसी तरह का आतंकी हमला होता है, तो फिर यह उसके लिए मुश्किल भरा समय होगा, क्योंकि भारत अब झुकने वाला नहीं, बल्कि जवाब देने वाला है। मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तान से छोटे हथियार, गोला-बारूद, युद्ध सामग्री और जेएफ-17 थंडर फाइटर जेट लेने की तैयारी शुरू की है। चीन की गतिविधियां भी बांग्लादेश में बढ़ी हैं। आशंका जताई जा रही है कि सैन्य प्रशिक्षण के जरिए बांग्लादेश, भारतीय सैन्य रणनीति और गुप्त सूचना पाकिस्तान तक पहुंचा सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। भारत के लिए सिर्फ पाकिस्तान और उसके आतंकी संगठन ही चिंता का विषय नहीं हैं, बल्कि बांग्लादेश में अपनी गतिविधियां बढ़ा रहा तुर्किए भी है। हर मोर्चे पर पाकिस्तान का साथ देने वाला तुर्किए भी अपनी गतिविधियां बांग्लादेश में बढ़ा रहा है। चीन तो पहले से ही बांग्लादेश में सक्रिय है। पाकिस्तान से दोस्ती कराने में चीन की भूमिका अहम रही है। चीन, पाकिस्तान और तुर्किए तीनों भारत के दुश्मन हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन और तुर्किए ने पाकिस्तान की मदद की थी। ऐसे में तुर्किए की भी गतिविधियां बांग्लादेश में बढ़ना अच्छा संकेत नहीं हैं।

चीन और पाकिस्तान की मदद से अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुटे बांग्लादेश ने तुर्किए से भी रक्षा सौदा लगभग फाइनल कर लिया है। तुर्किए, बांग्लादेश को लंबी दूरी की मिसाइल, लड़ाकू ड्रोन आदि देने की तैयारी कर रहा है। वैसे तो बांग्लादेश बार-बार यह कहता है कि वह हथियार की खरीद इसलिए कर रहा है, ताकि म्यांमार के लड़ाकू विमान, जो बार-बार उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करते हैं न कर सकें। वह अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भर बनना चाहता है, लेकिन एक्सपर्ट मानते हैं कि भारत के चिकननेक पर अपनी गिद्ध दृष्टि लगाए बांग्लादेश के हुक्मरान धीरे-धीरे अपनी रक्षा शक्ति को मजबूत कर रहे हैं। हालांकि बांग्लादेश चाहे जितनी रक्षा शक्ति मजबूत कर ले, उसकी सेनाएं हमारी सेना का मुकाबला नहीं कर सकती हैं। हां उसकी धरती पर बढ़ता कट्टरपंथ और आतंकवाद की तैयार हो रही पौध हमारे लिए शुभ संकेत नहीं हैं।

> 2009 से पहले जब ढाका में आईएसआई की सक्रियता चरम पर थी, तब उसने जमाते-इस्लामी के जरिए भारत के कई शहरों में आतंकी वारदातों को अंजाम दिया था।

आमने

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के एग्जिट पोल पर कहा कि एनडीए सरकार बनाने जा रही है। सोर्स से जानकारी मिल रही है और साफ नजर आ रहा है कि एनडीए की सरकार बनने वाली है। कल परिणाम आने के बाद एनडीए की सरकार बनेगी।

-प्रेम कुमार
मंत्री, बिहार सरकार

अभी 14 नवंबर तक परिणाम की प्रतीक्षा करनी होगी, जो वोट चोरी हुई है, उसका बहुत व्यापक असर इस चुनाव पर पड़ेगा। इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि 80 लाख वोट बिहार में चोरी हुए हैं। 80 लाख मतदाता वोट देने से वंचित हुए हैं।

- संजय सिंह
आप सांसद

सामने

आतंकवादी डॉक्टर्स: समाज और शिक्षा के सरोकार

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

एक-दो नहीं कोई आधे दर्जन डॉक्टर्स एक ऐसे गिरोह में शामिल थे, जो देश को अस्थिर करने और निर्दोष लोगों की हत्या के लिए धर्म की आड़ ले रहे थे। दिल्ली में बेकसूर अनजान लोगों की जान उन लोगों ने ले ली, जिन्होंने इस बात की शिक्षा ली थी कि हर हाल में लोगों की जान बचानी है। वह भी उस राज्य के लोग, जहां साक्षरता स्तर देश के एक औसत से अधिक 82 फीसदी से अधिक है।

इस नफरत के दरिया में डूबते-तैरते सहभागी भले ही कुछ कुतर्क गढ़ें और किसी धर्म विशेष को निशाने पर लेने में उससे जुड़े लोग खुद को उससे अलग दिखाएं, लेकिन सवाल तो उठता है कि क्या समाज का बड़ा वर्ग और साथ ही हमारी शिक्षा, हिंसा, घृणा, भावनाओं पर नियंत्रण न होना जैसे मसलों पर व्यावहारिक ज्ञान या नैतिकता का पाठ पढ़ाने में असफल रहा है। चूंकि इतनी बड़ी संख्या में डॉक्टर्स एक ही संप्रदाय से जुड़े हैं, इसलिए इस बात पर तो विचार करना होगा कि समाज का शिक्षित और पढ़ा-लिखा वर्ग क्या अपने घर में, धार्मिक स्थल और सामाजिक विमर्श में इस तरह की अलगाववादी और हिंसक हरकतों के खिलाफ सशक्त दखल रखता है? असल में सवाल के दायरे में वे सभी आते हैं, जो समुदाय के राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक रहनुमाई का दावा करते हैं।

सवाल के दायरे में वे भी हैं, जो बंदूक के दवाब में हुए कतिपय राजनीतिक बदलाव के बाद यह मान बैठे हैं कि अब सब कुछ सामान्य हो गया है। जिस राज्य का साक्षरता प्रतिशत इतना अच्छा हो, खासकर किशोर और युवाओं में, जहां से अधिक संख्या में डॉक्टर निकल रहे हैं, वहां के युवा यदि बंदूकें लेकर खुद ही मसले को निपटाने या अपने विद्वेष में आतंकवाद को औजार बनाने के लिए आतुर हैं, तो जाहिर है कि वे अभी तक स्कूल-कॉलेज में जो पढ़ते रहे, उसका उनके व्यावहारिक जीवन में कोई महत्व या मायने है ही नहीं। यदि सीखना एक सामाजिक प्रक्रिया है, तो हमारी वर्तमान विद्यालय प्रणाली इसमें शून्य है। यह कड़वा सच है कि पाठ्यक्रम और उसकी सीख महज विद्यालय के परिसर के एकालाप और परीक्षा में उत्तीर्ण होने का माध्यम है। इसमें समाज या बच्चे के पालक की कोई भागीदारी नहीं है। किसी असहमति को, विग्रह को किस तरह संयम के साथ साहचर्य से सुलझाया जाए, ऐसी कोई सीख विद्यालय समाज तक नहीं दे पाया। फर्राटेदार अंग्रेजी बोल रहे लड़के हाथों में असलाहा लिए महज किसी जाति या समाज को जड़ से समाप्त कर देने के लिए आतुर दिखे। उनके अनुसार विवाद का हल दूसरे समुदाय को जड़ से मिटा देने के अलावा कुछ नहीं। लगा किताबों के पहाड़, डिग्रियों के बंडल और दुनिया की समझ एक कारतूस के सामने बौने ही हैं।

यह शक के दायरे में है कि हमारा राजनीतिक नेतृत्व देश की शिक्षा का असली मर्म समझ पा रहा है। महंगाई की मार के बीच उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं का रोजगार, घाटे का सौदा होती खेती और विकास के नाम पर हस्तांतरित होते खेत, पेट भरने व सुविधाओं के लिए शहरों की ओर पलायन, प्राकृतिक संसाधनों पर आश्रित समाज को उनके पुश्तैनी घर-गांव से निष्कासित करना। दूरस्थ राज्यों के शिक्षित ग्रामीण युवाओं की ये दिक्कतें क्या हमारे नीति-निर्धारकों की समझ में हैं? क्या भारत के युवा को केवल रोजगार चाहिए? उसके सपने का भारत कैसा है? वह सरकार और समाज में कैसी भागीदारी चाहता है? ऐसे ही लगभग अनुत्तरित से कई सवाल तरुणाई के इर्द-गिर्द टहल रहे हैं। आज जरूरत है कि स्कूल स्तर पर पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र इस तरह हो ताकि मौलिक कर्तव्यों और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान की गहरी भावना, अपने देश के साथ अटूट संबंध और एक बदलती दुनिया में अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता विकसित की जा सके। न केवल विचार में, बल्कि आत्मा, बुद्धि और कर्मों में, बल्कि जो मानव अधिकारों के लिए जिम्मेदार प्रतिबद्धता का समर्थन करते हैं, जिससे वास्तव में एक वैश्विक नागरिक प्रतिबिंबित हो।

हम अपने मसले भावनाओं में बहकर गलत तरीके से नहीं, बल्कि सामंजस्य के साथ-साथ बैठकर, बगैर किसी बाहरी दखल के सुलझा सकें। इसके लिए अनिवार्य है कि स्कूल से ही बच्चों को समुदायिक और सामूहिक निर्णय लेने की लोकतंत्रात्मक प्रणाली के लिए मानसिक रूप से दक्ष किया जाए। इसके लिए स्कूली स्तर पर शारीरिक शिक्षा, फिटनेस, स्वास्थ्य और खेल आदि गतिविधियां, प्राथमिक स्तर पर बगैर बस्ते के आयोजित करना होगा।

कश्मीर घाटी जैसे छोटे से और पर्याप्त साक्षर राज्य ने जता दिया कि हमारी शिक्षा में कुछ बात तो ऐसी है कि वह ऐसे युवाओं, सरकारी कर्मचारियों, खासकर पुलिस को देश, राष्ट्रवाद, महिलाओं के लिए सम्मान और अहिंसा जैसी भावनाओं से परिपूर्ण नहीं कर पाई। यह हमारी धार्मिक और पाठ्य पुस्तकों व उससे उपज रही शिक्षा का खोखला दर्शन नहीं तो और क्या है? हम धार्मिक आयोजनों या घर में साथ बैठकर सियासी मसलों के समाधान में हिंसा और अलगाव की संभावना को सिरे से नकारने पर सशक्त राय देने से क्यों परहेज करते हैं?

> हम अपने मसले भावनाओं में बहकर गलत तरीके से नहीं, बल्कि सामंजस्य के साथ-साथ बैठकर, बगैर किसी बाहरी दखल के सुलझा सकें।

सोशल फोरम

साफ हवा-पानी कोई सुविधा नहीं जीने का अधिकार है

हाल ही में दिल्ली के "इंडिया गेट" पर सैंकड़ों माता-पिता, युवक-युवतियां, सोशल एक्टिविस्ट और सीनियर सिटिज़न नवंबर की प्रदूषित हवा में खड़े विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। किसी ने पूछा,

अमरजीत सिंह
ब्लॉगर

"कौन इस विरोध प्रदर्शन का आयोजन कर रहा है?" क्योंकि वहां न कोई बैनर, न ही किसी राजनीतिक दल का झंडा, न किसी एनजीओ का पोस्टर लगा दिखाई दे रहा था। यह एक विशेष विरोध प्रदर्शन था, जिसमें लोग अपने जीवन के अधिकार की मांग कर रहे थे। अगर जनता सांस नहीं ले सकेगी तो जीएगी कैसे? सांस लेने के लिए न्यूनतम आवश्यकता साफ हवा की होती है। राज्य की सरकारें, पत्रकार, नागरिक और न्यायालय खामोश किए जा सकते हैं, लेकिन जब बच्चों, बुजुर्गों और सभी स्वस्थ नागरिकों को हवा में दम घुटता महसूस हो, तो कोई कैसे चुप रह सकता है? यह सिर्फ वातावरणिय प्रदूषण का मामला नहीं है, जिसके लिए कोई पंजाब, हरियाणा के किसानों को पराली जलाने का जिम्मेदार ठहरा कर अपना पल्ला झाड़ सकता है। न ही गाड़ियों, थर्मल पावर प्लांट और दिल्ली या कंस्ट्रक्शन गतिविधियों को जिम्मेदार ठहरा कर बच सकता है। प्रदूषण चाहे वह हवा का हो या पानी का, सबसे अधिक प्रभावित करता है ग़रीब मज़दूर, कामग़ार और नौकरी पेशा लोगों को। जनता का यह वर्ग रोजगार के लिए घर से बाहर निकलने को मजबूर है। वह बड़े-बंगलों, सरकारी एसी दफ्तरों में रहकर काम नहीं कर सकता। अमीर आदमी तो अपने हर एक कमरे में एयरप्यूफाइड, वाटर प्यूरीफायर लगवा कर रह सकता है, लेकिन गरीब लोग तो इससे बच नहीं सकते। सबसे ज्यादा हेल्थ खराब होने का खतरा जनता के इसी तबके को होता है।

मैं कोई पर्यावरण विशेषज्ञ नहीं हूं, जो अलग-अलग लोगों की रिपोर्टों के आंकड़े बटोरकर, विकास, नेहरू या कांग्रेस या जनता को ही हवा-पानी के प्रदूषण के लिए जिम्मेदार ठहरा कर खुशी हासिल कर सकूं। यह प्रदूषण सिर्फ दिल्ली, एनसीआर या आसपास के शहरों तक ही सीमित नहीं है। देश के दूसरे शहरों का भी कमोबेश यही हाल है। चूंकि दिल्ली देश की राजधानी है इसलिए यहां किसी बात को लेकर बवाल अधिक होता है, लेकिन यह जीने का अधिकार तो अमीरों के लिए ही सीमित नहीं है। देश की ग़रीब जनता के लिए भी है।

-फेसबुक वॉल

सामयिकी

सापेक्ष से परम तक सत्य के अनेक रूप

सत्य कोई एकरूप, ठोस वस्तु नहीं है। वह बदलता है-अनुभव के स्तर के साथ, दृष्टिकोण के साथ और अस्तित्व की गहराई के साथ। कभी वह विचार और वस्तु के मेल में दिखाई देता है, कभी वह स्वयं अस्तित्व के रूप में प्रकट होता है। कभी वह तर्कसंगत और निश्चित होता है, कभी अनुभूत और अव्यक्त। सत्य के ये अनेक प्रकार वास्तव में इस बात की भिन्न-भिन्न अभिव्यक्तियां हैं कि वास्तविकता अपने को मनुष्य के सामने किस प्रकार प्रकट करती है। यह लेख किसी संकीर्ण परिभाषा की सूची नहीं, बल्कि एक आरोहण है-सापेक्ष से परम तक, आंशिक से अखंड तक।

सांस्कृतिक या परंपरागत सत्यः सबसे सापेक्ष स्तर पर सत्य

डॉ सुधांशु के. मिश्रा
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

वह है, जिस पर एक समाज सहमत होता है। यह आचार, परंपराओं और संस्थाओं में बुना हुआ है। रुपया, संपत्ति, विवाह, राष्ट्र-ये सब सामूहिक विश्वास पर टिके हैं। सौ रुपये का नोट इसलिए "सच्चा" है, क्योंकि समाज उसे ऐसा मानता है। वे व्यवस्था के लिए आवश्यक हैं, पर नाशवान भी, क्योंकि वे विश्वास के टूटते ही मिट जाते हैं।

प्रयोजनात्मक या प्रायोगिक सत्यः सत्य वह है, जो काम करता है। यहां किसी विचार या सिद्धांत की सत्यता उसकी प्रभावशीलता से आंकी जाती है। यदि कोई औषधि रोग ठीक करती है, यदि कोई सेतु गिरता नहीं, तो उनके पीछे का ज्ञान "सत्य" कहलाता है। विज्ञान, तकनीक और व्यवहार के क्षेत्र में यही सत्य सबसे कारगर रूप में प्रकट होता है।

सुसंगति या तात्विक सत्यः यहां सत्य तर्क और विचार की आंतरिक एकता में निहित है। किसी तर्क या दर्शन का सत्य इस पर निर्भर करता है कि वह अपने भीतर विरोध पैदा करता है या नहीं। गणित, कानून और तत्वज्ञान में यही सिद्धांत लागू होता है।

तार्किक सत्यः तार्किक सत्य सुसंगति से भी अधिक औपचारिक होता है। यह संरचना के कारण सत्य होता है, तथ्य के कारण नहीं। "यदि सभी मनुष्य नश्वर हैं और सुकरात मनुष्य है, तो सुकरात नश्वर है"-यह सत्य आवश्यक है।

संज्ञानिक या साम्य-सिद्ध सत्यः अब सत्य पुनः संसार में लौटता है, जहां विचार और वस्तु का प्रत्यक्ष मिलन होता है। कोई कथन तब सत्य होता है, जब वह वास्तविकता से मेल खाता है। यह दृष्टिकोण अरस्तू से लेकर आधुनिक विज्ञान तक फैला है। किन्तु यह मान लेता है कि ज्ञान और अस्तित्व अलग-अलग हैं-और ज्ञान उनका सही प्रतिबिंब बन सकता है।

अनुमानिक या समीपी सत्यः विज्ञान में सत्य कभी पूर्ण नहीं होता, बल्कि लगातार सुधारता रहता है। (पाई) के मान की प्रत्येक दशमलव अभिव्यक्ति पूर्ण पाई नहीं होती, पर अधिक सटीक होती जाती है। यह सत्य क्रमिक प्रगति का है। एक ऐसा सत्य जो कभी पूर्ण नहीं, पर यह स्वीकार करता है कि अनिश्चितता मनुष्य-ज्ञान की अंतर्निहित शर्त है।

नैतिक या आचरणगत सत्यः नैतिक सत्य आचरण में बसता है, ज्ञान में नहीं। यह सत्यनिष्ठा है- वचन, न्याय और आत्मा के प्रति सच्चाई। कोई व्यक्ति "सच्चा" कहलाता है, जब वह छल से मुक्त होता है, भले ही उसकी बातें तर्क से परे हों। यह सत्य समाज को विश्वास से बांधता है। यह अंतर और बाह्य की एकता है। सत्य एक बिंदु नहीं, बल्कि प्रकाश का एक विस्तृत स्पेक्ट्रम है। निचले स्तरों पर वह सामाजिक और उपयोगी है, मध्य स्तरों पर तर्क और अनुभवजन्य और सर्वोच्च स्तर पर-वह स्वयं अस्तित्व है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

आसमान से उतरेगा ट्रैफिक जाम का सॉल्यूशन

कल्पना कीजिए कि आप एयरपोर्ट जा रहे हैं। सड़क पर भारी भीड़ के कारण ट्रैफिक रेंग रहा है। इस हाल में आपको फ्लाइट छूटने की चिंता सता रही है, लेकिन आप बेबस हैं और कैब में बैठकर सिर्फ व्यवस्था या यातायात जाम को कोसने के लिए विवश हैं। देश के ज्यादातर बड़े शहरों में ट्रैफिक जाम के कारण 15 से 20 किमी का रास्ता तय करने में लोगों को डेढ़ से दो घंटे का वक्त लग जाता है, लेकिन जल्दी ही इस समस्या का समाधान होने वाला है। भारत में उड़ने वाली कारों या ई-एयर टैक्सी का नया युग उड़ान भरने की तैयारी कर रहा है। इसके बाद आप देखेंगे कि वाहन केवल सड़कों और गलियों में ही नहीं, बल्कि हवा में भी चलते हैं। कैब की तरह आप इन्हें बुक कर सकेंगे। इसके अगले कुछ ही मिनटों में एक इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक ऑफ एंड लैंडिंग (ईवीटीओएल) एयर टैक्सी आपके समीप आसमान से उतरेगी। आप उस पर सवार होंगे और कुछ ही पलों में बिना किसी रनवे या स्टेशन के आप हवा में उड़ान भर रहे होंगे। विज्ञान कथा जैसी यह उम्मीद देश में अगले चार-पांच सालों के भीतर हकीकत बनने जा रही है।

- मनोज त्रिपाठी, कानपुर

बदल जाएगी शहरी परिवहन की तस्वीर

देश अब उस मोड़ पर है, जहां इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जमीन से आसमान तक पहुंच रही है। ईवीटीओएल यानी एयर टैक्सी, मतलब ऐसी उड़ने वाली इलेक्ट्रिक कारें, जो वर्टिकल तरीके से टेकऑफ और लैंडिंग कर सकती हैं, आने वाले वर्षों में शहरी परिवहन की तस्वीर को पूरी तरह बदल देंगी। ईवीटीओएल उन उड़ने वाली कारों जैसी ही हैं, जिन्हें हमने अक्सर विज्ञान फिल्मों में देखा है। जिस तरह से इनका विकास हो रहा है, उसके चलते कुछ ही वर्षों में इनका नियंत्रण रिमोट से हो जाएगा। ये टैक्सियां किसी विशेषज्ञ पेशेवर की निगरानी में स्वायत्त रूप से उड़ान भरेंगी और डेटा भेजने तथा वास्तविक समय में डिजिटल डेटा की निगरानी के लिए 5जी कनेक्शन का उपयोग करेंगी। इनमें इमेजिंग के लिए बिल्ट-इन हाई-डेफिनिशन कैमरे और अन्य नेविगेशन सिस्टम होंगे, जो हर समय यह पता देते रहेंगे कि वे कहां पर हैं।

शहरों के ऊपर होगी उड़ान

भारत सरकार की न्यू ड्रोन पॉलिसी और ग्रीन एविएशन मिशन के तहत ईवीटीओएल टैक्सियों के लिए नियम तय किए जा रहे हैं। नागर विमानन मंत्रालय ने इस तकनीक के लिए टेस्टिंग और एयर रूट सर्टिफिकेशन की दिशा में काम शुरू कर दिया है। बेंगलुरु, मुंबई, और दिल्ली-एनसीआर जैसे शहर सबसे पहले इस तकनीक को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। बेंगलुरु की स्टार्टअप स्काई शटल और सरला एविएशन तथा हैदराबाद की कंपनी द ई प्लेन ने अगले साल ट्रायल फ्लाइट्स शुरू करने की तैयारी कर रखी है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, महिंद्रा एयरो, और एचएएल जैसी कंपनियां भी ईवीटीओएल प्रोजेक्ट में निवेश कर रही हैं।

दोहरी राहत

देश के महानगरों में ट्रैफिक जाम का दंश हर रोज लाखों लोग झेलते हैं। जहां सड़क पर एक सफ़र में घंटों लग जाते हैं, वहीं ईवीटीओएल टैक्सी यही दूरी 10-15 मिनट में तय कर सकती है। इलेक्ट्रिक होने के कारण इन टैक्सियों से कार्बन उत्सर्जन लगभग शून्य होगा। यह न सिर्फ तेज और सुविधाजनक होंगी, बल्कि पर्यावरण के लिए भी वरदान साबित हो सकती हैं।

क्या है ईवीटीओएल तकनीक

(इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग) एक ऐसा विमान है, जो सीधे ऊपर और नीचे उतरने के लिए हेलीकॉप्टर की तरह इलेक्ट्रिक शक्ति का उपयोग करता है। यह बिना रन वे के उड़ान भरने और उतरने में सक्षम होता है, जिससे यह भीड़-भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों में परिवहन के लिए आसान विकल्प है। इसी कारण इसे 'एयर टैक्सी' भी कहा जाता है। बैटरी संचालित होने के कारण यह टैक्सी पर्यावरण के अनुकूल और बिना किसी शोर के शांत उड़ान प्रदान करती हैं।

माल परिवहन व इमरजेंसी सेवाएं

यह वाहन शहरी क्षेत्र में लोगों और सामान के परिवहन का एक नया साधन है। इसका उपयोग कार्गो डिलीवरी, ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स के लिए माल पहुंचाने में भी किया जा सकता है। यही नहीं, भीड़-भाड़ वाले शहरों में आपातकालीन सेवाओं और चिकित्सा आपूर्ति को तेजी से पहुंचाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार

इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग टैक्सियां लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकती हैं। यह हेलीकॉप्टर जैसी लगती हैं, लेकिन इनके संचालन के लिए किसी हेलीपैड, ईंधन और रखरखाव जैसे महंगे खर्च की जरूरत नहीं होती है। यह किसी भी खुले मैदान या भवन की छत को अपने काम के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। इन वाहनों में आमतौर पर 6 यात्री तक बैठ सकते हैं।

भारत है काफी बड़ा बाजार

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के पास ईवीटीओएल का सबसे बड़ा संभावित बाजार है, क्योंकि यहां शहरी भीड़ और ट्रैफिक दोनों ही बड़ी समस्या हैं। अनुमान है कि अगले 10 सालों में भारत में 10,000 से अधिक ईवीटीओएल टैक्सियां काम कर सकती हैं। हालांकि ईवीटीओएल टैक्सी के सपने को साकार करने के लिए कई चुनौतियां भी हैं, जैसे एयरस्पेस रेगुलेशन, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और सेफ्टी सर्टिफिकेशन। इसके अलावा, शुरुआती दौर में किराया भी आम लोगों के बजट से ऊपर हो सकता है, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि अगर सब कुछ योजनानुसार चला, तो माना जा रहा है कि 2030 तक एयर टैक्सियां हमारे शहरी जीवन का हिस्सा बन जाएंगी। मोबाइल ऐप से बुकिंग, 5 मिनट में आसमान से उतरती टैक्सी, और अगले 20 मिनट में गंतव्य तक पहुंच।

विज्ञान फैक्ट

पूरी तरह से शांत नहीं है अंतरिक्ष

अक्सर कहा जाता है कि अंतरिक्ष (Space) पूरी तरह से शांत होता है, क्योंकि वहां हवा या कोई अन्य माध्यम नहीं होता, जिसमें ध्वनि (Sound) यात्रा कर सके। वास्तव में यह बात आंशिक रूप से सही है। ध्वनि को चलने के लिए हवा, पानी या ठोस पदार्थ जैसे माध्यम की आवश्यकता होती है। अंतरिक्ष के विशाल भागों में ऐसा कोई माध्यम मौजूद नहीं होता, इसलिए वहां इंसानी कानों को सुनाई देने वाली आवाजें नहीं पहुंचतीं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि अंतरिक्ष पूरी तरह से "मौन" है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि आकाशीय पिंडों- जैसे तारे, ग्रह, नीहारिकाएं और ब्लैक होल से विद्युत चुम्बकीय तरंगें और कंपन निकलते हैं। इन तरंगों को विशेष वैज्ञानिक उपकरणों द्वारा ध्वनि तरंगों में बदला जा सकता है।

उदाहरण के लिए, नासा ने कई बार अंतरिक्ष में ग्रहों और ब्लैक होल से आने वाली रेडियो तरंगों को रिकॉर्ड किया है और उन्हें "स्पेस साउंड्स" में परिवर्तित किया है। इन रिकॉर्डिंग्स में गूंज, कंपन और रहस्यमयी

आवाजें सुनाई देती हैं, जो हमें ब्रह्मांड की गतिविधियों का अनुभव कराती हैं। वास्तव में, यदि हम किसी घने गैस वाले क्षेत्र में होते-जैसे किसी नीहारिका के भीतर, तो वहां ध्वनि की तरंगें भी चल सकती हैं, लेकिन वे इतनी धीमी और कमजोर होती हैं कि हमारे कान उन्हें नहीं सुन सकते।

इस प्रकार अंतरिक्ष पूरी तरह से शांत नहीं है। यह अपने भीतर अनेक कंपन, तरंगों और ऊर्जा के रूपों से भरा हुआ है। हमें बस उन्हें "सुनने" के लिए सही उपकरण और समझ की आवश्यकता है। अंतरिक्ष का यह मौन वास्तव में एक गूंजता हुआ रहस्य है, जो हमें ब्रह्मांड की अनंतता और विज्ञान की अद्भुत शक्ति का एहसास कराता है। ***-फीचर डेस्क***

गुजर गईं पर्यावरणविद् जेन गुडॉल

हाल ही में जेन गुडॉल संस्थान की संस्थापक का निधन अमेरिका के वाशिंगटन (डीसी) स्थित जेन गुडॉल संस्थान की संस्थापक डॉ. जेन गुडॉल का निधन हो गया। 91 वर्ष की आयु में, वे संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने व्याख्यान दौरे के लिए लॉस एंजिल्स, कैलिफ़ोर्निया में थीं और नींद में ही शांतिपूर्वक चल बसीं। डॉ. गुडॉल के जीवन और कार्य ने न केवल चिम्पांजी और अन्य प्रजातियों के बारे में हमारी समझ पर, बल्कि मानव जाति और हमारे साझा पर्यावरण पर भी एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने दुनियाभर के अनगिनत लोगों में जिज्ञासा, आशा और करुणा को प्रेरित किया और कई अन्य लोगों के लिए मार्ग प्रशस्त किया। विशेष रूप से युवाओं के लिए जिन्होंने उन्हें भविष्य के लिए आशा दी।

1960 में डॉ. गुडॉल ने तंजानिया के गोम्बे राष्ट्रीय उद्यान में सबसे लंबे समय तक चलने वाले जंगली चिम्पांजी अध्ययन की स्थापना की, जो आज भी जारी है। उन्होंने चार दशकों से भी अधिक समय तक चिम्पांजी क्षेत्र में जेन गुडॉल संस्थान की समुदाय-केंद्रित संरक्षण पहलों का बीड़ा उठाया और उन्हें बनाए रखा। उनकी विरासत में जेजीआई का अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण और मानवीय युवा कार्यक्रम रूट्स एंड शूट्स का निर्माण शामिल है, जो दुनियाभर के 75 से अधिक देशों में सक्रिय रूप से बदलाव ला रहा है।

रोचक किस्सा

मिसाइल मैन ऑफ इंडिया

डॉ. अब्दुल कलाम, जिन्हें प्यार से "मिसाइल मैन ऑफ इंडिया" कहा जाता है, न केवल एक महान वैज्ञानिक थे, बल्कि एक सच्चे प्रेरक व्यक्तित्व भी थे। एक बार जब कलाम इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (ISRO) में कार्य कर रहे थे, उस समय एक रॉकेट प्रोजेक्ट पर उनका नेतृत्व था। लॉन्च की तैयारी के दौरान कुछ तकनीकी त्रुटि हो गई और रॉकेट असफल हो गया। यह विफलता पूरी टीम के लिए बहुत बड़ी निराशा थी, लेकिन उस समय ISRO के अध्यक्ष डॉ. सतीश धवन ने असफलता की पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली और मीडिया के सामने कहा, "यह मेरी गलती थी।" जबकि वास्तव में प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी डॉ. कलाम के पास थी। उन्होंने अपने वरिष्ठ की यह विनम्रता और नेतृत्व देखकर बहुत कुछ सीखा।

एक वर्ष बाद जब अगला रॉकेट सफलतापूर्वक लॉन्च हुआ, तब सतीश धवन ने कहा- "अब मीडिया से सफलता की बात तुम करोगे।"

यह बात डॉ. कलाम के जीवन में गहराई से बस गई। उन्होंने बाद में कहा कि "असफलता में नेता आगे होता है और सफलता में वह अपनी टीम को आगे रखता है।" यह घटना उनके नेतृत्व, विनम्रता और मानवीय दृष्टिकोण का प्रतीक है। आगे चलकर उन्होंने भारत को मिसाइल तकनीक, अंतरिक्ष विज्ञान और रक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

डॉ. कलाम का यह किस्सा हमें सिखाता है कि असली महानता केवल सफलता में नहीं, बल्कि दूसरों को सम्मान और अवसर देने में होती है।

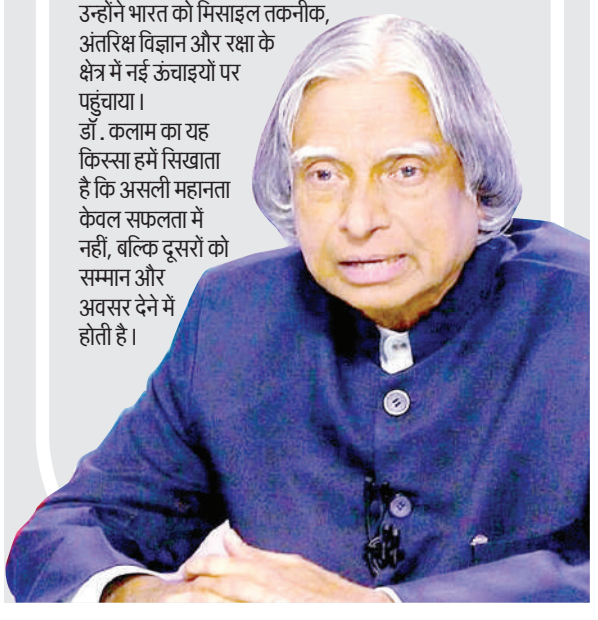

तेजी से पीछे हट रहा है अंटार्कटिक ग्लेशियर

2022 में, हेक्टोरिया ग्लेशियर के साथ कुछ चौंकाने वाला हुआ, जो बर्फ की एक छोटी सी नदी है और अंटार्कटिक प्रायद्वीप के सिरे के पास समुद्र में गिरती है। 16 महीनों में, यह 25 किलोमीटर पीछे हट गया, और इनमें से सिर्फ दो महीनों में ही इसने 8 किमी की भारी गिरावट दर्ज की, जो आधुनिक रिकॉर्ड में सबसे तेज है। शोधकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने इसके पीछे के चिंताजनक कारणों की पहचान कर ली है : हिमनद भूकंपों और पतली बर्फ की एक पट्टी का एक भूगर्भीय क्षण में ऊपर उठकर टूटना।

मिशिगन विश्वविद्यालय के ग्लेशियोलॉजिस्ट जेरेमी बैसिस कहते हैं कि अगर यही प्रक्रियाएं बड़े अंटार्कटिक ग्लेशियरों पर भी होतीं, तो वे बर्फ की चादरों के पीछे हटने की प्रक्रिया को तेजी से बढ़ा सकती थीं और वैश्विक समुद्र स्तर को बढ़ा सकती थीं। यह अध्ययन "हमें बता रहा है कि ये सबसे बुरी स्थितियां शायद उतनी असंभव नहीं हैं, जितनी कुछ लोगों ने सोची होंगी।"

अंटार्कटिका पृथ्वी का सबसे ठंडा और दूरस्थ महाद्वीप है, जो लगभग 14 मिलियन वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है और इसकी बर्फ की मोटाई कई स्थानों पर 4 किलोमीटर तक पहुंचती है। यह महाद्वीप पृथ्वी की कुल बर्फ का लगभग 90 प्रतिशत और समुद्र स्तर का लगभग 60 प्रतिशत नियंत्रित करता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण अंटार्कटिक ग्लेशियर आधुनिक इतिहास में सबसे तेजी से पीछे हट रहे हैं और यह घटना वैश्विक स्तर पर गंभीर परिणाम ला सकती है।

पश्चिमी अंटार्कटिका के ग्लेशियरों में थ्वाइट (Thwaites Glacier) और पाइन आइस (Pine Island Glacier) ग्लेशियर सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। थ्वाइट ग्लेशियर को अक्सर "डूम्सडे ग्लेशियर" कहा जाता है, क्योंकि इसके पूरी तरह पिघलने से समुद्र स्तर में 3-4 मीटर तक की वृद्धि हो सकती है। अध्ययन बताते हैं कि यह ग्लेशियर वर्तमान में सालाना लगभग 1-2 किलोमीटर की दर से पीछे हट रहा है। पाइन आइस ग्लेशियर भी तेजी से बर्फ समुद्र में छोड़ रहा है और पिछले 20 वर्षों में इसके पिघलने की दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

ग्लेशियरों के पीछे हटने के कई वैज्ञानिक कारण हैं। समुद्री तापमान में वृद्धि सबसे महत्वपूर्ण कारण है। पश्चिमी अंटार्कटिका के समुद्री पानी का तापमान बढ़ने से ग्लेशियर के तल की बर्फ तेजी से पिघलती है। इसके अलावा वायुमंडलीय तापमान में वृद्धि और गर्म हवाएं ग्लेशियर की सतह पर पिघलाव को बढ़ावा देती हैं। ग्लेशियरों के पिघलने और पतले होने के कारण वे अस्थिर हो जाते हैं और तेजी से पीछे हटते हैं। वैज्ञानिक इसे "ice-shelf collapse feedback" प्रक्रिया के रूप में वर्णित करते हैं, जिसमें बर्फ की सीमा टूटने पर आंतरिक बर्फ तेजी से समुद्र की ओर बहती है।

-फीचर डेस्क

आसमान से उतरेगा ट्रैफिक जाम का सॉल्यूशन

कल्पना कीजिए कि आप एयरपोर्ट जा रहे हैं। सड़क पर भारी भीड़ के कारण ट्रैफिक रेंग रहा है। इस हाल में आपको फ्लाइट छूटने की चिंता सता रही है, लेकिन आप बेबस हैं और कैब में बैठकर सिर्फ व्यवस्था या यातायात जाम को कोसने के लिए विवश हैं। देश के ज्यादातर बड़े शहरों में ट्रैफिक जाम के कारण 15 से 20 किमी का रास्ता तय करने में लोगों को डेढ़ से दो घंटे का वक्त लग जाता है, लेकिन जल्दी ही इस समस्या का समाधान होने वाला है। भारत में उड़ने वाली कारों या ई-एयर टैक्सी का नया युग उड़ान भरने की तैयारी कर रहा है। इसके बाद आप देखेंगे कि वाहन केवल सड़कों और गलियों में ही नहीं, बल्कि हवा में भी चलते हैं। कैब की तरह आप इन्हें बुक कर सकेंगे। इसके अगले कुछ ही मिनटों में एक इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक ऑफ एंड लैंडिंग (ईवीटीओएल) एयर टैक्सी आपके समीप आसमान से उतरेगी। आप उस पर सवार होंगे और कुछ ही पलों में बिना किसी रनवे या स्टेशन के आप हवा में उड़ान भर रहे होंगे। विज्ञान कथा जैसी यह उम्मीद देश में अगले चार-पांच सालों के भीतर हकीकत बनने जा रही है।

- मनोज त्रिपाठी, कानपुर

बदल जाएगी शहरी परिवहन की तस्वीर

देश अब उस मोड़ पर है, जहां इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जमीन से आसमान तक पहुंच रही है। ईवीटीओएल यानी एयर टैक्सी, मतलब ऐसी उड़ने वाली इलेक्ट्रिक कारें, जो वर्टिकल तरीके से टेकऑफ और लैंडिंग कर सकती हैं, आने वाले वर्षों में शहरी परिवहन की तस्वीर को पूरी तरह बदल देंगी। ईवीटीओएल उन उड़ने वाली कारों जैसी ही हैं, जिन्हें हमने अक्सर विज्ञान फिल्मों में देखा है। जिस तरह से इनका विकास हो रहा है, उसके चलते कुछ ही वर्षों में इनका नियंत्रण रिमोट से हो जाएगा। ये टैक्सियां किसी विशेषज्ञ पेशेवर की निगरानी में स्वायत्त रूप से उड़ान भरेंगी और डेटा भेजने तथा वास्तविक समय में डिजिटल डेटा की निगरानी के लिए 5जी कनेक्शन का उपयोग करेंगी। इनमें इमेजिंग के लिए बिल्ट-इन हाई-डेफिनिशन कैमरे और अन्य नेविगेशन सिस्टम होंगे, जो हर समय यह पता देते रहेंगे कि वे कहां पर हैं।

शहरों के ऊपर होगी उड़ान

भारत सरकार की न्यू ड्रोन पॉलिसी और ग्रीन एविएशन मिशन के तहत ईवीटीओएल टैक्सियों के लिए नियम तय किए जा रहे हैं। नागर विमानन मंत्रालय ने इस तकनीक के लिए टेस्टिंग और एयर रूट सर्टिफिकेशन की दिशा में काम शुरू कर दिया है। बेंगलुरु, मुंबई, और दिल्ली-एनसीआर जैसे शहर सबसे पहले इस तकनीक को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। बेंगलुरु की स्टार्टअप स्काई शटल और सरला एविएशन तथा हैदराबाद की कंपनी द ई प्लेन ने अगले साल ट्रायल फ्लाइट्स शुरू करने की तैयारी कर रखी है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, महिंद्रा एयरो, और एचएएल जैसी कंपनियां भी ईवीटीओएल प्रोजेक्ट में निवेश कर रही हैं।

दोहरी राहत

देश के महानगरों में ट्रैफिक जाम का दंश हर रोज लाखों लोग झेलते हैं। जहां सड़क पर एक सफ़र में घंटों लग जाते हैं, वहीं ईवीटीओएल टैक्सी यही दूरी 10-15 मिनट में तय कर सकती है। इलेक्ट्रिक होने के कारण इन टैक्सियों से कार्बन उत्सर्जन लगभग शून्य होगा। यह न सिर्फ तेज और सुविधाजनक होंगी, बल्कि पर्यावरण के लिए भी वरदान साबित हो सकती हैं।

क्या है ईवीटीओएल तकनीक

(इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग) एक ऐसा विमान है, जो सीधे ऊपर और नीचे उतरने के लिए हेलीकॉप्टर की तरह इलेक्ट्रिक शक्ति का उपयोग करता है। यह बिना रन वे के उड़ान भरने और उतरने में सक्षम होता है, जिससे यह भीड़-भाड़ वाले शहरी क्षेत्रों में परिवहन के लिए आसान विकल्प है। इसी कारण इसे 'एयर टैक्सी' भी कहा जाता है। बैटरी संचालित होने के कारण यह टैक्सी पर्यावरण के अनुकूल और बिना किसी शोर के शांत उड़ान प्रदान करती हैं।

माल परिवहन व इमरजेंसी सेवाएं

यह वाहन शहरी क्षेत्र में लोगों और सामान के परिवहन का एक नया साधन है। इसका उपयोग कार्गो डिलीवरी, ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स के लिए माल पहुंचाने में भी किया जा सकता है। यही नहीं, भीड़-भाड़ वाले शहरों में आपातकालीन सेवाओं और चिकित्सा आपूर्ति को तेजी से पहुंचाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार

इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग टैक्सियां लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकती हैं। यह हेलीकॉप्टर जैसी लगती हैं, लेकिन इनके संचालन के लिए किसी हेलीपैड, ईंधन और रखरखाव जैसे महंगे खर्च की जरूरत नहीं होती है। यह किसी भी खुले मैदान या भवन की छत को अपने काम के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। इन वाहनों में आमतौर पर 6 यात्री तक बैठ सकते हैं।

भारत है काफी बड़ा बाजार

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के पास ईवीटीओएल का सबसे बड़ा संभावित बाजार है, क्योंकि यहां शहरी भीड़ और ट्रैफिक दोनों ही बड़ी समस्या हैं। अनुमान है कि अगले 10 सालों में भारत में 10,000 से अधिक ईवीटीओएल टैक्सियां काम कर सकती हैं। हालांकि ईवीटीओएल टैक्सी के सपने को साकार करने के लिए कई चुनौतियां भी हैं, जैसे एयरस्पेस रेगुलेशन, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और सेफ्टी सर्टिफिकेशन। इसके अलावा, शुरुआती दौर में किराया भी आम लोगों के बजट से ऊपर हो सकता है, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि अगर सब कुछ योजनानुसार चला, तो माना जा रहा है कि 2030 तक एयर टैक्सियां हमारे शहरी जीवन का हिस्सा बन जाएंगी। मोबाइल ऐप से बुकिंग, 5 मिनट में आसमान से उतरती टैक्सी, और अगले 20 मिनट में गंतव्य तक पहुंच।

विज्ञान फैक्ट

पूरी तरह से शांत नहीं है अंतरिक्ष

अक्सर कहा जाता है कि अंतरिक्ष (Space) पूरी तरह से शांत होता है, क्योंकि वहां हवा या कोई अन्य माध्यम नहीं होता, जिसमें ध्वनि (Sound) यात्रा कर सके। वास्तव में यह बात आंशिक रूप से सही है। ध्वनि को चलने के लिए हवा, पानी या ठोस पदार्थ जैसे माध्यम की आवश्यकता होती है। अंतरिक्ष के विशाल भागों में ऐसा कोई माध्यम मौजूद नहीं होता, इसलिए वहां इंसानी कानों को सुनाई देने वाली आवाजें नहीं पहुंचतीं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि अंतरिक्ष पूरी तरह से "मौन" है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि आकाशीय पिंडों- जैसे तारे, ग्रह, नीहारिकाएं और ब्लैक होल से विद्युत चुम्बकीय तरंगें और कंपन निकलते हैं। इन तरंगों को विशेष वैज्ञानिक उपकरणों द्वारा ध्वनि तरंगों में बदला जा सकता है।

उदाहरण के लिए, नासा ने कई बार अंतरिक्ष में ग्रहों और ब्लैक होल से आने वाली रेडियो तरंगों को रिकॉर्ड किया है और उन्हें "स्पेस साउंड्स" में परिवर्तित किया है। इन रिकॉर्डिंग्स में गूंज, कंपन और रहस्यमयी

आवाजें सुनाई देती हैं, जो हमें ब्रह्मांड की गतिविधियों का अनुभव कराती हैं। वास्तव में, यदि हम किसी घने गैस वाले क्षेत्र में होते-जैसे किसी नीहारिका के भीतर, तो वहां ध्वनि की तरंगें भी चल सकती हैं, लेकिन वे इतनी धीमी और कमजोर होती हैं कि हमारे कान उन्हें नहीं सुन सकते।

इस प्रकार अंतरिक्ष पूरी तरह से शांत नहीं है। यह अपने भीतर अनेक कंपन, तरंगों और ऊर्जा के रूपों से भरा हुआ है। हमें बस उन्हें "सुनने" के लिए सही उपकरण और समझ की आवश्यकता है। अंतरिक्ष का यह मौन वास्तव में एक गूंजता हुआ रहस्य है, जो हमें ब्रह्मांड की अनंतता और विज्ञान की अद्भुत शक्ति का एहसास कराता है। ***-फीचर डेस्क***

गुजर गईं पर्यावरणविद् जेन गुडॉल

हाल ही में जेन गुडॉल संस्थान की संस्थापक का निधन अमेरिका के वाशिंगटन (डीसी) स्थित जेन गुडॉल संस्थान की संस्थापक डॉ. जेन गुडॉल का निधन हो गया। 91 वर्ष की आयु में, वे संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने व्याख्यान दौरे के लिए लॉस एंजिल्स, कैलिफ़ोर्निया में थीं और नींद में ही शांतिपूर्वक चल बसीं। डॉ. गुडॉल के जीवन और कार्य ने न केवल चिम्पांजी और अन्य प्रजातियों के बारे में हमारी समझ पर, बल्कि मानव जाति और हमारे साझा पर्यावरण पर भी एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने दुनियाभर के अनगिनत लोगों में जिज्ञासा, आशा और करुणा को प्रेरित किया और कई अन्य लोगों के लिए मार्ग प्रशस्त किया। विशेष रूप से युवाओं के लिए जिन्होंने उन्हें भविष्य के लिए आशा दी।

1960 में डॉ. गुडॉल ने तंजानिया के गोम्बे राष्ट्रीय उद्यान में सबसे लंबे समय तक चलने वाले जंगली चिम्पांजी अध्ययन की स्थापना की, जो आज भी जारी है। उन्होंने चार दशकों से भी अधिक समय तक चिम्पांजी क्षेत्र में जेन गुडॉल संस्थान की समुदाय-केंद्रित संरक्षण पहलों का बीड़ा उठाया और उन्हें बनाए रखा। उनकी विरासत में जेजीआई का अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण और मानवीय युवा कार्यक्रम रूट्स एंड शूट्स का निर्माण शामिल है, जो दुनियाभर के 75 से अधिक देशों में सक्रिय रूप से बदलाव ला रहा है।

रोचक किस्सा

मिसाइल मैन ऑफ इंडिया

डॉ. अब्दुल कलाम, जिन्हें प्यार से "मिसाइल मैन ऑफ इंडिया" कहा जाता है, न केवल एक महान वैज्ञानिक थे, बल्कि एक सच्चे प्रेरक व्यक्तित्व भी थे। एक बार जब कलाम इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (ISRO) में कार्य कर रहे थे, उस समय एक रॉकेट प्रोजेक्ट पर उनका नेतृत्व था। लॉन्च की तैयारी के दौरान कुछ तकनीकी त्रुटि हो गई और रॉकेट असफल हो गया। यह विफलता पूरी टीम के लिए बहुत बड़ी निराशा थी, लेकिन उस समय ISRO के अध्यक्ष डॉ. सतीश धवन ने असफलता की पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली और मीडिया के सामने कहा, "यह मेरी गलती थी।" जबकि वास्तव में प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी डॉ. कलाम के पास थी। उन्होंने अपने वरिष्ठ की यह विनम्रता और नेतृत्व देखकर बहुत कुछ सीखा।

एक वर्ष बाद जब अगला रॉकेट सफलतापूर्वक लॉन्च हुआ, तब सतीश धवन ने कहा- "अब मीडिया से सफलता की बात तुम करोगे।"

यह बात डॉ. कलाम के जीवन में गहराई से बस गई। उन्होंने बाद में कहा कि "असफलता में नेता आगे होता है और सफलता में वह अपनी टीम को आगे रखता है।" यह घटना उनके नेतृत्व, विनम्रता और मानवीय दृष्टिकोण का प्रतीक है। आगे चलकर उन्होंने भारत को मिसाइल तकनीक, अंतरिक्ष विज्ञान और रक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।

डॉ. कलाम का यह किस्सा हमें सिखाता है कि असली महानता केवल सफलता में नहीं, बल्कि दूसरों को सम्मान और अवसर देने में होती है।

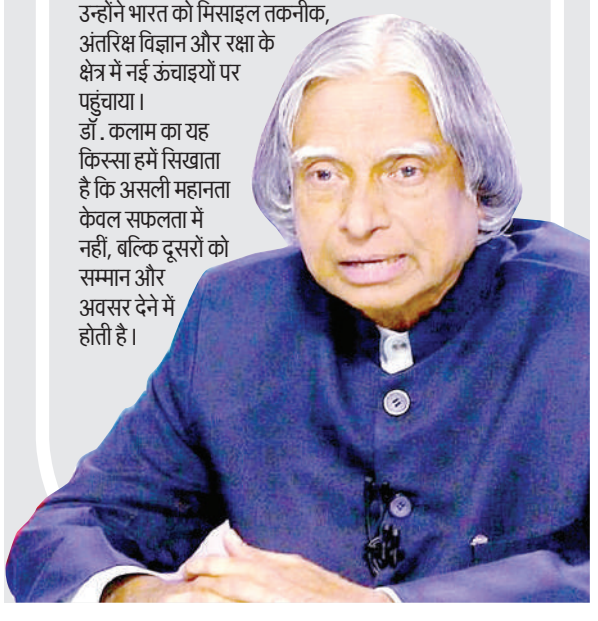

तेजी से पीछे हट रहा है अंटार्कटिक ग्लेशियर

2022 में, हेक्टोरिया ग्लेशियर के साथ कुछ चौंकाने वाला हुआ, जो बर्फ की एक छोटी सी नदी है और अंटार्कटिक प्रायद्वीप के सिरे के पास समुद्र में गिरती है। 16 महीनों में, यह 25 किलोमीटर पीछे हट गया, और इनमें से सिर्फ दो महीनों में ही इसने 8 किमी की भारी गिरावट दर्ज की, जो आधुनिक रिकॉर्ड में सबसे तेज है। शोधकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने इसके पीछे के चिंताजनक कारणों की पहचान कर ली है : हिमनद भूकंपों और पतली बर्फ की एक पट्टी का एक भूगर्भीय क्षण में ऊपर उठकर टूटना।

मिशिगन विश्वविद्यालय के ग्लेशियोलॉजिस्ट जेरेमी बैसिस कहते हैं कि अगर यही प्रक्रियाएं बड़े अंटार्कटिक ग्लेशियरों पर भी होतीं, तो वे बर्फ की चादरों के पीछे हटने की प्रक्रिया को तेजी से बढ़ा सकती थीं और वैश्विक समुद्र स्तर को बढ़ा सकती थीं। यह अध्ययन "हमें बता रहा है कि ये सबसे बुरी स्थितियां शायद उतनी असंभव नहीं हैं, जितनी कुछ लोगों ने सोची होंगी।"

अंटार्कटिका पृथ्वी का सबसे ठंडा और दूरस्थ महाद्वीप है, जो लगभग 14 मिलियन वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है और इसकी बर्फ की मोटाई कई स्थानों पर 4 किलोमीटर तक पहुंचती है। यह महाद्वीप पृथ्वी की कुल बर्फ का लगभग 90 प्रतिशत और समुद्र स्तर का लगभग 60 प्रतिशत नियंत्रित करता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण अंटार्कटिक ग्लेशियर आधुनिक इतिहास में सबसे तेजी से पीछे हट रहे हैं और यह घटना वैश्विक स्तर पर गंभीर परिणाम ला सकती है।

पश्चिमी अंटार्कटिका के ग्लेशियरों में थ्वाइट (Thwaites Glacier) और पाइन आइस (Pine Island Glacier) ग्लेशियर सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। थ्वाइट ग्लेशियर को अक्सर "डूम्सडे ग्लेशियर" कहा जाता है, क्योंकि इसके पूरी तरह पिघलने से समुद्र स्तर में 3-4 मीटर तक की वृद्धि हो सकती है। अध्ययन बताते हैं कि यह ग्लेशियर वर्तमान में सालाना लगभग 1-2 किलोमीटर की दर से पीछे हट रहा है। पाइन आइस ग्लेशियर भी तेजी से बर्फ समुद्र में छोड़ रहा है और पिछले 20 वर्षों में इसके पिघलने की दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

ग्लेशियरों के पीछे हटने के कई वैज्ञानिक कारण हैं। समुद्री तापमान में वृद्धि सबसे महत्वपूर्ण कारण है। पश्चिमी अंटार्कटिका के समुद्री पानी का तापमान बढ़ने से ग्लेशियर के तल की बर्फ तेजी से पिघलती है। इसके अलावा वायुमंडलीय तापमान में वृद्धि और गर्म हवाएं ग्लेशियर की सतह पर पिघलाव को बढ़ावा देती हैं। ग्लेशियरों के पिघलने और पतले होने के कारण वे अस्थिर हो जाते हैं और तेजी से पीछे हटते हैं। वैज्ञानिक इसे "ice-shelf collapse feedback" प्रक्रिया के रूप में वर्णित करते हैं, जिसमें बर्फ की सीमा टूटने पर आंतरिक बर्फ तेजी से समुद्र की ओर बहती है।

-फीचर डेस्क

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,478.67	25,879.15
बढ़त	12.16	3.35
प्रतिशत में	0.01	0.01

सोना 1,30,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,69,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार, 14 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2520

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4360, द्वारकेश 4340

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4000, मसूरी- 1300, बासमती- 8400, परमल- 2600

दाल दलहन : काला चना- 5700, साबुत चना दाल- 5400, मूंग साबुत- 7400, राजमा- 10700-12000, दाल उड़द- 7300, साबुत मसूर दाल- 6000, मसूर दाल- 4100, उड़द साबुत- 7800, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 10300, लोबिया/करमानी- 4800

निर्यात पर फैसले से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी : प्रधानमंत्री

मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने निर्यात संवर्धन मिशन एवं निर्यातकों को ऋण गारंटी योजना को दी है मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि निर्यात के संबंध में केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों से वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा और आत्मनिर्भरता के सपने को साकार करने में मदद मिलेगी।

मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में निर्यात संवर्धन मिशन एवं निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना को मंजूरी दी गई। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, सुनिश्चित कर रहे हैं कि 'मेड इन इंडिया' का विश्व बाजार में डंका बजे। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने निर्यात संवर्धन मिशन (ईपीएम) को मंजूरी दे दी है, जिससे निर्यात प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा, एमएसएमई, पहली बार निर्यात करने वाले एवं श्रम-प्रधान क्षेत्रों को मदद मिलेगी।

उन्होंने लिखा, यह प्रमुख

● प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'मेड इन इंडिया' का विश्व बाजार में डंका बजे

हितधारकों को एक साथ लाकर एक ऐसा तंत्र तैयार करता है जो परिणाम आधारित एवं प्रभावी हो। प्रधानमंत्री ने कहा, निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना जिसे मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है, वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगी, सुचारू व्यावसायिक संचालन सुनिश्चित करेगी और 'आत्मनिर्भर भारत' के हमारे सपने को साकार करने में मदद करेगी। मोदी ने कहा कि ग्रेफाइट, सीजियम, रुबिडियम और जिरकोनियम की रॉयल्टी दरों को युक्तिसंगत बनाने के निर्णय से आपूर्ति श्रृंखलाएं मजबूत होंगी और रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। मंत्रिमंडल ने हरित ऊर्जा के लिए महत्वपूर्ण ग्रेफाइट, सीजियम, रुबिडियम और जिरकोनियम खनिजों की रॉयल्टी दरों को युक्तिसंगत बनाने को भी मंजूरी दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल के इस फैसले से स्थिरता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। इससे आपूर्ति श्रृंखलाएं मजबूत होंगी और रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे।

45,000 करोड़ की योजनाओं से निर्यात को मिलेगी गति, बढ़ेगी क्षमता

नई दिल्ली। निर्यातकों के लिए 45,000 करोड़ रुपये से अधिक के व्यय वाली दो योजनाओं को मंजूरी दिए जाने से देश के निर्यात को बढ़ावा मिलने और वैश्विक बाजारों में घरेलू वस्तुओं की प्रतिस्पर्धी क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है। सरकार ने बुधवार को निर्यात संवर्धन मिशन (25,060 करोड़ रुपये) और ऋण गारंटी योजना (20,000 करोड़ रुपये) को मंजूरी दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्यात संवर्धन मिशन को मंजूरी देने से भारत के निर्यात क्षेत्र को मजबूती मिली है। यह निर्णय प्रधानमंत्री के उस दृष्टिकोण की दिशा में मजबूत कदम है, जिसके तहत भारतीय उत्पादों के वैश्वीकरण के माध्यम से निर्यात क्षेत्र को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनायेगा एवं साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। गृह मंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल ने निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना को भी मंजूरी दी है, जिसके तहत निर्यातकों को 20,000 करोड़ तक की बिना किसी गारंटी के ऋण सहायता सुनिश्चित होगी। यह कदम नकदी प्रवाह को बढ़ावा देगा, एमएसएमई को सशक्त बनाएगा और एक हजार अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य की ओर भारत की प्रगति को गति देगा जो 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में निर्णायक कदम है। इस बारे में निर्यातकों ने कहा कि सरकार के निर्यात का बढावा देने के लिए मंजूर की गई 45,000 करोड़ की दो योजनाओं से उद्योग को किफायती वित्त, अनुपालन जटिलताओं और 'ब्रांडिंग' अंतर जैसी दीर्घकालिक चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। सीआईआई की राष्ट्रीय निर्यात समिति के चेयरमैन एवं पैटन इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संजय बुधिया ने कहा कि इन उपायों का उद्देश्य एमएसएमई, पहली बार निर्यात करने वाले और श्रम-प्रधान क्षेत्रों को सशक्त बनाना है ताकि वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बीच मजबूती सुनिश्चित हो सके। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि यह मिशन वैश्विक व्यापार गतिशीलता के लिए आवश्यक निरंतरता, मजबूती और जवाबदेही प्रदान करता है। यह विशेष रूप से एमएसएमई को सशक्त बनाएगा जिन्हें अक्सर किफायती वित्त एवं अनुपालन सहायता प्राप्त करने में कठिनाई होती है।

ऋण गारंटी के तहत 2,000 करोड़ जल्द होंगे आवंटित

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार जल्द ही निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना को लेकर 2,000 करोड़ रुपये आवंटित करेगी। राष्ट्रीय ऋण गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) को पात्र निर्यातकों को 20,000 करोड़ तक की ऋण सुविधाएं देने के लिए 2,000 करोड़ की जरुरत होगी।

सूत्रों ने कहा कि कंपनी के पास पहले से ही कुछ राशि है। संसद के अनुदानों को मंजूरी देने के बाद अनुदानों की अनुपूरक मांगों के माध्यम से राशि प्रदान की जा सकती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना (सीजीएसई) शुरू करने की मंजूरी दे दी। इसका उद्देश्य एमएसएमई सहित पात्र निर्यातकों को 20,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त ऋण सुविधाएं प्रदान करने के लिए एनसीजीटीसी द्वारा सदस्य ऋण

● एनसीजीटीसी को पात्र निर्यातकों को ऋण देने को 2,000 करोड़ की जरुरत

संस्थानों (एमएलआई) को 100 प्रतिशत ऋण गारंटी कवरेज प्रदान करना है।

यह योजना वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) एनसीजीटीसी के माध्यम से क्रियान्वित कर रहा है ताकि एमएसएमई सहित पात्र निर्यातकों को संबंधित वित्तीय संस्थान अतिरिक्त ऋण सहायता प्रदान कर सके। योजना की प्रगति और कार्यान्वयन की निगरानी के लिए डीएफएस सचिव की अध्यक्षता में एक प्रबंधन समिति गठित की जाएगी।

सोने ₹3,000 तो चांदी ₹7,700 चढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

मजबूत वैश्विक संकेतों और कमजोर डॉलर के चलते गुरुवार को सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 3,000 रुपये बढ़कर 1,30,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी सरकार के 'शटडाउन' की समाप्ति ने भी सुरक्षित-निवेश का विकल्प मानी जाने वाली परिसंपत्ति की अपील को समर्थन दिया। 99.5% शुद्धता वाले सोने की कीमत में तीसरे दिन बढ़त जारी रही, जो बुधवार के 1,27,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद भाव से 3,000 रुपये बढ़कर 1,30,300 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.9% शुद्धता वाला सोना पिछले बाजार सत्र में 1,27,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

● मजबूत वैश्विक संकेतों और कमजोर डॉलर के चलते धातु में आया उछाल

चांदी की कीमतें गुरुवार को 7,700 रुपये बढ़कर 1,69,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गईं। बुधवार को यह 5,540 रुपये बढ़कर 1,61,300 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थीं। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स, ट्रंप प्रशासन द्वारा 43 दिन के रिकॉर्ड 'शटडाउन' को समाप्त करने के लिए विधेयक पारित करने के बाद, 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.30 पर कारोबार कर रहा था, जिससे सर्राफा कीमतों को समर्थन मिला। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 41.19 डॉलर या 0.98% बढ़कर 4,236.84 डॉलर प्रति औंस हो गया।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि गुरुवार को सर्राफा बाजार में तेजी जारी रही, जिसे कमजोर डॉलर और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के कमजोर वृहद आर्थिक आंकड़ों के बाद ब्याज दरों में और कटौती की बढ़ती उम्मीदों का समर्थन मिला। फेडरल रिजर्व द्वारा शटडाउन के कारण हुई आंशिक नकदी की कमी को दूर करने के लिए प्रणाली में और अधिक धन डालने की संभावना है, जिसका कीमती धातुओं पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। विदेशी व्यापार में हाजिर चांदी 1.13 प्रतिशत बढ़कर 53.86 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

वित्तीय संस्थान ब्याज दर को उचित स्तर पर रखें : सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू ने गुरुवार को छोटी राशि के कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थानों (एमएफआई) से वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने के लिए अपनी ब्याज दरें उचित रखने का आग्रह किया। नागराजू ने एमएफआई के लिए आरबीआई द्वारा नियुक्त स्व नियामक संगठन, सा-धन के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे कुछ एमएफआई की ब्याज दरें संतोषजनक नहीं लगती हैं। वास्तव में ऐसा इन संस्थानों की अक्षमताओं के कारण होता है।

उन्होंने कहा कि उच्च या अनुचित ब्याज दर का कारण लागत दक्षता और उत्पादकता हासिल करने में विफलता हो सकती है। सचिव ने एमएफआई से आग्रह किया कि उन्हें यह सुनिश्चित

● रेटिंग एजेंसी के अनुसार, देश की वृद्धि को बुनियादी ढांचे पर खर्च व ठोस उपभोग से मिल रहा समर्थन

करना चाहिए कि वे उत्पादकता और लागत दक्षता हासिल करें जिससे कर्ज लेने वालों के लिए ब्याज दरें कम हों। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को पैसे की सख्त जरूरत होती है, वे ऊंची ब्याज दर पर उधार ले सकते हैं। लेकिन वे उसे वापस नहीं कर पाते, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय संस्थानों में दबाव वाली संपत्तियों में वृद्धि होती है। इस क्षेत्र में दबाव के कारण खातों की संख्या घटकर मार्च, 2025 के अंत तक 3.4 लाख हो गई है, जो 31 मार्च, 2024 को 4.4 लाख थी।

नागराजू ने देश में छोटी राशि के कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थानों के महत्व का जिक्र करते हुए कहा कि वित्तीय समावेश और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए ये संस्थान बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये घर-घर जाकर कर्ज देते हैं। उन्होंने एमएफआई से वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने के लिए नए तरीके अपनाने का भी आग्रह किया।

नए कदम या उपाय लाने की आवश्यकता

नागराजू ने कहा कि हमारे पास अभी भी लगभग 30-35 करोड़ युवा हैं, जिन्हें वित्तीय समावेश के दायरे में लाने की आवश्यकता है। बड़ी संख्या में सरकारी योजनाओं के बावजूद, हमारी आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी भी वित्तीय समावेश से बाहर है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर एमएफआई को ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे नए कदम या उपाय लाने की आवश्यकता है ताकि वंचित आबादी एक संगठित 'चैनल' का हिस्सा बन सके। इस मौके पर राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के अध्यक्ष शाजी के वी ने कहा कि एमएफआई क्षेत्र में दबाव कम हो रहा है और इस क्षेत्र को सतर्क रहने की आवश्यकता है। शाजी ने कहा कि नाबार्ड स्वयं सहायता समूह प्रणाली का डिजिटलीकरण कर रहा है और ग्रामीण क्रेडिट स्कोर भी विकसित कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम उन छोटी राशि के कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थानों के साथ ग्रामीण क्रेडिट स्कोर के लिए कुछ पायलट परियोजना कर रहे हैं जो काफी गरीब लोगों को ऋण देते हैं।

राष्ट्रीय

अदालत में वर्चुअल पेश हों अधिवक्ता

बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर न्यायाधीश ने वकीलों को विकल्प चुनने की दी सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा ने गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में खतरनाक वायु गुणवत्ता का हवाला देते हुए वकीलों को व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होने के बजाय 'वर्चुअल' पेश होने की सलाह दी। न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर के साथ पीठ में बैठे न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने मामलों के उल्लेख के दौरान यह टिप्पणी की।

दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर बने रहने को लेकर न्यायाधीश ने वकीलों को स्वास्थ्य खतरों से बचाव के लिए वर्चुअल सुनवाई के विकल्प की सलाह दी। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने टिप्पणी की कि कई वकील पहले से ही अदालत में मास्क पहन रहे हैं, तो न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने आगाह किया कि केवल मास्क पर्याप्त सुरक्षा नहीं कर सकता। जहरीली हवा स्थायी नुकसान पहुंचा सकती है। इस हफ्ते इसकी वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली में इस मौसम का पहला 'गंभीर' वायु गुणवत्ता वाला दिन मंगलवार था, जब शाम 4 बजे एक्यूआई 428 दर्ज किया गया। बुधवार को भी वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में रही।

एअर इंडिया विमान दुर्घटना के लिए पायलट को दोषी नहीं माना जा रहा : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 12 जून को हुए विमान हादसे के संबंध में एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट में एअर इंडिया के पायलट को दोषी नहीं ठहराया गया है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ को बताया कि विमान दुर्घटना की जांच के लिए विमान दुर्घटना जांच बोर्ड (एएआईबी) की टीम का गठन अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के तहत किया गया था और इसके लिए वैधानिक प्रावधान है। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, एएआईबी जांच किसी पर दोष मढ़ने के लिए नहीं है। यह केवल कारण स्पष्ट करने के लिए है ताकि ऐसा दोबारा

न हो। मामले में गैर सरकारी संगठन के अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि इतने बड़े पैमाने की दुर्घटना की कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी की तरह समानांतर जांच होनी चाहिए। पायलट फेडरेशन ने कहा है कि इन विमानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता और इनमें उड़ान भरने वाले लोगों के लिए बहुत बड़ा खतरा है। न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि यह कार्यवाही एक एअरलाइन बनाम दूसरी एअरलाइन के बीच लड़ाई नहीं बननी चाहिए। उन्होंने मेहता से मृतक के पिता द्वारा दायर याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद के लिए स्थगित कर दी।

126 कंपार्टमेंट्स को सारंडा वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित करने का निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को झारखंड सरकार को सारंडा वन क्षेत्र के 126 कंपार्टमेंट्स को तीन महीने के भीतर वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित करने का निर्देश दिया और अभयारण्य की सीमा के एक किलोमीटर के दायरे में किसी भी प्रकार की खनन गतिविधि पर रोक लगा दी। भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य सरकार 31,468.25 हेक्टेयर क्षेत्र को सारंडा वन्यजीव अभयारण्य घोषित करने के अपने कर्तव्य से नहीं भाग सकती। पीठ ने खनन के लिए निर्दिष्ट छह कंपार्टमेंट्स को इससे बाहर रखा। पीठ ने कहा, "हम निर्देश देते हैं कि राज्य सरकार 1968 की अधिसूचना में अधिसूचित 126 कम्पार्टमेंट वाले क्षेत्र को इस फैसले की तारीख से तीन महीने की अवधि के भीतर वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित करे। पीठ ने छह कम्पार्टमेंट को शामिल नहीं किया है, उसमें कम्पार्टमेंट संख्या केपी-2, 10, 11, 12, 13 और 14 हैं। कम्पार्टमेंट का उपयोग प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए अभयारण्यों को विभाजित करने के लिए होता है। पीठ ने कहा, इस न्यायालय का लगातार यह मत रहा है कि संरक्षित क्षेत्र के एक किलोमीटर के दायरे में खनन गतिविधियां वन्यजीवों के लिए खतरनाक होंगी। गोवा फाउंडेशन के मामले में उक्त निर्देश गोवा राज्य के संबंध में जारी किए गए थे और हमें लगता है कि ऐसे निर्देश पूरे भारत में जारी किए जाने की आवश्यकता है। पीठ ने कहा, हम निर्देश देते हैं कि राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के भीतर व ऐसे राष्ट्रीय उद्यान या वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से एक किलोमीटर के दायरे में खनन की अनुमति नहीं होगी। झारखंड सरकार ने मामले में 57,519.41 हेक्टेयर वन भूमि को यह कहते हुए बाहर करने की मांग की थी कि इस पर मुंडा, उरांव और आदिवासी निवास करते रहे हैं। इससे आदिवासी समुदाय के वन अधिकारों की रक्षा करने और पहले से मौजूद विद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी।

महानगर में 2020 की ईवी नीति लागू करे केंद्र

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र से कहा कि वह 2020 की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति पर पुनर्विचार करे और पांच वर्षों में हुए बदलावों को इसमें शामिल करे तथा इसे किसी एक महानगर में लागू करे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से कहा कि वह पांच वर्षों में हुए बदलावों पर गौर करें और इन बदलावों को नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान (एनईएमएमपी),2020 में शामिल करें। इस नीति का उद्देश्य ईवी के उपयोग को बढ़ावा देना है। अटॉर्नी जनरल ने दलील दी कि केंद्र के 13 मंत्रालय इस नीति की व्यवहार्यता पर विचार-विमर्श कर रहे हैं और जल्द निर्णय लिया जाएगा। पीठ ने कहा कि नीति पर पुनर्विचार करने की जरुरत है क्योंकि कुछ वर्षों में कई बदलाव हुए हैं। इस नीति को किसी महानगर से पायलट परियोजना के माध्यम से लागू किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि ईवी को अपनाने के लिए प्रोत्साहन, सरकारी संस्थानों द्वारा इनको अपनाना और चार्जिंग पॉइंट की उपलब्धता जैसे विभिन्न पहलू हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

ब्रिटिश आंकड़ों पर भरोसा, देश पर क्यों नहीं

कोविड-19 टीका पर याचिका

आप ब्रिटेन द्वारा जारी किए आंकड़ों पर भरोसा करते हैं, लेकिन भारत के आंकड़ों पर नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने सवालिया अंदाज में यह टिप्पणी याचिकाकर्ताओं के उसे दावे पर की, जिसमें कहा गया है कि अधिकारियों ने कोविड-19 के टीके के प्रतिकूल प्रभावों के कारण हुई मौतों की संख्या चिंताजनक रूप से कम बताई है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें वह याचिका भी शामिल थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 2021 में कोविड-19 के कोविशील्ड नामक टीके की पहली खुराक लेने के बाद दो महिलाओं की जान चली गई। आरोप था कि टीकाकरण के बाद दोनों को गंभीर प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ा। शीर्ष अदालत ने मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस ने कहा कि ब्रिटेन में भी यही टीका प्रयोग हुआ था और भारत में ब्रिटेन की तुलना में 30 गुना अधिक टीके लगाए गए।

ईडी ने की चैतन्य बघेल की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले की जांच के सिलसिले में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की 61.20 करोड़ की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क की है।

छत्तीसगढ़ आबकारी घोटाला

एजेंसी ने गुरुवार को कहा कि ईडी ने 59.96 करोड़ मूल्य के 364 आवासीय भूखंडों और कृषि भूमि के रूप में अचल संपत्तियों को कुर्क करने के अलावा बैंक बचत और सावधि जमा के रूप में 1.24 करोड़ की चल संपत्ति जब्त की है। ईडी ने राज्य में हुए शराब घोटाले में भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो/आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो, रायपुर द्वारा आईपीसी 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराओं में दर्ज प्राथमिकी पर जांच शुरू की है।

पुलिस जांच से पता चला कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और अपराध से अर्जित 2,500 करोड़ से अधिक की आय से लाभार्थियों की जेबें भरी गईं। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईडी की जांच से पता चला है कि चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट के शीर्ष स्तर पर थे। ईडी ने कहा, मुख्यमंत्री के पुत्र होने के नाते, चैतन्य बघेल शराब सिंडिकेट के नियंत्रक और प्रमुख अधिकारी थे।

येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो मामला रद्द करने से इन्कार

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येदियुरप्पा के खिलाफ दर्ज यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामले को रद्द करने से गुरुवार को इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति एम. आई. अरुण ने कथित अपराध का संज्ञान लेने और भाजपा के वरिष्ठ नेता को समन जारी करने के निचली अदालत के 28 फरवरी के आदेश को बरकरार रखा।

अदालत ने निर्देश दिया कि मुकदमे के दौरान जब तक जरूरी ना हो तब तक येदियुरप्पा की व्यक्तिगत उपस्थिति पर जोर नहीं दिया जाना चाहिए। उनकी ओर से व्यक्तिगत उपस्थिति की छूट के लिए दायर याचिका को स्वीकार किया जाना चाहिए हालांकि अगर बहुत जरूरी हो तो उन्हें बुलवाया जा सकता है। एकल न्यायाधीश की पीठ ने स्पष्ट किया कि येदियुरप्पा निचली अदालत से राहत का अनुरोध करने को लेकर स्वतंत्र हैं। पीड़िता की मां की शिकायत के

● बम्बई हाईकोर्ट ने प्रसारण शुरू किये जाने के महीनों बाद जारी नोटिस में की टिप्पणी

अनुसार, येदियुरप्पा ने फरवरी 2024 में बेंगलुरु स्थित अपने आवास पर बैठक के दौरान उसकी 17 वर्षीय बेटी का यौन शोषण किया था। सदाशिवनगर पुलिस ने 14 मार्च 2024 को मामला दर्ज किया, जिसे बाद में जांच के लिए सीआईडी को सौंप दिया गया। एजेंसी ने प्राथमिकी दर्ज कर पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। येदियुरप्पा के अधिवक्ता सीवी नागेश ने तर्क दिया कि मामला राजनीति से प्रेरित है।

पुणे में दो कंटेनर ट्रक के बीच फंसी कार पांच लोगों की मौत

पुणे। शहर के बाहरी इलाके में मुंबई-बेंगलुरु राजमार्ग पर पुल पर गुरुवार को दो बड़े कंटेनर ट्रक के बीच एक कार फंस कर चकनाचूर हो गई, जिससे सवार पांच लोगों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि शाम को नवले पुल पर हुए हादसे में आठ-दस लोग घायल हो गए। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। दुर्घटना के बाद सामने आए वीडियो में कार दो भारी वाहनों के बीच फंसी दिखाई दे रही है, जिनमें भीषण आग लगी हुई है। अधिकारी ने कहा, हम दुर्घटना कैसे हुई इसकी जांच कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि घायलों को अस्पताल में तुरंत इलाज मिले। दमकल विभाग ने पानी के टैंकर मौके पर भेजे और आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। दुर्घटना के कारण व्यस्त राजमार्ग पर यातायात जाम लग गया।

अलकायदा से जुड़े आतंकी साजिश के तहत पांच राज्यों में एनआईए का छापा

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने अल-कायदा द्वारा गुजरात में अवैध बांग्लादेशी से जुड़े आतंकी साजिश के मामले में पांच राज्यों में 10 स्थानों पर छापेमारी की है। एजेंसी के प्रवक्ता ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

केंद्रीय एजेंसी के प्रवक्ता ने बताया कि एनआईए के दलों ने बुधवार को पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मेघालय, हरियाणा और गुजरात में विभिन्न संदिग्धों और उनके सहयोगियों से जुड़े परिसरों में छापेमारी की। कई डिजिटल उपकरण एवं दस्तावेज जब्त किए गए हैं जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। यह मामला 2023 में दर्ज हुआ था और इसके केंद्र में चार बांग्लादेशी हैं जिनकी पहचान मोहम्मद सोजिबमियान, मुन्ना खालिद अंसारी, अजरुल इस्लाम और अब्दुल लतीफ के तौर पर हो चुकी है। इन लोगों ने फर्जी भारतीय पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल कर भारत में घुसपैठ की थी। वे अल-कायदा से जुड़े है। ये बांग्लादेश में अल-कायदा के गुर्गों के लिए धन इकट्ठा करने और उसे उन्हें अंतरित करने में शामिल थे, और मुस्लिम युवाओं को प्रेरित करने में भी शामिल पाए गए। एनआईए ने 10 नवंबर, 2023 को अहमदाबाद की एक विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था।

आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश

लुधियाना। पुलिस आयुक्तालय ने विदेशी हैंडलरों से जुड़े 10 मुख्य सहयोगियों को गिरफ्तार कर आईएसआई समर्थित ग्रेनेड हमला मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों में कुलदीप सिंह, शेखर सिंह और अजय सिंह है, ये सभी श्री मुक्तसर साहिब के निवासी हैं, जबकि अमरीक सिंह, परमिंदर उर्फ चिड़ी, विजय, सुखजीत सिंह उर्फ सुख बराड़, सुखविंदर सिंह, करनवीर सिंह उर्फ विक्की और साजन कुमार को कूरियर और सहयोगी की भूमिका निभाने के आरोप में विभिन्न जेलों से प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया है। पुलिस टीमों ने आरोपियों से एक चीनी हैंड ग्रेनेड, एक काली किट और दस्तानों का एक सेट बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी मलेशिया स्थित तीन सहयोगियों के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में थे।

वर्ल्ड ब्रीफ

वेस्ट बैंक: इजराइली बस्ती में रहने वालों ने मस्जिद में आग लगाई

दीर इस्तिया। इजराइली बस्ती में रहने वाले लोगों ने वेस्ट बैंक के मध्य एक फिलिस्तीनी गांव में एक मस्जिद को देर रात आग लगा दी और उसे विरूपित कर दिया तथा विरोध स्वरूप मस्जिद की दीवारों पर नफरत भरे संदेश भी लिखे। कुछ इजराइली नेताओं ने बस्ती में रहने वाले लोगों द्वारा फिलिस्तीन के नागरिकों पर हाल ही में किए गए हमलों की निंदा की थी, जिसके एक दिन बाद यह घटना हुई। बृहस्पतिवार को फिलिस्तीन के डेर इस्तिया शहर स्थित मस्जिद की एक दीवार और कुरान की कम से कम तीन प्रतियां व कुछ कालीन जला दिए गए थे। मस्जिद के एक तरफ 'हमें डर नहीं है', 'हम फिर बदला लेंगे' और 'निंदा करते रहो' जैसे संदेश लिखे थे। इस तरह के हमलों ने शीर्ष अधिकारियों, सैन्य नेताओं और ट्रंप प्रशासन की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

मुर्मू को बोत्सवाना में प्रतीकात्मक रूप से सौंपे गए आठ चीते

गबोरोन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बृहस्पतिवार को उनकी राजकीय यात्रा के अंतिम दिन यहां पास में स्थित एक प्राकृतिक अभयारण्य में बोत्सवाना के राष्ट्रपति ड्यूमा गिदोन बोको ने प्रतीकात्मक रूप से आठ चीते सौंपे। दोनों राष्ट्राध्यक्ष सुबह के समय राजधानी गबोरोन से लगभग 10 किलोमीटर दक्षिण में स्थित 'मोकोलोडी नेचर रिजर्व' पहुंचे और दो चीतों को एक पृथकवास बाड़े में छोड़े जाने की घटना को देखने के लिए सफारी वाहन में सवार हुए। भारत और बोत्सवाना के वन्यजीव अधिकारियों ने मुर्मू और बोको को प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सभी आठ चीते अभयारण्य में हैं और केवल दो को राष्ट्राध्यक्षों की उपस्थिति में पृथकवास के लिए छोड़ा गया, जो कि बोत्सवाना द्वारा उन्हें भारत को सौंपे जाने का प्रतीक है।

अमेरिका के ह्यूस्टन में पहले इस्माइली सेंटर का किया गया उद्घाटन

ह्यूस्टन। अमेरिका के ह्यूस्टन में पहले इस्माइली सेंटर का उद्घाटन किया गया। यह शहर के सांस्कृतिक परिदृश्य व वैश्विक इस्माइली समुदाय के लिए बड़ी उपलब्धि है। शिया इस्माइली मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरु मौलाना हजार इमाम, आगा खान पंचम ने सेंटर का उद्घाटन किया। समारोह में ह्यूस्टन के मेयर जॉन व्हिटमायर, प्रिंस अमीन, प्रिंस हुसैन व प्रिंस अली मोहम्मद, अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य, टेक्सास के विधायक और विभिन्न धार्मिक एवं नागरिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस्माइली सेंटर, इस्माइली मुसलमानों के लिए इबादत, सामाजिक और सांस्कृतिक समागम का स्थान है। 'बफेलो बेउ' के पास नौ एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैला यह सेंटर दुनिया भर में पहले से मौजूद छह इस्माइली सेंटरों की कड़ी में अगला है।

लंदन: भारतीय रेस्तरां वीरास्वामी को बचाने के लिए शुरू हुई मुहिम

- ब्रिटेन के प्रमुख शेफ ने क्राउन स्टेट से की जिम्मेदारी निभाने की अपील

लंदन। ब्रिटेन के कुछ प्रमुख खानसामा बृहस्पतिवार को लंदन के सबसे पुराने भारतीय रेस्तरां में से एक 'वीरास्वामी' को बचाने की मुहिम में शामिल हुए हैं। इस रेस्तरां के पट्टे को लेकर गतिरोध पैदा हो गया है जिससे रीजेंट स्ट्रीट से इसे हटाए जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

'द टाइम्स' में प्रकाशित एक खुले पत्र में, साइरस टोडीवाला, रेमंड ब्लैंक और मिशेल रूक्स जैसे जाने-माने शेफ और रेस्तरां मालिकों ने विक्ट्री हाउस के मालिक क्राउन एस्टेट से अपील की है कि वह जिम्मेदारी से काम करें। विक्ट्री हाउस में अप्रैल 1926 से यह रेस्तरां स्थित है। पिछली गर्मियों में, 'वीरास्वामी' के मालिक एमडब्ल्यू ईट को सूचित किया गया कि उनके पट्टे का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा, क्योंकि क्राउन एस्टेट भवन की ऊपरी मंजिलों पर स्थित कार्यालयों के लिए भूतल के स्वागत क्षेत्र का विस्तार करना चाहता है।

खानसामों ने पत्र में लिखा, ऐसे रेस्तरां को कार्यालय में परिवर्तित करना अनुचित होगा। इससे लंदन के रेस्तरां परिदृश्य और हमारी पर्यटन अर्थव्यवस्था जो शहर के अद्वितीय और विविध स्थलों पर फलती-फूलती है, दोनों के लिए गंभीर क्षति होगी। उन्होंने कहा, जैसा कि क्राउन जानता है, विरासत को न तो स्थानांतरित किया जा सकता है और न ही इतिहास को बदला जा सकता है।

30 वर्ष: 80,000 मौत, 170 अरब डॉलर की क्षति

पिछले तीन दशक में जलवायु आपदाओं से दुनिया के सबसे अधिक प्रभावित देशों में भारत नौवें स्थान पर है, यहां लगभग 430 ऐसी घटनाएं हुई हैं। पर्यावरण क्षेत्र के थिंक टैंक जर्मन वॉच की ओर से जारी 'जलवायु जोखिम सूचकांक (सीआरआई) 2026' में कहा गया है कि देश को बार-बार आने वाली बाढ़, चक्रवात, सूखे और लू के कारण मुख्य रूप से नुकसान हुए हैं जो ग्लोबल वार्मिंग से और तीव्र हो गए हैं। 1998 में गुजरात में आए चक्रवात, 1999 में ओडिशा के सुपर साइक्लोन, 2013 की उत्तराखंड बाढ़ और हाल ही में लू जैसी कई घटनाओं ने इस सूचकांक में भारत की रैंकिंग को बढ़ाया है। भारत में निरंतर खतरे का संकेत मिलता है, क्योंकि बार-बार होने वाली मौसमी घटनाओं ने विकास के लाभों को लगातार कमजोर किया है।

भारत में जलवायु आपदाएं

जलवायु परिवर्तन: वैश्विक स्थिति

- पिछले तीन दशक में डोमिनिका दुनिया का सबसे ज्यादा प्रभावित देश, उसके बाद म्यांमार, होंडुरास, लीबिया, हैती, ग्रेनाडा, फिलीपींस, निकारागुआ, भारत और बहामास का स्थान।
- शीर्ष रैंकिंग में अधिकतर देश वैश्विक दक्षिण में लेकिन कई यूरोपीय देश और अमेरिका भी शीर्ष 30 में शामिल, ये जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों को दर्शाता है।
- भारत शीर्ष 10 में नौवें और चीन 11वें स्थान पर, इसके ठीक बाद लीबिया और हैती हैं। हाल ही में भयंकर तूफान कालमेगी और फंग-वोंग से प्रभावित फिलीपींस सातवें स्थान पर है।

वर्ष 2018 में आर्थिक नुकसान के मामले में भारत दूसरे स्थान पर था। नवीनतम रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के भारत पर पड़ने वाले अत्यधिक प्रभाव को रेखांकित किया गया है, जो न सिर्फ वैश्विक स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी नीतिगत बदलावों की मांग करता है ताकि यहां की संवेदनशील आबादी भविष्य में ऐसे प्रभावों का ज्यादा मजबूती से मुकाबला कर सके। - **भारतीय विशेषज्ञ**

दुनिया में कितना नुकसान

- वैश्विक स्तर पर वर्ष 1995 और 2024 के बीच 9,700 से अधिक मौसमी आपदाएं रिकॉर्ड में दर्ज की गई हैं।
- इनमें 8 .3 लाख से ज्यादा लोगों की जान चली गई और लगभग 5 .7 अरब लोग गंभीर रूप से प्रभावित हुए।
- दुनिया भर में इन आपदाओं से लगभग 4,500 अरब अमेरिकी डॉलर के प्रत्यक्ष नुकसान का अनुमान है।

भारत में आपदाओं का असर

- तीन दशक में जलवायु आपदाओं में 80,000 लोग मारे गए और 170 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।
- जलवायु आपदाओं ने 1995 से 2024 तक देश में 1.3 अरब से भी ज्यादा लोगों को प्रभावित किया है।
- भारी जनसंख्या और मानसून की परिवर्तनशीलता के प्रति उच्च जोखिम देश को संवेदनशील बनाते हैं।
- अकेले 2024 में मानसूनी बारिश और अचानक आई बाढ़ से 80 लाख से अधिक लोगों पर असर पड़ा था।
- इन जलवायु संबंधी आपदाओं से गुजरात, महाराष्ट्र व त्रिपुरा ने सबसे खराब हालात का सामना किया था।

- विश्व की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या अर्थात तीन अरब से अधिक लोग उन 11 देशों में रहते हैं जो पिछले 30 वर्षों में चरम मौसम से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

भविष्य के लिए चेतावनी

- भारत सहित कई विकासशील देशों के लिए ऐसी आपदाएं आम हो रही हैं, तत्काल और बेहतर वित्त पोषित अनुकूलन उपायों की जरूरत।
- बढ़ती आर्थिक और मानवीय लागतों के कारण पूर्व चेतावनी प्रणालियों के साथ कमजोर समूहों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता।
- गर्म लहरें एवं तूफान मानव जीवन के लिए सबसे बड़ा खतरा, इनसे सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान, बाढ़ से सबसे ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं।

दिल्ली विस्फोट आतंकी घटना, भारत कर रहा है बहुत सतर्क जांच : रुबियो

अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा- भारतीय एजेंसियों को हमारी मदद की जरूरत नहीं

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट की जांच में भारत ने 'बहुत संयमित, सतर्क और अत्यंत पेशेवर' तरीके से काम किया है। रूबियो ने इसे स्पष्ट रूप से आतंकी हमला बताते हुए कहा कि अमेरिका ने जांच में मदद की पेशकश की है हालांकि खुद भारत की एजेंसियां इस तरह की जांच करने में बेहद सक्षम हैं।

रुबियो ने बुधवार को कनाडा के हैमिल्टन शहर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम इस घटना की गंभीरता और उसके संभावित प्रभाव से अवगत हैं। लेकिन मेरा मानना है कि भारतीय अधिकारियों की सराहना की जानी चाहिए, उन्होंने बहुत संयमित, सतर्क और पेशेवर तरीके से जांच की है। उन्होंने कहा, जांच जारी है। यह स्पष्ट रूप से एक आतंकी हमला था। एक कार में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भरी हुई थी, जिसमें ब्लास्ट हो गया और कई लोगों की जान चली गई। लेकिन भारत बहुत अच्छी तरह से जांच कर रहा है और मेरा विश्वास है कि जब उनके पास सभी तथ्य होंगे, तो वे उन्हें सार्वजनिक करेंगे।

रुबियो ने जी7 के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की थी। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने मदद की पेशकश की है लेकिन मुझे लगता है कि भारतीय एजेंसियां इस तरह की जांच में बहुत सक्षम हैं। उन्हें हमारी मदद की आवश्यकता नहीं है। वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और मैंने पाया कि वे हमेशा की तरह इस बार भी बहुत संयमित और पेशेवर तरीके से आगे बढ़ रहे हैं।

हैमिल्टन में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो।

बोले- घटना के संभावित परिणामों पर हमारी नजर

रुबियो से पूछा गया कि वह लाल किला विस्फोट और भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर कितने चिंतित हैं खासकर उस पृष्ठभूमि में जब इस साल मई में दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसी देशों के बीच झड़पें हुई थीं और भारत ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में आतंकी ढांचे पर कार्रवाई की थी। इस पर रुबियो ने कहा, हम इस घटना के संभावित परिणामों से वाकिफ हैं। हमने इस पर थोड़ी चर्चा भी की है कि इसका दायरा कितना बढ़ सकता है। लेकिन हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि भारत की जांच क्या सामने लाती है।

भारत ने लाल किले के बाहर कार विस्फोट को बुधवार को घृणित आतंकी घटना करार दिया और जांच एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे इस मामले की जांच अत्यंत तत्परता और पेशेवर तरीके से करें ताकि अपराधियों और उनके प्रायोजकों को बिना किसी देरी के न्याय के शिकंजे में लाया जा सके। रुबियो से मुलाकात के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज जी7 एफएमएम सत्र में विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात हुई। दिल्ली में विस्फोट में जनहानि पर उनकी संवेदनाओं के लिए आभार व्यक्त करता हूं। हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की विशेष रूप से व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला पर। साथ ही यूक्रेन संघर्ष, पश्चिम एशिया की स्थिति और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर भी विचार साझा किए।

ब्रिटिश मंत्रियों ने आतंकी हमले में लोगों की मौत पर शोक जताया

लंदन। ब्रिटेन के उप प्रधानमंत्री डेविड लैमी और हिंद-प्रशांत मामलों की ब्रिटिश भारतीय मंत्री सीमा मल्होत्रा ने दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार विस्फोट की आतंकी घटना में लोगों की मौत पर शोक जताया। लंदन में बुधवार शाम आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में लैमी ने कहा कि भारत, ब्रिटेन के सबसे महत्वपूर्ण साझेदारों में से एक है और 21वीं सदी की एक उभरती महाशक्ति है, इसके साथ जी20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भी है। उन्होंने कहा, मैं अपनी मित्र एवं मंत्री सीमा मल्होत्रा के साथ यह कहना चाहता हूं कि सोमवार रात दिल्ली में हुआ आतंकवादी हमला निंदनीय और दुखद है। मैं इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

अमेरिका में 43 दिन लंबा शटडाउन समाप्त

- राष्ट्रपति ट्रंप ने किए सरकारी वित्त पोषण विधेयक पर हस्ताक्षर

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बुधवार रात सरकारी वित्त पोषण विधेयक पर हस्ताक्षर करने के साथ अमेरिका में 43 दिन लंबा शटडाउन समाप्त हो गया।

इस शटडाउन के कारण संघीय कर्मचारियों को वेतन न मिलने की वजह से आर्थिक संकट झेलना पड़ा, यात्रियों को हवाई अड्डों पर दिक्कतें आयीं और कई खाद्य बैंकों पर लंबी कतारें लग गयीं। इसने वाशिंगटन में राजनीतिक विभाजन को और गहरा कर दिया। ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर दबाव बनाने के लिए कई एकतरफा कदम उठाए जैसे परियोजनाएं रद्द करना और कर्मचारियों को बर्खास्त करने की कोशिश। उन्होंने स्थिति के लिए डेमोक्रेट्स को दोषी ठहराया और मतदाताओं से कहा कि अगले मध्यावधि चुनावों में उन्हें सबक सिखाएं।

वित्त पोषण विधेयक को प्रतिनिधि सभा में 209 के मुकाबले 222 मतों से पारित किया गया, जबकि सीनेट ने इसे पहले ही मंजूरी दे दी थी। विवाद का केंद्र बिंदु स्वास्थ्य बीमा पर कर रियायतों का विस्तार था, जिसे डेमोक्रेट्स शामिल करना चाहते थे लेकिन रिपब्लिकन इसके खिलाफ थे। रिपब्लिकन सांसद टॉम कोल ने कहा, हमने 43 दिन पहले ही कहा था कि सरकारी शटडाउन कभी समाधान नहीं होता और इस बार भी नहीं हुआ। अंततः आठ सीनेटरों के समझौते से यह गतिरोध टूटा।

व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में हस्ताक्षर के बाद वित्त पोषण विधेयक दिखाते ट्रंप।

बलूचिस्तान में बाधित की गई इंटरनेट सेवा

कराची। गृह विभाग द्वारा जारी सुरक्षा अलर्ट के बाद पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में राजधानी क्वेटा को छोड़कर शेष स्थानों पर मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं।

प्रांतीय सरकार के गृह विभाग द्वारा बुधवार को सुरक्षा अलर्ट जारी करने के बाद मोबाइल इंटरनेट सेवा 16 नवंबर तक निलंबित रहेंगी। राष्ट्रीय राजमार्ग एन-70 के लोरलाई खंड पर भी सभी परिवहन सेवाओं के जरिये की जाने वाली यात्राएं 14 नवंबर तक यात्रा स्थगित कर दी गई है।

पाकिस्तान: मुनीर होंगे पहले चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की 'नेशनल असेंबली' ने बृहस्पतिवार को सैन्य कानून में संशोधन किया, जिससे सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को देश का पहला 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स' नियुक्त करने का रास्ता साफ हो गया।

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने बृहस्पतिवार को विवादास्पद 27वें संविधान संशोधन को मंजूरी दे दी, जिससे यह संविधान का हिस्सा बन गया। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि सैन्य अधिनियम में बदलावों का उद्देश्य सशस्त्र बल कानूनों को नवीनतम संविधान संशोधन के अनुरूप बनाना है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा सेना अधिनियम में संशोधन विधेयक पेश करने के बाद नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए, कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने कहा कि ये बदलाव नए कानून नहीं हैं, बल्कि मौजूदा कानूनों में संशोधन हैं। उन्होंने कहा, सैन्य अधिनियम में बदलाव यह है कि वर्तमान सेनाध्यक्ष, एक साथ ही 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स' भी होंगे। तरार ने कहा कि सीडीएफ का कार्यकाल उनकी नियुक्ति की तारीख से पांच वर्ष का होगा।

बैठक में मौजूद एस जयशंकर।

- संसद में सैन्य कानून में संशोधन होने के बाद साफ हुआ रास्ता

विवादास्पद संशोधन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के दो जजों का इस्तीफा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों ने बृहस्पतिवार को संवैधानिक संशोधन के विरोध में इस्तीफा दे दिया। उनका आरोप है कि यह संविधान को कमजोर करता है और न्यायपालिका की स्वतंत्रता से समझौता करता है। राष्ट्रपति जरदारी के विवादास्पद 27वें संविधान संशोधन को मंजूरी दिए जाने के कुछ ही घंटों बाद न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह और न्यायमूर्ति अतहर मिनल्लाह ने पद से इस्तीफा दे दिया। न्यायमूर्ति शाह ने अपने पत्र में इस संशोधन को पाकिस्तान के संविधान पर गंभीर हमला करार दिया, जो पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय को विघटित करता है, न्यायपालिका को कार्यपालिका के नियंत्रण में रखता है।

ट्रंप चाहते हैं अमेरिकियों को प्रशिक्षित कर लौट जाएं विदेशी कर्मी : बेसेंट

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा कार्यक्रम का बचाव करने के एक दिन बाद वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि इसके पीछे सोच कुशल विदेशी कामगारों को लाने की है जो अमेरिकियों को प्रशिक्षित करें और फिर स्वदेश लौट जाएं।

बेसेंट ने बुधवार को दिए एक साक्षात्कार में कहा, राष्ट्रपति का दृष्टिकोण विदेशी कामगारों को लाना है, जहां ये नौकरियां थीं, जिनके पास कौशल है। अमेरिकी कामगारों को प्रशिक्षित करने के लिए तीन, पांच, सात साल लगेंगे, फिर वे स्वदेश लौट जाएंगे। अमेरिकी कामगार पूरी तरह से कार्यभार संभाल लेंगे। वित्त मंत्री से एच-1बी वीजा कार्यक्रम पर ट्रंप की नवीनतम टिप्पणी के बारे में पूछा गया था, जिसमें राष्ट्रपति ने कहा था कि अमेरिका को प्रतिभाओं को लाना होगा क्योंकि उसके पास कुछ खास प्रतिभाएं नहीं हैं।

बेसेंट ने कहा कि 20-30 वर्षों से, अमेरिका ने विनिर्माण क्षेत्र की नौकरियां विदेशों में स्थानांतरित कर दी हैं। उन्होंने कहा, और यहां राष्ट्रपति का कहना है कि हम यह नहीं कह सकते कि आप रातों-रात जहाज बनाना सीख जाएंगे। हम सेमीकंडक्टर उद्योग को वापस अमेरिका लाना चाहते हैं।

हसीना पर फैसला आने से पहले ढाका में कड़ी सुरक्षा

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अब भंग हो चुकी आवामी लीग पार्टी की ओर से घोषित ढाका बंद के आह्वान के बीच बृहस्पतिवार को राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। बंद का आह्वान ऐसे समय में किया गया है जब एक न्यायाधिकरण हसीना के खिलाफ फैसला सुनाने वाला है।

विशेष न्यायाधिकरण के अभियोजन पक्ष के एक सदस्य ने कहा, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार फैसला सुनाएगा। प्राधिकारियों ने सेना, अर्धसैनिक बल 'बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश' (बीजीबी) और दंगा नियंत्रण उपकरणों से लैस पुलिस को तैनात किया है, ताकि आईसीटी-बीडी परिसर तथा उसके आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा सके। आवामी लीग के बंद के मद्देनजर शहर में सुरक्षा बढ़ने से हजारों लोग घरों में ही रहे। प्रत्यक्षदर्शियों और खबरों के अनुसार, ढाका की सड़कें असामान्य रूप से खाली दिखाई दीं। हालांकि, कुछ लोग सावधानीपूर्वक अपने कार्यस्थलों और स्कूलों की ओर निकले। विश्वविद्यालयों समेत कई निजी संस्थानों ने हिंसा की आशंका से ऑनलाइन माध्यम से काम जारी रखने का फैसला लिया है।

ढाका में लोगों की तलाशी लेती पुलिस।

- हिंसा के बीच हसीना की पार्टी ने किया है ढाका बंद का आह्वान

विशेष अदालत 17 नवंबर को सुनाएगी फैसला

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वह मानवता के विरुद्ध अपराध के मामले में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ 17 नवंबर को फैसला सुनाएगा। हसीना, अपदस्थ अवामी लीग सरकार में उनके गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल और तत्कालीन पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) या पुलिस प्रमुख चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून पर न्यायाधिकरण में मुकदमा चलाया गया। पूर्व प्रधानमंत्री और कमाल पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया गया और अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया। आईसीटी-बीडी के मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने पहले आरोपियों के लिए मृत्युदंड की मांग की थी। पूर्व पुलिस प्रमुख ने व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होकर मुकदमे का सामना किया लेकिन वह सरकारी गवाह बन गए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 14 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, दशमी 15 नवबर 12 .49 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

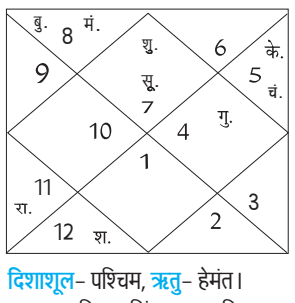

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाफाल्गुनी 09 .20 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष - आज परिजनों की जिद के सामने आपको झुकना पड़ सकता है। लोग आपको नैतिकता का पाठ पढ़ा सकते हैं। व्यापार में आपको बहुत अच्छा लाभ होगा। कठिन विषयों का आप अध्ययन कर सकते हैं। महत्वपूर्ण बैठकों को लेकर लापरवाही न करें।

वृष - आज जीवनसाथी की मांगों को पूरा करेंगे। व्यवसाय को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। उच्च अधिकारियों के साथ आपका तालमेल बढ़ेगा। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। आपकी इच्छा के अनुसार सभी काम समय पर हो जायेंगे।

मिथुन - आज यात्रा के दौरान सामान आदि को लेकर सावधानी रखें। कानूनी मामलों में घिर सकते हैं। अपना काम पूरी निष्ठा के साथ करें। मुंह का स्वाद बिगड़ सकता है। कुण्ठित विचारों वाले लोगों से दूरी बनाकर रखें। किसी गंभीर विषय को लेकर तनाव हो सकता है।

कर्क - आज कार्यक्षेत्र की परिस्थितियां धीरे-धीरे आपके पक्ष में आ सकती हैं। अधीनस्थ कर्मचारियों को लेकर कुछ तनाव रहेगा। बच्चे आपसे जिद कर सकते हैं जिसके कारण आप उन पर नाराज भी हो सकते हैं। आज आपके मन में दान-पुण्य करने का भाव उत्पन्न हो सकता है।

सिंह - आज मन में किसी परेशानी को लेकर तनाव हो सकता है। बड़े भाई-बहन के व्यक्तिगत जीवन में कुछ उतार-चढ़ाव लगा रहेगा। अधेड़ उम्र की महिलाओं को हार्मोनल असन्तुलन जैसी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है।

कन्या - आज आपके सामाजिक संपर्कों में वृद्धि होगी। दोपहर के बाद आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। अचानक धन लाभ होने से उत्साहित रहेंगे। बड़े महत्वपूर्ण लोगों से आपका संपर्क मजबूत होगा। रिश्तेदारों के माध्यम से कोई शुभ सूचना मिल सकती है।

तुला - आज दिनचर्या काफी अच्छी रहेगी। लेकिन आप किसी विचार की गहराई नापने में व्यस्त रहेंगे। अपनी प्रतिभा और क्षमता को व्यर्थ न जानें दें, अपितु उसका सार्थक उपयोग करें। अधिक लाभ अर्जित करने के प्रयास में कुछ गलतियां कर सकते हैं।

वृश्चिक - आज आपको अपनी कार्यक्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है। सिर में भारीपन और तनाव महसूस होगा। धार्मिक चर्चा में भाग ले सकते हैं। आपको अपने सम्मान की चिन्ता रहेगी। इसके कारण आप लोगों से झगड़ भी सकते हैं। कुछ समय आत्मचिंतन में लगाना चाहिए।

धनु - आज वैवाहिक जीवन में थोड़ा तनाव रहेगा। अपने बजट को ध्यान में रखते हुए ही खर्च करें। जीवनसाथी आपके व्यवहार पर नाराज हो सकते हैं। आपको अतिआत्मविश्वास से बचना चाहिए। घुटनों और कूल्हों में दर्द हो सकता है।

मकर - आज दांपत्य संबंधों का तनाव दूर होगा। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखे। अपने कार्य के प्रति समर्पित रहेंगे। रुके हुए कार्यों में अचानक गति आ सकती है। थोड़ी सी मेहनत से आपको धन लाभ होगा।

कुंभ - आज आप अपनी कमजोरी को दूर करने का प्रयास करें। आपको सैद्धान्तिक होने के बजाय व्यवहारिक होना चाहिये। प्रेम संबंधों के कारण घर में तनाव हो सकता है। पुराने लेन-देन की समस्या का समाधान होगा। लोग आपके ऊपर विश्वास नहीं करेंगे।

मीन - आज आपको कई परेशानियों का समाधान मिलेगा। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक विषयों पर राय या पोस्ट देने से बचें। नजदीकी संबंधियों के साथ रिश्ते तनावपूर्ण हो सकते हैं। आलस्य और मौजमस्ती में समय बर्बाद न करें।

सुडोकू -160

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		
				4				
	6							
			9		4			
								9
2			8					
				6				
		8						

सुडोकू - 159 का हल

6	8	4	5	1	2	9	3	7
9	1	2	7	3	8	4	5	6
3	5	7	9	6	4	2	1	8
4	3	8	1	7	9	6	2	5
1	6	9	8	2	5	7	4	3
2	7	5	6	4	3	1	8	9
5	4	3	2	9	6	8	7	1
7	2	6	3	8	1	5	9	4
8	9	1	4	5	7	3	6	2

शुभमन अभी युवा है और भारी शारीरिक कार्यभार भी नहीं है, लेकिन मानसिक तौर पर यह चुनौतीपूर्ण होगा। उसने हाल ही में आस्ट्रेलिया में भारतीय वनडे टीम की कप्तानी की, जिसके बाद टी-20 खेला और अब लाल गेंद का क्रिकेट भारत में खेलना है।

-चेतेश्वर पुजारा

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार 14 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

केकेआर के सहायक कोच बने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज शेन वॉटसन

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने गुरुवार को पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वॉटसन को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 में होने वाले टूर्नामेंट के लिए अपना सहायक कोच नियुक्त किया। वॉटसन ने 59 टेस्ट, 190 एकदिवसीय और 58 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया, जिनमें उन्होंने 10,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए और सभी प्रारूपों में 280 से अधिक विकेट लिए। वॉटसन ने कहा, मैं कोलकाता को एक और खिताब दिलाने के लिए कोचिंग समूह और खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

एशियाई तीरंदाजी में भारत ने तीन स्वर्ण जीते

ढाका : भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने बृहस्पतिवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीते। अनुभवी तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम ने महिला व्यक्तिगत वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। इससे पहले उन्होंने दीपशिखा और प्रितिका प्रदीप के साथ मिलकर महिला टीम वर्ग में देश को स्वर्ण पदक दिलाया। भारतीय महिला टीम ने कोरिया को फाइनल में 236-234 से हराया। तीनों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोरिया की पार्क येरिन, ओ यूहयून और जुंगियून पार्क को मात दी। एशियाई खेलों की चैंपियन ज्योति ने कंपाउंड महिला व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में 17 साल की हमवतन प्रितिका पर 147-145 से जीत दर्ज कर खिताब जीता।

सिनर ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की

तूरिन (इटली)। गत चैंपियन यानिक सिनर ने घरेलू दर्शकों के अपार समर्थन के बीच अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-4, 6-3 से हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। सिनर ने इनडोर हार्ड कोर्ट पर अपनी जीत का सिलसिला 28 मैचों तक बढ़ा दिया है। यह सिलसिला दो साल पहले इस प्रतियोगिता के फाइनल में नोवाक जोकोविच से मिली हार के बाद शुरू हुआ था। यह सिनर की ज्वेरेव पर लगातार पांचवीं जीत है, जिसमें इस वर्ष का ऑस्ट्रेलियाई ओपन का फाइनल भी शामिल है। सिनर दो जीत के साथ ब्योर्न बोर्ग ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गए हैं, जबकि ज्वेरेव और फेलिक्स ऑगर अलियासिमे ने एक-एक जीत हासिल की है। बेन शेल्टन अभी तक एक भी मैच नहीं जीत पाए हैं। एक अन्य मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त ऑगर अलियासिमे ने शेल्टन को 4-6, 7-6 (7), 7-5 से हराकर प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत दर्ज की।

भारत स्पिन संतुलन पर कर रहा विचार

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच आज से, अक्षर या कुलदीप के चुनाव में उलझा टीम प्रबंधन

ईडन गार्डन्स में प्रशिक्षण सत्र के दौरान भारतीय कप्तान शुभमन गिल। एजेंसी

कोलकाता, एजेंसी

कप्तान शुभमन गिल ने बृहस्पतिवार को स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पहले भारत अपने गेंदबाजी संयोजन को लेकर टकराव की स्थिति का सामना कर रहा है, जिसमें अक्षर पटेल की ऑलराउंड उपयोगिता और कुलदीप यादव की विकेट लेने की क्षमता के बीच मुकाबला है। मुख्य कोच गौतम गंभीर की बल्लेबाजी में गहराई को प्राथमिकता देने की रणनीति अक्षर को मजबूत दावेदार बनाती है। फिर भी कुलदीप की फॉर्म और समूह में विकेट चटकाने की क्षमता ने मैच की सुबह तक चर्चा को खुला रखा है।

गिल ने ईडन गार्डन्स पर पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा हां, साल के इस समय में हमेशा यह दुविधा रहती है कि अतिरिक्त ऑलराउंडर को उतारा जाए या अतिरिक्त स्पिनर को। उन्होंने कहा इसलिए मैंने कहा कि हम सुबह विकेट देखेंगे और तय करेंगे कि कौन सा संयोजन हमें टेस्ट मैच जीतने का सबसे अच्छा मौका देता है।अक्षर और कुलदीप में से टीम किसे चुनेगी यह पूछे चाहने पर गिल ने कहा इसे कल के लिए छोड़ देते हैं। टॉस के समय पता चल जाएगा। अक्षर और कुलदीप दोनों ने गंभीर की निगरानी में नेट पर लंबे समय तक गेंदबाजी की और फिर लंबे समय तक बल्लेबाजी की क्योंकि थिंक टैंक ने उनकी मैच की तैयारी का आकलन किया। तेज गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का ईडन गार्डन्स में अंतिम एकादश में शामिल होना तय है जबकि आकाश दीप टीम में तीसरे तेज गेंदबाज हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पिछले घरेलू टेस्ट में भारत ने कुलदीप को तीसरे स्पिनर के रूप में उतारा था। वह 19.50 की औसत से 12 विकेट लेकर टीम के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे। बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए की ओर से खेलते हुए कुलदीप सपाट पिच पर दोनों पारियों में सिर्फ एक विकेट हासिल कर पाए। अधिक खुलासा किए बिना भारतीय कप्तान ने कहा कि मैच का परिणाम बदलने में स्पिनरों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा, यह लगभग तय हो चुका है। विकेट कल से अलग दिख रहा है। हम इसे कल सुबह देखेंगे। गिल ने कहा भारत के इस हिस्से में रोशनी थोड़ी जल्दी कम हो जाती है इसलिए हमें इस बात का ध्यान रखना होगा। आमतौर पर सुबह और शाम को तेज गेंदबाजों को थोड़ी मदद मिलती है। कल विकेट का जायजा लेने के बाद, हम उसके अनुसार फैसला लेंगे। उन्होंने कहा और हां, जब भी हम भारत में खेलते हैं, आमतौर पर स्पिनर ही मैच का फ़ैसला करते हैं। आपका स्पिन आक्रमण जितना बेहतर होगा, जीतने की संभावना उतनी ही बेहतर होगी। गिल ने वाशिंगटन सुंदर, जडेजा और अक्षर के बल्लेबाजी में योगदान पर भी बात की। हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास अच्छे बल्लेबाजी ऑलराउंडर हैं, चाहे वह अक्षर हों, वाशिंगटन या जडेजा। उनकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी का रिकॉर्ड शानदार है, खासकर भारत में।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को टिप्स मुख्य कोच गौतम गंभीर। एजेंसी

टीम

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साइ सुदर्शन, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, देवदत्त पडिक्कल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्क्रम, रियान रिकेलटन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरेने, डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हमजा, टोनी डि जोर्जी, कोर्बिन बोश, वियान मूल्डर, मार्को यानसेन, केशव महाराज, सेनुरान मुथुस्वामी, कैगिसो रबाडा, साइमन हार्मर।

समय : सुबह 9:30 से।

भारत के सामने भी दक्षिण अफ्रीका के स्पिन आक्रमण की चुनौती होगी

कोलकाता। दक्षिण अफ्रीका के बेहतरीन स्पिन आक्रमण के सामने भारत के सितारा बल्लेबाजों के कौशल की असली परीक्षा होगी, जब दोनों टीमें दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में शुक्रवार से यहां आमने-सामने होंगी। भारत को पिछले साल न्यूजीलैंड ने भारत में ही 3.0 से हराया था और कीवी स्पिनरों ऐजाज पटेल, मिचेल सेंटनेर और ग्लेन फिलिप्स ने मिलकर तीन टेस्ट में 36 विकेट चटकाए थे। दक्षिण अफ्रीका का गेंदबाजी आक्रमण इस समय स्पिनरों पर निर्भर है और ऐसे में मेजबान टीम को धीमे गेंदबाजों के खिलाफ अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। मौजूदा विश्व टेस्ट चैम्पियन दक्षिण अफ्रीका आम तौर पर अच्छे तेज गेंदबाजों के लिये जानी जाती रही है लेकिन इस समय उसके पास धुरंधर स्पिनर हैं। पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही में उसने शृंखला 1-1 से ड्रॉ खेली। इसमें केशव महाराज, साइमन हार्मर और सेनुरान मुथुस्वामी ने 39 में से 35 विकेट लिए। भारत के सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण को 'उपमहाद्वीप की शैली' वाला बताया।

भारत ए ने दक्षिण अफ्रीका ए को चार विकेट से हराया

राजकोट। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद ऋतुराज गायकवाड़ (117) की शतकीय और कप्तान तिलक वर्मा (39) की शानदार पारियों के दम पर भारत ए ने गुरुवार को पहले अनौपचारिक एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ए टीम को तीन गेंद शेष रहते चार विकेट से हरा दिया। 286 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ए की ऋतुराज गायकवाड़ और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 64 रन जोड़े। 10वें ओवर में ब्योर्न फ़ोर्टेन ने अभिषेक शर्मा को आउटकर दक्षिण अफ्रीका ए को पहली सफलता दिलाई। भारत ने 49.3 ओवर में छह विकेट पर 290 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया।

चोट के बाद वापसी करना आसान नहीं होता : ऋषभ पंत

कोलकाता, एजेंसी

- बोले-खुशी है कि मैं ऐसा करने में सफल रहा

ऋषभ पंत चार महीने के अंतराल के बाद शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से भारतीय टीम में वापसी करेंगे और यह विकेटकीपर बल्लेबाज चोट से उबरने के बाद फिर से क्रिकेट खेलने पर काफी खुश है।

जुलाई में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान पंत के पैर में फ्रैक्चर हो गया था। उन्होंने बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए के दो अनौपचारिक टेस्ट मैचों से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। पंत ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा चोट लगने के बाद वापसी करना कभी आसान नहीं होता। लेकिन मुझ पर हमेशा भगवान की कृपा रही है। उनका आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहा है और इस बार भी उनकी कृपा से ही मैं वापसी करने में सफल रहा। मैं वापसी करके बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा जब भी मैं मैदान पर उतरता

हूं तो आभार जरूर व्यस्त करता हूं। मैं हमेशा ऊपर देखता हूं और भगवान, अपने माता-पिता, अपने परिवार, सभी का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने चोट से उबरने के दौरान मेरा साथ दिया। पंत ने कहा कि रिहैबिलिटेशन के दौरान उनका ध्यान अपने दिमाग को अच्छी स्थिति में रखने पर था, न कि अपने भविष्य के बारे में बाहरी अटकलों के बारे में चिंता करने पर। उन्होंने कहा मैं केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं जो मेरे नियंत्रण में हैं। किस्मत ऐसी चीज़ है जिसे आप नियंत्रित नहीं कर सकते।

ब्रेक के बाद रोहित व विराट के लिए लय हासिल करना होगा कठिन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिए 2027 वनडे विश्व कप से पहले अब हर द्विपक्षीय शृंखला काफी महत्वपूर्ण होगी। अपने अंतर्राष्ट्रीय कैरियर के आखिरी पड़ाव पर पहुंचे दोनों दिग्गजों के लिए लंबे ब्रेक के बाद लय हासिल करना चुनौतीपूर्ण होगा। आस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे शृंखला खेलने के बाद अब वे रांची में 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी शृंखला खेलेंगे। पुजारा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व मीडिया डे में कहा दोनों के लिए हर शृंखला अहम होगी क्योंकि अगर आप एक ही प्रारूप खेल रहे हैं तो खेल से जुड़े रहना अहम है। दोनों ब्रेक के बाद खेलेंगे तो यह अधिक चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने कहा अनुभव के आधार पर कह सकता हूं कि लंबे समय बाद लय हासिल करना अहम होता है।

लक्ष्य सेन जापान मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

कुमामोतो (जापान) : भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन एचएस प्रणय का सफर दूसरे दौर में ही समाप्त हो गया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता सेन ने 39 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी तेह को 21-13, 21-11 से हराया। विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी सेन का क्वार्टर फाइनल में मुकाबला सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू से होगा। भारत के एक अन्य खिलाड़ी प्रणय को हालांकि 46 मिनट तक चले दूसरे दौर के मैच में डेनमार्क के रासमस गेम्के के हाथों 18-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य ने पहले गेम में 8-5 की बढ़त बना ली थी। कुछ पिछड़ने के बाद ब्रेक तक भारतीय खिलाड़ी ने फिर बढ़त बना ली।

भारतीय धरती पर सीरीज जीतना विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में जीत के बराबर

कोलकाता, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने शृंखला को बेहद अहम बताया

मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा के लिए भारत को उसकी सरजमीं पर हराने की संभावना विशेष महत्व रखती है और उनका कहना है कि दो टेस्ट मैच की शृंखला जीतना लगभग इस साल के शुरू में मिली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत के बराबर ही होगा।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत के तीन दौरों में लगातार सात टेस्ट गंवाए हैं और उनकी आखिरी जीत 2010 में नागपुर में रही थी। लेकिन बावुमा का मानना है कि 2023 में कोच शुक्री कॉनराड के कार्यभार संभालने के बाद से इस टीम को टेस्ट सीरीज में हार का सामना नहीं करना पड़ा है और अब उनकी टीम इतनी परिपक्व और आत्मविश्वास से भरी है कि वह कड़ी चुनौती पेश करके भारत में अब तक की अपनी दूसरी श्रृंखला जीत सकती है। ईडन गार्डन्स में शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले बावुमा ने कहा, मुझे लगता है कि

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतना काफी महत्वपूर्ण है। लेकिन मुझे लगता है कि भारत में जीतना इसके बाद दूसरे नंबर पर होगा। उन्होंने कहा यह ऐसा कुछ है जो हम लंबे समय से ऐसा नहीं कर पाए हैं। इसलिए महत्वाकांक्षा के मामले में यह निश्चित रूप से ऊपर है।

बावुमा ने कहा हम चुनौती की गंभीरता को समझते हैं। इसलिए हम इसकी अहमियत जानते हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने कहा, हम इस चुनौती के लिए तैयार हैं। दोनों टीमों को देखते हुए यह रोमांचक होना चाहिए। भारतीय टीम में शानदार खिलाड़ी हैं, लेकिन थोड़े कम अनुभवी भी हैं। इसी तरह हमारी टीम भी है, हमारे खिलाड़ी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से मुकाबला करना चाहते हैं। बावुमा ने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन से मिले 'टिप्स' की बात साझा की जिसमें 'टॉस जीतने' की बात की गई थी। मुंबई में एक पुरस्कार समारोह में बावुमा ने विलियमसन से 'टिप्स' मांगे थे क्योंकि न्यूजीलैंड ने पिछले साल भारत को उसकी सरजमीं पर 3-0 से मात दी थी।

उन्होंने कहा मैं केन से एक पुरस्कार समारोह में मिला था, मैंने उनसे कुछ 'टिप्स' मांगने की कोशिश की तो उन्होंने ज्यादा खुलकर नहीं बताया लेकिन उन्होंने इतना कहा, सुनिश्चित करो कि तुम टॉस जीत जाओ।

खुशी का इजहार

नई दिल्ली स्थित रेल भवन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को जर्सी भेंट करतीं महिला वनडे विश्व कप विजेता टीम की सदस्य प्रतिका रावल, स्नेहा राणा और रेणुका सिंह ने। ● एजेंसी

एरिगेसी और हरिकृष्णा प्री क्वार्टर फाइनल में

पणजी (गोवा)। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी और पी हरिकृष्णा के लिए बृहस्पतिवार का दिन अच्छा रहा जिसमें दोनों ने शतरंज विश्व कप के चौथे दौर के टाईब्रेकर में क्रमशः हंगरी के अनुभवी पीटर लेको और स्वीडन के निल्स ग्रैंडेलियस को हरा दिया। एरिगेसी ने टाईब्रेकर के पहले सेट में ही लेको को 3-1 से हरा दिया जबकि हरिकृष्णा ने पहला सेट ड्रॉ किया और फिर दूसरा सेट जीतकर कुल 2.5-1.5 से जीत हासिल कर अंतिम 16 में पहुंच गए। वहीं आर प्रज्ञानानंद बराबरी बरकरार नहीं रख सके और रूस के डेनियल डुबोव से हारकर इस साल के विश्व कप से बाहर हो गए। गौरतलब है 2023 में आयोजित पिछले चरण में इस युवा भारतीय ने फाइनल तक का सफर तय किया था पर नॉर्वे के विजेता मैग्नस कार्लसन से हार गए थे।

बढ़ेगा रोमांच

बहुप्रतीक्षित खेल की वापसी, महिलाओं का 20 व पुरुषों का 29 को होगा फाइनल

लॉस एंजेलिस ओलंपिक में क्रिकेट 12 जुलाई से

नई दिल्ली, एजेंसी

लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की बहुप्रतीक्षित वापसी 12 जुलाई से शुरू होगी। उसी महीने की 20 और 29 तारीखें पदक मुकाबलों के लिए निर्धारित हैं। पुरुष और महिला दोनों ही टूर्नामेंटों में छह टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें कुल 28 मैच होंगे।

आयोजकों ने बुधवार को लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक खेलों के लिए प्रतियोगिता कार्यक्रम जारी किया। अब तक ओलंपिक में क्रिकेट की एकमात्र उपस्थिति पेरिस 1900 में हुई थी, जिसमें केवल दो टीमें - एक ग्रेट ब्रिटेन की और एक फ्रांस की - एक दो दिवसीय मैच में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं - जिसे अब एक अनौपचारिक टेस्ट के रूप में मान्यता प्राप्त है। ग्रेट ब्रिटेन ने स्वर्ण

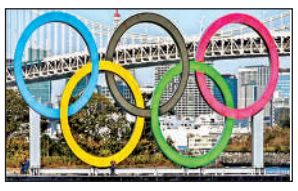

पदक जीता। लॉस एंजेलिस 2028 में, क्रिकेट पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग टी-20 प्रारूप टूर्नामेंटों के साथ और भी आधुनिक रूप में वापसी करेगा - प्रत्येक टूर्नामेंट के अपने-अपने पदक होंगे - स्वर्ण, रजत और कांस्य।

14 और 21 जुलाई को लॉस एंजेलिस 28 में कोई क्रिकेट मैच निर्धारित नहीं है। ज्यादातर मैच के दिन दो होंगे। भारतीय मानक समय के अनुसार, पहला मैच रात 9:30 बजे से शुरू होगा जबकि दूसरा मैच अगले दिन सुबह 7:00 बजे से शुरू होगा।

फेयरप्लेक्स में खेले जाएंगे मुकाबले

लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक के सभी क्रिकेट मैच फेयरग्राउंड्स में एक अस्थाई, विशेष रूप से निर्मित स्थल पर आयोजित किए जाएंगे। पोमोना में - लॉस एंजेलिस से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित एक शहर। आधिकारिक तौर पर फेयरप्लेक्स के नाम से जाना जाने वाला, लगभग 500 एकड़ का यह परिसर 1922 से लॉस एंजेलिस काउंटी मेले की मेजबानी करता आ रहा है और नियमित रूप से संगीत कार्यक्रमों, व्यापार शो, खेल आयोजनों और सांस्कृतिक समारोहों का स्थल रहा है। एलए 28 में क्रिकेट को शामिल करना विभिन्न बहु-खेल आयोजनों में इस खेल के शामिल होने के बढ़ते चलन का परिणाम है। 1998 के कुआलालंपुर राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों का क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया गया था, जबकि महिलाओं के खेल ने बर्मिंघम 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण किया। लोकप्रिय टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले पुरुष और महिला दोनों क्रिकेट टूर्नामेंट 2010, 2014 और 2023 के एशियाई खेलों का हिस्सा थे। क्रिकेट आगामी ओलंपिक में शामिल होने वाले पांच नए खेलों में से एक है। आईओसी ने दो साल पहले बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फ़ुटबॉल, लैक्रोस (सिक्स) और स्क्वैश के साथ क्रिकेट को लॉस एंजेलिस 2028 में शामिल करने की मंज़ूरी दी थी। क्रिकेट के साथ-साथ, स्क्वैश भी एक नया ओलंपिक खेल होगा, जिसमें लॉस एंजेलिस 2028 में भारतीयों की भारी रुचि होने की उम्मीद है। लॉस एंजेलिस 2028 में स्क्वैश प्रतियोगिताएँ 15 जुलाई से लॉस एंजेलिस के यूनिवर्सल सिटी स्क्वैश सेंटर में आयोजित की जाएंगी।

दीप्ति का घर पहुंचने पर जोरदार स्वागत

आगरा, एजेंसी

अपने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत को पहली बार महिला विश्व कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली दीप्ति शर्मा का गुरुवार को यहां अपने घर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया।

इस दौरान 10 किलोमीटर लंबा रोड शो भी किया गया। भारत ने दो नवंबर को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराया था। जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित रोड शो में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। स्कूली बच्चे, क्रिकेट प्रेमी, गणमान्य व्यक्ति और विभिन्न सामाजिक एवं खेल संगठनों के सदस्य इस कार्यक्रम में शामिल हुए तथा रोड शो के मार्ग पर झंडे लहराते हुए और फूल बरसाते हुए नजर आए।